अक्तूबर में वृद्धि दर सुस्त पड़कर 0.4 प्रतिशत पर आई, आईआईपी में वृद्धि दर 13 माह के निचले स्तर पर-12

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान वक्फ संपत्ति विवरण पर समय सीमा बढ़ाने से किया सुप्रीम इन्कार-12

एस जयशंकर बोले- जैविक हथियारः चुनौती से निपटने को खाका तैयार करने की जरूरत-13

कोच ने की तारीफ कहा- फिटनेस और फॉर्म बरकरार विराट के भविष्य को लेकर सवाल ही नहीं उठता-14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष द्वादशी 03:57 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 2 दिसंबर 2025, वर्ष 4, अंक 102, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

संसद ड्रामा करने की जगह नहीं : मोदी

शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री बोले-विपक्ष इसे हताशा निकालने का मंच बना रहा

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

हंगामे के बीच एक विधेयक पारित, सरकार ने माना-देशभर के एयरपोर्ट्स पर साइबर अटैक हुए

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर कड़ा हमला बोलते हुए कहा कि संसद ड्रामा करने की जगह नहीं है, यह काम करने की जगह है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विपक्ष संसद को चुनावी हार के बाद हताशा निकालने का मंच बना रहा है। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले संसद परिसर में प्रधानमंत्री ने कहा कि सत्र को राजनीतिक ड्रामे का रंगमंच नहीं बनाना चाहिए, बल्कि यह रचनात्मक और परिणामोन्मुखी बहस का मंच होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष चाहे तो वह उसे राजनीति में सकारात्मकता लाने के कुछ सुझाव देने को तैयार हैं। मोदी ने संसद की कार्यवाही बाधित करने के लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, हमें जिम्मेदारी की भावना से काम करने की जरूरत है। पिछले सत्रों के दौरान संसदीय कार्यवाही बाधित करने के लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, नाटक के लिए बहुत जगह है जो लोग यह करना चाहते हैं, वे इसे करते रहें। संसद नाटक के लिए जगह नहीं है, यह काम करने की जगह है। हाल में संपन्न बिहार विधानसभा चुनावों में राजग को मिली शानदार जीत से उत्साहित मोदी ने विपक्षी दलों पर कटाक्ष करते हुए कहा, यहां तक कि आप देश भर में ऐसा कर सकते हैं। आपने वहां बोला है जहां आप हार गए हैं। आप वहां भी बोल सकते हैं जहां आपको हार का सामना करना बाकी है। लेकिन संसद में, ध्यान नीति पर होना चाहिए, न कि नारों पर। बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर का विरोध कर रहे विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण संसद के मानसून सत्र में दोनों सदनों की कार्यवाही बार बार बाधित हुई थी। कहा कि पिछले 10 वर्षों से विपक्ष जो खेल खेल रहा है, वह अब जनता को स्वीकार नहीं है। मोदी ने उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन को राज्यसभा के सभापति के तौर पर पहले सत्र की अध्यक्षता के लिए बधाई दीं।

संसद सत्र की कार्रवाई के पहले दिन मौजूद प्रधानमंत्री मोदी, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा व संसदीय कार्यमंत्री मंत्री किरेन रीजीजू। ● एजेंसी

सरकार एसआईआर पर चर्चा के खिलाफ नहीं : रीजीजू

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने राज्यसभा में जोर दिया कि सरकार मतदाता सूची के एसआईआर व चुनाव सुधारों पर चर्चा के खिलाफ नहीं है, लेकिन उसे जवाब देने के लिए कुछ समय दिया जाए। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने सदन से बहिर्गमन किया। रीजीजू ने उच्च सदन में यह टिप्पणी उस समय की जब कांग्रेस नीत विपक्ष एसआईआर पर तत्काल चर्चा की मांग कर रहा था। उन्होंने कहा कि सरकार एसआईआर पर चर्चा की विपक्ष की मांग पर विचार कर रही है और इस मांग को खारिज नहीं किया गया है। विपक्ष की इस मुद्दे पर तत्काल चर्चा कराए जाने की मांग पर कहा कि वह एसआईआर पर चर्चा के समय के लिए शर्त नहीं रखे।

विपक्ष का हंगामा

पहले दिन लोकसभा में एसआईआर और कुछ अन्य मुद्दों को लेकर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की बैठक दो बार स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे के बीच ही लोकसभा ने 'मणिपुर माल और सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2025' पारित किया। विपक्ष की नारेबाजी के बीच ही वित्त मंत्री सीतारमण ने 'केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025' व 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पेश किया। सुबह 11 बजे सदन की बैठक राष्ट्रगान की धुन के साथ शुरू हुई। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ने कुछ दिवंगत पूर्व सदस्यों के निधन की जानकारी दी जिसके बाद कुछ पल मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद बिरला ने महिला विश्वकप क्रिकेट और महिला कबड्डी विश्वकप में भारत की जीत पर खिलाड़ियों को बधाई दी। इसके बाद जैसे ही उन्होंने प्रश्नकाल शुरू करने का निर्देश दिया, कांग्रेस, सपा समेत विपक्षी दलों के सदस्य एसआईआर समेत कुछ मुद्दों पर चर्चा की मांग करते हुए अपने स्थानों पर खड़े हो गए। कुछ सदस्य आसन के समीप आ गए। बिरला ने कार्यवाही चलने देने की अपील की। वहीं सरकार ने माना-देशभर के एयरपोर्ट्स पर साइबर अटैक हुए थे।

सदन की लक्ष्मण रेखा का पालन करें सदस्य : राधाकृष्णन

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को उच्च सदन में अपने प्रथम संबोधन में सदस्यों से संविधान के प्रति निष्ठावान रहने और संसदीय आचरण की निर्धारित लक्ष्मण रेखा का पालन करने की अपील की। सोमवार को सभापति के तौर पर पहली बार सदन की कार्यवाही की अध्यक्षता कर रहे राधाकृष्णन ने अपने पहले भाषण में सदस्यों से संस्थानों का सम्मान करने और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने का भी आह्वान किया।

तीन नवनिर्वाचित सांसदों ने राज्यसभा में शपथ ली

नई दिल्ली। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर से राज्यसभा के लिए नवनिर्वाचित तीन सदस्यों को सोमवार को सभापति सीपी राधाकृष्णन ने शीतकालीन सत्र के पहले दिन शपथ दिलाई। चौधरी मोहम्मद रमजान, सज्जाद अहमद किचलू और गुरविंदर सिंह ओबेरॉय समेत तीनों सदस्य सत्तारूढ़ नेशनल कांफ्रेस के हैं।

रेणुका चौधरी कुत्ते के साथ संसद पहुंचीं, विवाद खड़ा हुआ

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी सोमवार को अपनी कार में एक आवारा कुत्ते को लेकर संसद पहुंच गईं जिससे विवाद खड़ा हो गया और सत्तापक्ष के सांसदों ने उन पर नाटक करने का आरोप लगाया। विवाद के बीच रेणुका ने कहा कि जो लोग अंदर बैठे हैं वो काटते हैं, कुत्ते नहीं काटते। उनका कहना था कि वह आवारा जानवर को उठाकर पशु चिकित्सक के पास ले जा रही थीं। उन्होंने यह भी दावा किया कि सरकार को जानवर पसंद नहीं हैं और उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि आवारा कुत्ते को बचाने के खिलाफ कोई कानून नहीं है।

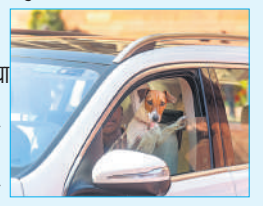

न्यूज ब्रीफ

सीमा पर 10,000 से अधिक बांग्लादेशी पकड़े गए: बीएसएफ

कोलकाता। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की पूर्वी कमान ने सोमवार को कहा कि पिछले एक साल में सीमापार से घुसपैठ करने या देश से बाहर जाने का प्रयास करते समय 10,263 बांग्लादेशियों को पकड़ा। सुरक्षा बल ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या घुसपैठ रोधी उपायों में की गई वृद्धि दर्शाती है, विशेष रूप से बांग्लादेश में अशांति के दौरान, जब बीएसएफ के जवानों ने अवैध प्रवासियों को भारत में प्रवेश करने से रोकने के लिए कड़ी निगरानी की।

वाणिज्यिक एलपीजी की दरें घटीं

नई दिल्ली। विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में 5.4 प्रतिशत की सोमवार को वृद्धि की गई, जबकि वाणिज्यिक रसोई गैस की कीमतों में 10 रुपये प्रति सिलेंडर की कटौती की गई है। सरकारी तेल कंपनियों ने वैश्विक रुझानों के अनुरूप मासिक मूल्य संशोधन की घोषणा की है। सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं के अनुसार, दिल्ली में विमान ईंधन की कीमतें 5,133.75 रुपये प्रति किलोलीटर बढ़कर 99,676.77 रुपये प्रति किलोलीटर हो गईं। यह तीसरी मासिक वृद्धि है। एक नवंबर को कीमतों में करीब एक प्रतिशत और एक अक्टूबर को 3.3 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी।

पराली जलाने को दोष नहीं दे सकते वायु प्रदूषण के कई अन्य कारक

नई दिल्ली, एजेंसी

- **शीर्ष कोर्ट ने कहा- प्रदूषण संकट पर सर्दियों में केवल रस्मी सुनवाई नहीं, नियमित निगरानी की जरूरत**
- **अल्पकालिक और दीर्घकालिक समाधान के के लिए महीने में दो बार होगी सुनवाई**

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के मुद्दे पर सुनवाई को केवल सर्दियों के महीनों में 'रस्मी' सुनवाई के तौर पर नहीं देखा जा सकता है, और इस समस्या के अल्पकालिक और दीर्घकालिक समाधान खोजने के लिए महीने में दो बार सुनवाई की जाएगी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सामान्य विमर्श में एक अहम बदलाव करते हुए कहा, पराली जलाने का मुद्दा अनावश्यक रूप से राजनीतिक मुद्दा या अहम का मुद्दा नहीं बनना चाहिए।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने दिल्ली- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण के लिए पराली जलाने को मुख्य कारण बताए जाने पर सवाल उठाते हुए पूछा, कोविड के दौरान पराली जलाई जा रही थी, लेकिन फिर भी लोगों को साफ नीला आसमान क्यों दिखाई दे रहा था? इससे ज्ञात होता है कि इसके पीछे अन्य कारक भी हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत के स्वयं का पैतृक निवास हरियाणा के हिसार में स्थित है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हम पराली जलाने पर टिप्पणी नहीं करना चाहते, क्योंकि इसका बोझ उन लोगों (किसानों) पर डालना गलत है, जिनका इस न्यायालय में बहुत कम प्रतिनिधित्व है। प्रधान न्यायाधीश ने तात्कालिक और दीर्घकालिक उपायों में स्पष्टता की मांग करते हुए केंद्र से वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और अन्य के विशिष्ट कदमों को बताने को कहा ताकि वह जान सके कि वायु प्रदूषण के खतरे से निपटने के लिये क्या अल्पकालिक और दीर्घकालिक कदम उठाए गए। शीर्ष अदालत ने इसी के साथ मामले की अगली सुनवाई के लिए 10 दिसंबर की तारीख तय की।

डिजिटल अरेस्ट मामलों में तुरंत एक्शन ले सीबीआई

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने सीबीआई को देशभर में डिजिटल अरेस्ट घोटाले की एकीकृत जांच का सोमवार को निर्देश दिया और आरबीआई से पूछा कि वह साइबर अपराधियों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे बैंक खातों का पता लगाने और उन्हें फ्रीज करने के लिए एआई का इस्तेमाल क्यों नहीं कर रहा है? प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति बागची की पीठ ने पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना सहित गैर-राजग शासित सभी राज्य सरकारों से कहा कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में डिजिटल अरेस्ट के मामलों की जांच के लिए सीबीआई को अनुमति दें। शीर्ष अदालत ने हरियाणा के एक बुजुर्ग दंपति की शिकायत पर स्वत: संज्ञान वाले मामले में निर्देश पारित करते हुए कहा कि साइबर अपराधी ज्यादातर वरिष्ठ नागरिकों को निशाना बनाते हैं और उनकी गाढ़ी कमाई हड़प लेते हैं।

एनआईए ने लखनऊ में कई घंटे खंगाला डॉ. शाहीन का घर, डिजिटल सामग्री की जब्त

दिल्ली विस्फोट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। दिल्ली लाल किला मेट्रो स्टेशन के बाहर हुए बम धमाके की मास्टर माइंड डॉ. शाहीन शाहिद के खंदारी बाजार स्थित आवास पर सोमवार को एनआईए की टीम पहुंची। एनआईए के अधिकारियों ने यहां करीब छह घंटे तक पूरे घर की तलाशी ली। वहीं, भाई व पिता से लगातार पूछताछ की गई। तलाशी के दौरान घर के अंदर से कई दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस बरामद हुए। जिनको जांच टीम साथ लेकर गई।

- **खंदारी बाजार में छह घंटे तक रही एनआईए की टीम**

इसके पहले टीम के आने की सूचना मिलते ही पर इलाके में भारी पुलिस तैनात कर दिया गया था। खंदारी बाजार की कई गलियों में आवागमन पर रोक लगा दी गई थी। टीम में फोरेंसिक विशेषज्ञ समेत आठ सदस्य शामिल थे। इसके अलावा दो अन्य टीमें भी लखनऊ के कई इलाकों में जांच कर रही थीं।

एनआईए ने कश्मीर में आठ स्थानों पर छापे मारे

नगर। एनआईए ने पुलवामा, शोपियां और कुलगाम जिलों में कई स्थानों पर छापेमारी की। टीम ने शोपियां में मौलवी इरफान अहमद वागे के आवास पर छापा मारा। वागे का नाम कट्टरपंथ को बढ़ावा देने और सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल में लोगों की शामिल करने के मुख्य साजिशकर्ता के रूप में उभरा है। उसे अक्टूबर में पुलिस ने गिरफ्तार किया था और एनआईए ने कार विस्फोट मामले की जांच अपने हाथ में लेने के बाद उसे हिरासत में ले लिया था।

पछुआ पवन ने ठिठुराया प्रदेश में गिरा तापमान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश में पछुआ पवन के चलते तापमान तेजी से गिर रहा है। कई जिलों में सोमवार को मौसम बदला है, लखनऊ, कानपुर, इटावा, बरेली में मध्यम शीतलहर की स्थिति है। इस बीच कई शहरों में न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस से नीचे जाने की संभावना है। वहीं, चक्रवात दित्वाह के असर से कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश की भी आशंका है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक अब पछुआ हवा की रफ्तार बढ़ेगी और ठंड का प्रभाव तेजी पकड़ेगा। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, हाल के दिनों में सक्रिय रहे दो पश्चिमी विक्षोभ अपना प्रभाव खो चुके हैं। जिसके चलते प्रदेश में ठंडी और सूखी पछुआ, उत्तर-पश्चिमी हवाएं तेज होने लगी हैं। अगले तीन–चार दिनों में तापमान में 2C से 4C तक गिरावट की संभावना है। जिसके साथ ठिठुरन और कोहरे का असर दिखेगा।

लखनऊ में धूप तो निकली, मगर पछुआ हवाओं ने उसकी गर्माहट को कमजोर कर दिया। हवा के झोंकों में ठंडक तेज रही और दोपहर में भी हल्की सिहरन महसूस होती रही। आने वाले दिनों में सुबह और शाम दोनों समय ठंड और गलन का असर साफ महसूस होगा। लखनऊ में हवा की गुणवत्ता की बात करें तो रविवार रात सात बजे एक्यूआई 200 के पार दर्ज किया गया, जो स्वास्थ्य के लिए खराब श्रेणी में आता है।

बरेली में सोमवार को न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को तापमान 8 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मुरादाबाद में सोमवार को न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं दिन में तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है, जबकि रात में यह 11.2 डिग्री सेल्सियस तक गिरने की उम्मीद है।

- **कई जिलों में बदला मौसम, कानपुर, इटावा, बरेली में शीतलहर**
- **कई शहरों में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंचा**

आचार संहिता को कानूनी रूप देने से इसे लागू करने में आएगी रुकावटः विधि आयोग

नई दिल्ली, एजेंसी

- **संसद की संयुक्त समिति को दी अपनी राय**

विधि आयोग ने कहा है कि आदर्श आचार संहिता लागू करने के लिए कानून लाने से चुनावों के दौरान इसके क्रियान्वयन में रुकावट आएगी और हो सकता है कि निर्वाचन आयोग की शक्ति कम हो जाए, जो स्वतंत्र, निष्पक्ष और समय पर चुनाव कराने के अनुकूल नहीं होगा।

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने से जुड़े विधेयकों का अध्ययन कर रही संसद की संयुक्त समिति को दी गई अपनी राय में, विधि आयोग ने कहा कि आदर्श आचार संहिता की 'सबसे बड़ी ताकत' इसकी तेजी से सुधार करने की क्षमता में है।

उसने कहा, चुनाव सख्ती से समय पालन करते हुए होते हैं, जिसके कारण उल्लंघन पर कुछ दिन या घंटों के भीतर ही ध्यान देना होता है, ताकि चुनावी प्रक्रिया को ऐसा नुकसान न हो जिसकी भरपाई ही न हो सके। विधि आयोग ने कहा कि अगर आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) वैधानिक हो जाती है, तो उल्लंघन के बाद औपचारिक कानूनी कार्रवाई शुरू हो जाएगी, जिससे न्यायिक पड़ताल शुरू हो सकती है।

2001 में भी आयोग ने ऐसा ही पक्ष रखा था

आयोग ने चेतावनी दी कि फैसले की प्रक्रिया हमेशा तेज, निर्णायक और असल कार्रवाई की जरूरत को पूरा नहीं कर सकती। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने याद दिलाया कि 2001 के आसपास, जब आयोग से चुनाव सुधार के बारे में पूछा गया था, तो उसने ऐसा ही पक्ष रखा था। विधि आयोग ने कहा कि मौजूदा प्रणाली निर्वाचन आयोग को अनुच्छेद 324 के तहत अपनी संपूर्ण शक्तियों का इस्तेमाल करके बिना किसी प्रक्रियागत देरी के समय पर दखल देने की इजाजत देती है।

निर्देश | मुख्यमंत्री योगी ने कहा- धान उठान, मिल मैपिंग की प्रक्रिया और सरल होगी

धान खरीद के बाद भुगतान में देरी नहीं करेंगे बर्दाश्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि धान क्रय केंद्र पर आने वाले प्रत्येक किसान का धान खरीदा जाए और भुगतान समय पर सीधे उनके खाते में पहुंच जाए। चेतावनी दी कि भुगतान में देरी किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने धान उठान, मिल-मैपिंग और अन्य प्रक्रियाओं को और सरल बनाने पर भी जोर दिया, ताकि खरीद सुचारु और निरंतर गति में बनी रहे।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को आवास पर शासन के शीर्ष अधिकारियों के साथ धान खरीद की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि धान खरीद की गति तेज हो और किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष कॉमन धान का एमएसपी 2369 रुपये और ग्रेड-ए का 2389 रुपये प्रति क्विंटल तय हुआ है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 69 रुपये अधिक है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि 30 नवंबर तक 1,51,030 किसानों से 9.02 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है और 1,984 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे किसानों के खातों में भेजी गई है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि भुगतान में देरी किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं होगी।

आंगनबाड़ी में फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति के निर्देश : मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि मिड-डे मील और आंगनबाड़ी केंद्रों में फोर्टिफाइड चावल की सप्लाई निर्बाध रूप से सुनिश्चित की जाए। इसके लिए पर्याप्त उपलब्धता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एफआरके सप्लाई सुचारु रखने हेतु वेंडरों की संख्या बढ़ाई जाए और तकनीकी अड़चनों का तत्काल समाधान किया जाए। बैठक में बताया गया कि अब तक लगभग 2,130 मीट्रिक टन एफआरके गुणवत्ता परीक्षण में उत्तीर्ण हुआ है।

- **1,984 करोड़ रुपये किसानों के खातों में ट्रांसफर, सीएम ने सभी किसानों का धान खरीदने का दिया निर्देश**

खाद-बीज की कमी नहीं होनी चाहिए

बैठक में खाद और बीज की उपलब्धता पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि किसी भी जिले में खाद या बीज की कमी नहीं होनी चाहिए और किसानों को दोनों वस्तु आसानी से उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग स्टॉक और आपूर्ति की नियमित समीक्षा सुनिश्चित करें।

धान क्रय केंद्रों की संख्या होगी 5 हजार

राज्य कुल 4,227 खरीद केंद्र संचालित हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि क्रय केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 5000 की जाए, ताकि किसानों को अपने गांव-कस्बे के निकट ही सुविधा उपलब्ध हो सके। उन्होंने खरीद केंद्रों पर आवश्यकता के अनुसार मैनपावर बढ़ाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र पर भीड़ न लगे और किसानों को वापस न जाना पड़े, यह प्रशासन की जिम्मेदारी है।

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

योगी कैबिनेट की बैठक आज

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कैबिनेट की बैठक 2 दिसंबर को सुबह 11 बजे लोकभवन में होगी। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी। राज्य के विकास, प्रशासनिक सुधार और नई योजनाओं से जुड़े महत्वपूर्ण फैसलों पर मुहर लगने की उम्मीद है।

कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना की संशोधित समय-सारिणी जारी

अमृत विचार, लखनऊ : वित्तीय वर्ष 2025-26 में पिछड़ा वर्ग युवाओं के लिए संचालित ओ लेवल और सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना के दूसरे चरण की समय-सारिणी में संशोधन किया गया है। पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने कहा कि पिछड़ा वर्ग के युवाओं को रोजगारपरक, गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराए जाने का उद्देश्य है, ताकि वे सरकारी, निजी और स्व-रोजगार क्षेत्रों में मजबूत रूप से स्थापित हो सकें। निदेशक पिछड़ा वर्ग कल्याण डॉ. वन्दना वर्मा ने बताया कि जिला स्तर पर तय प्रक्रिया के बाद चयनित लाभार्थियों को सत्यापित कर डिजिटली लॉक करना तथा शेष प्रशिक्षणार्थियों की प्रतीक्षा सूची तैयार करते हुए चयनित, प्रतीक्षासूची पर जिला स्तरीय चयन समिति का अनुमोदन प्राप्त करना 05 से 09 दिसम्बर तक किया जाएगा। छात्रों का आधार उपस्थिति के लिए प्रक्रिया 10 से 13 दिसम्बर तक की जाएगी। 15 दिसंबर से प्रदेश के सभी जिलों में एक साथ ट्रेनिंग शुरु होगी।

बेरोजगार युवाओं को आईटीआई रोजगार मेले में अवश्य बुलाएं

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. कौशल विकास मिशन निदेशक पुलकित खरे ने निर्देश दिया है कि पिछले तीन वर्षों में प्रशिक्षित ऐसे युवाओं का विस्तृत डाटाबेस तैयार किया जाए जिन्हें अब तक रोजगार प्राप्त नहीं हुआ है। ऐसे सभी युवाओं की हर माह 21 तारीख को आईटीआई में आयोजित रोजगार मेले में अनिवार्य सहभागिता सुनिश्चित की जाए, जिससे उन्हें उपलब्ध अवसरों का लाभ मिल सके। मिशन निदेशक ने निर्देशित किया कि सभी मंडलों में मंडल स्तरीय प्रतियोगिता 10 दिसंबर तक अनिवार्य रूप से आयोजित की जाए। प्रतियोगिता बाद प्रत्येक कौशल क्षेत्र से अवरोही क्रम में पांच-पांच पात्र अभ्यर्थियों के नाम मिशन कार्यालय को उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने बताया कि मिशन द्वारा प्रतियोगिता के लिए सेट ए एवं सेट बी के पासवर्ड-कोडेड गोपनीय प्रश्नपत्र जिलों को भेजे जाएंगे। मिशन निदेशक ने बताया कि जीरो पावर्टी अभियान की समीक्षा मुख्यमंत्री कार्यालय स्तर से की जा रही है, जिसमें चिन्हित परिवारों एवं स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें स्व-रोजगार तथा वेज-एम्प्लॉयमेंट से जोड़ने की दिशा में मिशन द्वारा निरंतर कार्य किया जा रहा है।

25 हजार आरोग्य मंदिर और 81 मेडिकल कॉलेजों के साथ यूपी बना देश में मॉडल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

विकसित यूपी कॉन्क्लेव

- **विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में उप्र. भूमिका निर्णायक: ब्रजेश पाठक**

अमृत विचार : उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि हमारा संकल्प है कि 2047 तक उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता को वही अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों, जो आज केवल महानगरों में मिलती हैं। हमारी कोशिश है कि एडवांस मेडिकल सुविधाएं जिले और तहसील स्तर तक पहुंचें और उत्तर प्रदेश विकसित भारत के स्वास्थ्य मॉडल का नेतृत्व करे।

उप मुख्यमंत्री सोमवार को राजधानी स्थित निजी होटल में 'विकसित यूपी कॉन्क्लेव ' में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित विकसित भारत 2047 के विज़न को साकार करने में उप्र. की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। इसके लिए राज्य सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। इस वक्त प्रदेश में 25 हजार से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर, 3500 से अधिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 200 से अधिक विशिष्ट अस्पताल और 81 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। इतना ही नहीं, निःशुल्क एंबुलेंस सेवा 102-108 का रेस्पॉन्स टाइम कम किया गया है, जिससे आपातकालीन सेवाओं की गति और दक्षता बढ़ी है। उन्होंने बताया कि सरकार संस्थागत प्रसव दर को बढ़ाते हुए मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने पर निरंतर कार्य कर रही है। विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं अब जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) पर उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों को बड़ी राहत मिली है।

कार्यक्रम को संबोधित करते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मंच पर मौजूद अन्य।

चिकित्सा स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकश्वर शरण सिंह ने कहा कि विकसित उप्र. ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करेगा और इसमें स्वास्थ्य क्षेत्र की भूमिका निर्णायक रहेगी। आर्थिक प्रगति का आधार स्वस्थ जनसंख्या है और इसी दिशा में प्रदेश सरकार निरंतर सुधार कर रही है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, जी.एन. सिंह, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष, प्रमुख सचिव नियोजन आलोक कुमार, सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य ऋचु महेश्वरी, सचिव स्वास्थ्य एवं निदेशक एनएचएम पिंकी जोवेल, सचिव चिकित्सा शिक्षा अपर्णा यू, स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. रतनपाल सुमन, विशेष सचिव धीरेन्द्र सचान, तथा आर्यका अखौरी सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

लखनऊ का रामसागर मिश्र, कानपुर का डफरिन समेत 14 अस्पताल बनेंगे हाईटेक

- **अमृत विचार, लखनऊ :** गुणवत्ता युक्त चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश के 14 अस्पतालों को आधुनिक उपकरणों से लैस किया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार ने 9.80 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृत प्रदान की है। ये जानकारी सोमवार को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने दी। उन्होंने बताया कि लखनऊ के बीकेटी क्षेत्र के साढ़ामऊ स्थित रामसागर मिश्र संयुक्त चिकित्सालय में 2.70 करोड़ रुपये से उपकरण खरीदे जाएंगे। बलरामपुर जिला महिला चिकित्सालय को 1.52 करोड़ रुपये, रायबरेली जिला चिकित्सालय को 1.56 करोड़ रुपये, महाराजगंज जिला संयुक्त चिकित्सालय को 1.16 करोड़ रुपये, कानपुर नगर के एएचएम डफरिन चिकित्सालय को 16.47 लाख रुपये, बागपत जिला संयुक्त चिकित्सालय को 28.55 लाख रुपये की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति को मंजूरी दी गई है। इस धनराशि से उपकरण आदि खरीदे जाएंगे। इसी तरह गोरखपुर के 100 शैय्या क्षय रोग सह सामान्य चिकित्सालय में 51.59 लाख रुपये, जिला चिकित्सालय में 78.45 लाख रुपये अत्याधुनिक मशीनें स्थापित की जाएंगी। हमीरपुर के दीवान शत्रुघ्न सिंह संयुक्त चिकित्सालय को 3.35 लाख रुपये की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई है। बस्ती हरैया के 100 शैय्या महिला चिकित्सालय में 8.68 लाख रुपए की मशीनें लगेंगी। इटावा के डॉ. भीमराम आंबेडकर संयुक्त जिला चिकित्सालय में 38.96 लाख, वाराणसी में मानसिक चिकित्सालय में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज भवन निर्माण के लिए उपलब्ध कराई गई भूमि से चिकित्सालय परिसर को अलग किया जाएगा। चहारदीवारी निर्माण के लिए 1.27 करोड़ रुपए अवमुक्त किए गए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ आईपीएस 2023 और 2024 बैच के प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी।

जीरो टॉलरेंस के साथ कानून-व्यवस्था को दें सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

2023 बैच के आईपीएस व 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने की सीएम से की भेंट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) 2023 और 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को ''संवाद, संवेदनशीलता और सकारात्मकता'' का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि जीरो टॉलरेंस के साथ कानून-व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। उत्तर प्रदेश जैसा विशाल राज्य पुलिस के लिए अनेक चुनौतियां लेकर आता है, इसलिए प्रशिक्षु अवधि को सीखने, समझने और अपने पुलिसिंग मॉडल को मजबूत बनाने का सुनहरा अवसर मानें।

सीएम आवास पर सोमवार को 23 प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री ने औपचारिक भेंट के दौरान कहा कि जिलों में प्रशिक्षण के दौरान यह सीखना सबसे आवश्यक है कि वास्तविक समस्याओं का प्रभावी और संतुष्टिपरक समाधान कैसे किया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिस हमेशा फर्स्ट रिस्पांडर होती है। आपकी तत्परता, भाषा और प्राथमिकता पर ही पीड़ित का विश्वास टिका होता है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि पुलिस सेवा में सत्यनिष्ठा, अनुशासन और मानवीय दृष्टि ही सबसे बड़ी पूंजी है। आपका आचरण आने वाले वर्षों में न केवल कानून-व्यवस्था को दिशा देगा, बल्कि प्रदेश की सुरक्षा और जनता के विश्वास को भी मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से महिलाओं के प्रति अपराध, साइबर क्राइम और अवैध ड्रग्स के नेटवर्क के खिलाफ सतर्कता बढ़ाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, अपराध की प्रकृति तेजी से बदल रही है, इसलिए आपकी प्रतिक्रिया और तैयारी भी उतनी ही आधुनिक और त्वरित होनी चाहिए। डिजिटल फॉरेंसिक, साइबर टूल्स और तकनीक का कुशल उपयोग सीखें। मुख्यमंत्री ने ''थाना, सर्किल व पुलिस लाइन'' तीनों की कार्यप्रणाली, संसाधनों और चुनौतियों को समझने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इन तीनों स्तरों का सामंजस्य ही किसी जिले की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करता है।

जनप्रतिनिधि से संवाद गरिमापूर्ण और संयत होना चाहिए

- मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद को लेकर कहा कि यह गरिमापूर्ण और संयत होना चाहिए। कैजुअल अप्रोच पुलिस अधिकारी के लिए उचित नहीं है। जनप्रतिनिधि जनता की आवाज होते हैं, उनके साथ तालमेल कानून-व्यवस्था को और प्रभावी बनाता है।

थाना पुलिसिंग की नींव

- योगी ने प्रशिक्षुओं को सलाह दी कि प्रशिक्षण अवधि में थाने का चार्ज, उसके प्रशासन, विवेचना, ड्यूटी मैनेजमेंट और स्थानीय विवादों की प्रकृति को बहुत बारीकी से समझें। उन्होंने कहा कि थाना पुलिसिंग की नींव है। ह्यूमन इंटेलिजेंस आज भी किसी भी पुलिस अधिकारी का सबसे बड़ा हथियार है। स्थानीय लोगों से संवाद, फील्ड में उपस्थिति और विश्वास ही आपको मजबूत बनाते हैं।

आज काशी तमिल संगमम् के चौथे संस्करण में शामिल होंगे मुख्यमंत्री

अमृत विचार, लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ काशी तमिल संगमम् के चौथे संस्करण के उद्घाटन समारोह में शामिल होने हेतु मंगलवार को वाराणसी पहुंचेंगे। उत्तर और दक्षिण भारत को सांस्कृतिक रूप से जोड़ने वाला यह महत्त्वपूर्ण आयोजन अब अपने चौथे संस्करण में प्रवेश कर चुका है। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ मंगलवार को नमो घाट पर होगा।

उद्घाटन समारोह में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि, पुडुचेरी के उपराज्यपाल के कैलाश नाथ सहित अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

स्वार्थ को छोड़कर संसद को सुचारु रूप से चलाएं सांसद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : ससंद के शीतकालीन सत्र को लेकर बसपा प्रमुख मायावती ने सत्ता और विपक्ष, दोनों को नसीहत दी है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में कहा कि राजनीतिक स्वार्थ को छोड़कर संसद को सुचारू रूप से चलाने और सार्थक चर्चा करना जनहित में होगा।

बसपा प्रमुख ने कहा कि संसद के शीतकालीन सत्र के इस बार काफी हंगामेदार होने की संभावना है, परंतु हमारी पार्टी चाहती है कि संसद सुव्यवस्थित व शांतिपूर्ण तरीके से संचालित हों, जिससे देश व जनहित के जरूरी मुद्दों, राजधानी दिल्ली आदि शहरों में वायु प्रदूषण, वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर व्यावहारिक तौर पर हो रही परेशानियों एवं आपत्तियों व इस कार्य के मुख्य कर्ताधर्ता बीएलओ की दिक्कतों, उनके द्वारा की जा रही खुदकुशी आदि की घटनाओं पर सही से चर्चा हो सके।

नियोक्ताओं के पास अप्रैल 2026 तक मौका, कराएं कर्मियों का पंजीयन

प्रेसवार्ता में ईपीएफओ के आयुक्त प्रथम ने दी जानकारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने नामांकन अभियान 2025 के तहत नियोक्ताओं को विशेष अवसर दिया है। इसमें वे 1 जुलाई 2017 से 31 अक्टूबर 2025 के बीच जुड़े उन कर्मचारियों को पंजीकृत कर सकते हैं, जो किसी कारणवश ईपीएफ कवर से वंचित रह गए हैं। नियोक्ताओं के पास उन्हें पंजीयन कराने का आखिरी मौका अप्रैल 2026 तक का है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पात्र कर्मचारियों को स्वैच्छिक पंजीकरण द्वारा सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाना है।

यह जानकारी सोमवार को क्षेत्रीय भविष्य निधि संगठन के आयुक्त प्रथम अश्विनी कुमार गुप्ता ने दी। आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने बताया कि यदि कर्मचारियों से अंशदान नहीं काटा गया, तो कर्मचारी अंशदान माफ किया जाएगा। नियोक्ता को केवल नियोक्ता अंशदान धारा 7 क्यू का ब्याज प्रशासनिक शुल्क 100 रुपये क्षति शुल्क देना होगा। जिन प्रतिष्ठानों पर धारा 7ए, पैरा 26बी या पैरा 8 (ईपीएस-1995) के अंतर्गत जांच चल रही है, वे भी पात्र रहेंगे, और उन्हें केवल 100 रुपये नाममात्र क्षति शुल्क देना होगा। ईपीएफओ ऐसी किसी भी स्थिति में स्वतः कार्रवाई नहीं करेगा।

ईपीएफओ कार्यालय में प्रेसवार्ता में जानकारी देते आयुक्त प्रथम अश्विनी कुमार गुप्ता।

पहली बार नौकरी करने वालों को 15,000 की सहायता

- आयुक्त ने कहा कि पहली बार नौकरी करने वालों को सीधे 15,000 रुपये की सरकारी सहायता प्रति वर्ष किस्तों में बतौर प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। पहली किस्त 6 महीने पूर्ण होने पर, दूसरी किस्त 12 महीने पूरे करने पर उपलब्ध कराई जाएगी। यह राशि प्रधानमंत्री-विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के तहत दी जाएगी। इसे बढ़ावा देने के लिए तिथि को 1 अगस्त 2025 से 31 जुलाई 2027 तक के लिए लागू किया गया है। इसका कुल बजट 99,446 करोड़ रुपये रखा गया है और इससे 3.5 करोड़ औपचारिक नौकरियां सृजित करने का लक्ष्य है। इस दौरान क्षेत्रीय कर्मचारी निधि संगठन के आयुक्त द्वितीय आशीष कुमार के साथ प्रतीश सिंह सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। आयुक्त प्रथम ने बताया कि क्षेत्राधिकार के 6 जिले लखनऊ, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर खीरी, बाराबंकी, रायबरेली में पंजीकृत संख्या 39,580 प्रतिष्ठान में 5,16,109 अंशधारक सदस्य और 70,000 पेंशनर्स है।

जनता दरबार में बच्चे को दुलराते मुख्यमंत्री योगी।

पुलिस से जुड़े मामलों में निष्पक्षता व पारदर्शिता जरूरी : योगी

- **अमृत विचार, लखनऊ :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन में प्रदेश भर से आने वाले फरियादियों की समस्याएं सुनीं और प्रत्येक को त्वरित व निष्पक्ष समाधान का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस से जुड़े मामलों में निष्पक्षता और पारदर्शिता सर्वोपरि है। किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।मुख्यमंत्री ने जिलों में तैनात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई से जुड़े मामलों के समाधान में किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि जमीनी विवाद, राजस्व और पुलिस-प्रशासन से जुड़े मामलों में कार्रवाई निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध होनी चाहिए। योगी ने यह भी कहा कि पुलिस आयुक्त, एडीजी, एसएसपी और एसपी स्वयं निगरानी रखें और सुनिश्चित करें कि जनता को न्याय समय पर मिले। जनता दर्शन में दो पीड़ितों ने मुख्यमंत्री से अतिरिक्त आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। सीएम योगी ने उनकी बात सुनने के बाद तत्काल आश्वासन दिया कि सरकार उनके साथ है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा और संकट से जुड़े मामलों में सरकार नियमित रूप से सहायता दे रही है। आप एस्टिमेट बनवाकर दें, सरकार मदद सुनिश्चित करेगी। कार्यक्रम में अभिभावकों के साथ आए बच्चों को मुख्यमंत्री ने स्नेहपूर्वक दुलारा। उन्हें चॉकलेट दी, हालचाल पूछा और मन लगाकर पढ़ने की प्रेरणा दी। सोमवार के जनता दर्शन में 42 से अधिक फरियादी पहुंचे।

राजनीति | राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष और संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार पहुंचे लखनऊ

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष समेत सरकार की नई टीम पर मंथन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष के साथ डॉ. महेंद्र सिंह व अन्य नेता।

अमृत विचार : भाजपा में मिशन 2027 के मद्देनजर सोमवार को लखनऊ पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने सरकार और संगठन में बदलाव के साथ योगी से तालमेल पर मंथन किया। दिनभर बैठकों की श्रृंखला से साफ हो गया कि जल्द ही नए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और उनकी टीम के साथ मंत्री से संगठन में और संगठन से मंत्री बनने वाले नामों का ऐलान होगा। दोनों नेता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक से मुलाकात करके रणनीति बनाई।

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार का सोमवार को लखनऊ दौरा संगठन-सरकार में बड़े बदलाव, आगामी चुनावी तैयारियों और शीर्ष नेताओं के बीच तालमेल को नए सिरे से परखने की दृष्टि से बेहद अहम माना जा रहा है। वर्ष 2027 विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र दोनों नेताओं ने सुबह से देर शाम तक विभिन्न स्तरों पर लगातार रणनीतिक बैठकें कीं। दिल्ली से दोपहर में लखनऊ पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष का एयरपोर्ट पर पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह ने स्वागत किया। संतोष ने प्रदेश संगठन से जुड़े पदाधिकारियों से मुलाकात की और चल रहे अभियानों पर चर्चा की।

सूत्रों के अनुसार बीएल संतोष और अरुण कुमार की एक संयुक्त बैठक प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह के साथ भी हुई। सूत्र बताते हैं कि यह बैठक संगठन के भीतर समन्वय और रणनीतिक दिशा तय करने के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। दिनभर चली बैठकों के बीच बीएल संतोष और अरुण कुमार की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात को लेकर विशेष उत्सुकता रही। सीएम आवास पर संभावित मुलाकात के अतिरिक्त दोनों नेता उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक से भी अलग-अलग चर्चा कर सकते हैं। हालांकि देर शाम तक मुलाकात की अधिकारिक पुष्टि कहीं से नहीं हुई है।

संघ प्रचारकों के साथ सह सरकार्यवाह की गहन बैठकें

सोमवार सुबह से ही अरुण कुमार लखनऊ में संघ से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बैठक किए। बैठक में पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र प्रचारकों, विभाग प्रचारकों और प्रमुख प्रांतीय पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। प्रदेश में संघ कार्यों की वर्तमान स्थिति, शाखाओं का विस्तार, स्वयंसेवकों की सक्रियता, कैडर की मजबूती और सामाजिक समरसता से जुड़े कार्यक्रमों की प्रगति पर रणनीति बनीं। साथ ही, लोकसभा चुनाव 2024 के बाद राजनीतिक और सामाजिक परिवर्तनों के प्रभाव पर चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार बैठक को संघ की आंतरिक समीक्षा का महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है। यह समीक्षा आगामी महीनों में संघ और भाजपा द्वारा संचालित अभियानों व संपर्क कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने में आधार बनेगी।

धर्मपाल को जन्मदिन पर बधाई का तांता

प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह का सोमवार को जन्मदिन दिल्ली से आए बीएल संतोष और अरुण कुमार की उपस्थिति में और खास बन गया। दोनों नेताओं ने उन्हें बधाई दी। उधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संदेश में कहा है कि संगठन को शक्ति, कार्यकर्ताओं को प्रेरणा और समाज को सकारात्मक दिशा देने वाले धर्मपाल सिंह को जन्मदिन का हार्दिक बधाई। उन्होंने प्रभु श्रीराम से उत्तम स्वास्थ्य और निरंतर प्रगति की कामना की। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने भी बधाई दी है। इसी के साथ मंत्रियों, विधायकों, सांसदों, संगठन नेताओं का पूरे दिन बधाई देने का तांता लगा रहा।

भाजपा का सपना पूरा करना चाहता है चुनाव आयोग : अखिलेश यादव

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि ऐसा लगता है कि इलेक्शन कमीशन इस डेमोक्रेसी में भाजपा का ड्रीम पूरा करना चाहता है जिससे विपक्ष का वोट कट जाए। इधर जब से भाजपा खासकर उप्र. में हारी है उसके अंदर बेचैनी है। उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में अभी चुनाव दूर है। फिर सरकार द्वारा इतनी जल्दबाजी क्यों दिखाई जा रही है ।

सपा प्रमुख ने सोमवार को नई दिल्ली के संसद परिसर में बोल रहे थे। पार्टी मुख्यालय द्वारा जारी बयान में कहा लोकतंत्र मजबूत हो और संविधान के तहत पीडीए समाज को मजबूती मिले। मतदाता का वोट स्वतंत्र रूप से पड़े, उसका अधिकार पूरा किया जाएगा तो उसका सपना पूरा होगा। वह जिसके पक्ष या विपक्ष में चाहेगा वोट डालेगा।

पीएम मोदी के ड्रामा वाले बयान को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि एसआईआर कार्यक्रम से बीएलओ की जान जाना क्या ड्रामा था । सर्वेश गंगवार, विजय वर्मा, विपिन यादव, अंजू दुबे की मौतें ड्रामा है । जबकि हकीकत है कि बहुत से बीएलओ गणना प्रपत्र तक नहीं भर पा रहे है, उसे अपलोड नहीं कर पा रहे है। उन्होंने कहा कि एसआईआर का मतलब है कि वोट बढ़े। लेकिन भाजपा ने ऐसे मौके पर एसआईआर शुरू कराई जब शादियों के दिन है। यह इसलिए कि वोट बढे नहीं। इलेक्शन कमीशन चाहता है कि एसआईआर में सावधानी से वोट कट जाए। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा का काम वोट काटने का है। हम अपना वोट बचाने में लगे है। भाजपा की रणनीति है कि कैसे भी जीत हासिल की जाए। अभी बीजेपी पर बिहार की जनता का बहुत बड़ा उधार है, विपक्ष कभी ड्रामा नहीं करता है। विपक्ष ड्रामा करने वालों को रोकता है।

न्यूज ब्रीफ

गर्म चाय गिरने से झुलसा मासूम

रसूलाबाद। कबीर नगर निवासी एक मासूम गर्म चाय से झुलस गया। परिजन सीएचसी ले गए वहां इलाज किया गया। कबीर नगर निवासी मोहम्मद कासिम का बेटा अलफैज 2 किचन में खेल रहा था इसी दौरान खौलती हुई चाय का बर्तन उसके ऊपर पलट गया जिससे उसका हाथ गंभीर रूप से झुलस गया । परिजन आनन फानन सीएचसी ले गए वहां ईएमओ डॉक्टर सौरभ शाक्य ने भर्ती कर इलाज किया।

अलग-अलग जगहों में चार लोग घायल, दो की हालत नाजुक

रसूलाबाद : अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसे में चार लोग घायल हुए। इसमें दो की हालत चिंताजनक देखते हुए डॉक्टर ने हैलट रेफर किया है। औरैया जनपद के पूर्वा गजा बेला निवासी प्रियांशु 22 पुत्र महेश व आशीष कुमार 35 पुत्र नरेंद्र बाइक से रसूलाबाद की तरफ आ रहे थे । तभी लाल गांव मोड़ के पास अनियंत्रित ट्रैक्टर ने जोरदार टक्कर मार दी। इससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए सूचना पर पहुंचे परिजन इलाज के लिए सीएचसी ले गए वहां ईएमओ ने दोनों की हालत चिंताजनक देखते हुए हैलट रेफर कर दिया। इसी प्रकार नौहा नौगांव निवासी शिवा सविता 20 वर्ष व प्रेम नारायण का मासूम बेटा ओम 3 वर्ष भी सड़क हादसे में घायल हो गया। परिजन दोनों को सीएचसी ले गए वहां ईएमओ ने भर्ती कर इलाज किया।

सपा नेताओं ने लोगों को किया जागरूक

कानपुर देहात। रसूलाबाद विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सेक्टर बंद रहा में सपा नेताओं ने मतदाता जागरूकता अभियान चलाया। बूथ प्रभारी, बीएलए, सेक्टर प्रभारी की उपस्थिति में लोगों को जागरूक किया गया। विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र बहादुर राजपूत की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रसूलाबाद के प्रभारी समाजवादी पार्टी कानपुर देहात के पूर्व जिला अध्यक्ष वीर सेन यादव रहे। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि हर दशा में 11 दिसंबर के पूर्व मतदाता फॉर्म जमा कर दें और बीएलओ से रिसीविंग ले लें। पार्टी के हर कार्यकर्ता जिम्मेदारी है कि फार्म हर बूथ पर शत प्रतिशत जमा होने चाहिए। छह दिन शेष बचे हैं। हमें पूरी गंभीरता के साथ काम करना होगा। पुष्पेंद्र सिंह यादव, नीलम कठेरिया, नीता सचान, वीरू कुशवाहा, अरविंद यादव आदि रहे।

गलत टिप्पणी को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

कानपुर देहात। मध्य प्रदेश में एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा ब्राह्मण समाज की महिलाओं पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर भार्गव परशुराम सेवा समिति के तत्वावधान में सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया गया। कार्यकर्ताओं ने हाइवे ब्रिज अंडरपास पर एकत्र होकर पुतला फूंक कर प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी कार्यालय के माध्यम से भेजकर कार्रवाई किए जाने की मांग की। ब्रह्म कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में लक्ष्मीकांत दीक्षित, प्रभात बाजपेई, संजय अवस्थी, देवनारायण मिश्रा, राहुल त्रिपाठी आदि रहे।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

सूने घर पर चोरों का धावा, नकदी और जेवरात किए पार

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचार: कस्बे के विकास नगर में एक सूने घर में रविवार रात चोरों ने मुख्य गेट का दरवाजे का ताला तोड़कर जेवरात और 32 हजार नकदी पार कर दी।

सोमवार सुबह 10 बजे जब गृह स्वामी लौटा तो उसने मुख्य दरवाजे का ताला टूटा पड़ा देखा और अंदर जाकर देखने पर अलमारी खुली और सामान बिखरा पड़ा मिला तब उसे चोरी की जानकारी हुई उसने इसकी सूचना यूपी 112 डायल कर पुलिस को दी। पुलिस मौके की जांच पड़ताल कर ले गई है। गृह स्वामी ने इस मामले में चोरी की तहरीर दी है। विकास नगर निवासी प्राथमिक

चोरी के बाद बिखरा पड़ा सामान।

शिक्षक रामकुमार कमल ने बताया कि वह रविवार को निवारी टिकरा निवासी अपने चचेरे साले अमित के विवाह समारोह में शामिल होने पत्नी रंजना कमल व बच्चों सहित गए थे। सोमवार सुबह 10 बजे जब वे लौटे तो उन्हें मुख्य गेट का ताला टूटा पड़ा मिला और आधा दरवाजा खुला मिला। इस पर बदरवास हो अंदर घुसे तो देखा अलमारी खुली पड़ी थी। अलमारी की चाबी घर में ही रखीथी। जिससे चोरों ने आसानी से उसे खोल लिया और उसका सब सामान बिखरा पड़ा हुआ था।

अलमारी में रखे उसके जेवरात में एक सोने की चौन, दो अंगूठियां, एक जोड़ी टॉप्स ,एक जोड़ चांदी के पायल और 32 नकद नदारत मिले । उसने इसकी सूचना तत्काल यूपी 112 डायल कर पुलिस को दी है । पुलिस मौके की जांच कर ले गई है। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की तस्वीर मिली है। मौके की जांच की गई है। चोरी में किसी करीबी जानकारी का हाथ लगता है शीघ्र मामले का खुलासा किया जाएगा।

बाइक सवार चोरों ने दुकान से रुपये भरी गोलक पार की

रूरा : रूरा मिंडा कुआं मुख्य मार्ग पर जगनपुर गांव में सड़क किनारे एक गल्ला व्यापारी के गोदाम के बाहर रखी रुपयों से भरी गोलक अज्ञात बाइक सवार चोरों ने पार कर दी। घटना की जानकारी होने पर व्यापारी सन्न रह गया। पुलिस ने घटना की छानबीन व संदिग्ध चोरों की तलाश शुरू की है। जगनपुर गांव के रहने वाले अनुरुद्ध तिवारी गांव के बाहर रूरा मिंडा कुआं मुख्य मार्ग पर अपने मकान में ही गल्ला का गोदाम बनाए है। यहां वो फुटकर व थोक गल्ला खरीद करते है। करीब 11 बजे वो घर के अंदर पानी लेने गए। उसी दौरान दो बाइक सवार युवक आए और बाहर रखी गोलक उठा कर फरार हो गए।ऊपर छत पर खड़ी उनकी बहू ने जैसे ही बाइक सवारों को गोलक लेकर जाते देखा तो उसने शोर मचाना शुरू किया लेकिन तब तक चोर गोलक लेकर बाइक से रूरा की तरफ भगा गए।दुकानदार अनुरुद्ध तिवारी ने बताया कि गोलक में करीब 50 हजार से अधिक की नकदी थी, सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की छानबीन के बाद चोरों की तलाश शुरू कर दी है। लोगों ने बताया कि गोलक चुराने की घटनाएं इधर कुछ समय से बढ़ी हैं। एक माह एक अंदर इस तरह की तीन घटनाएं हो चुकी हैं। 6 नवंबर को गुटैहा में गल्ला व्यापारी सतेंद्र सिंह के यहां से बाइक सवार चोरों ने दिन दहाड़े गोलक पार कर दी, जब कि बीती 26 तारीख को बनीपारा स्थित परचून दुकानदार ऋषभ त्रिवेदी के यहां गोलक पार कर दी अब जगनपुर में गल्ला व्यापारी अनुरुद्ध तिवारी की गोलक चोरों ने पार कर दी है। एक माह में लगातार तीन गोलक चोरी हुई है। गोलक चोर न पकड़े जाने से पुलिस पर सवालिया निशान लग रहे हैं। चोरी की तीन घटनाएं होने के बाद पुलिस अभी एक भी गोलक चोर को चिन्हित नहीं कर सकी है।इससे रूरा पुलिस की कार्रवाई पर सवालिया निशान लग रहे है। थानाध्यक्ष रूरा अमित शुक्ला ने बताया कि पुलिस की तीन टीम चोरों की तलाश में लगी हुई है। जल्द ही घटनाओं का खुलासा किया जाएगा।

तहसील में वकीलों का विरोध जारी

सिकंदरा। तहसीलदार प्रशासन की कार्यशैली को लेकर अधिवक्ताओं का विरोध प्रदर्शन जारी है। सोमवार को बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रामकुमार तिवारी के नेतृत्व में वकीलों ने विरोध जताकर काम का बहिष्कार किया।

वकीलों ने तहसीलदार न्यायालय का बीते 15 दिनों से बहिष्कार जारी कर रखा है। अधिवक्ता अध्यक्ष ने बताया कि फाइलों में मनमाने तरीके आदेश किया जा रहा है। उमाशंकर यादव, इन्दर सिंह, देवेन्द्र कुमार, गम्भीर सिंह चौहान, विजय सैनी, मनीष कुमार, कृष्णचंद्र खरे आदि ने बताया कि रवैए में सुधार न आया तो अधिवक्ताओं का लगातार बहिष्कार जारी रहेगा।

शिवली में अधबनी माइनर में गिरा बाइक सवार, थमीं सांसें

भतीजे के साथ शादी समारोह में शामिल होने जा रहा था, भोला नेवादा गांव के पास हुआ हादसा

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचार: शिवली कोतवाली क्षेत्र में निर्माणाधीन माइनर में गिरने से एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। वहीं भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। मृतक के शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

कानपुर नगर के साढ़ थाना क्षेत्र के चरैया निवासी 45 वर्षीय बालेंद्र यादव अपने भतीजे आकाश यादव के साथ बाइक से रसूलाबाद के पलिया बांसखेड़ा अपनी भांजी ज्योति की शादी में जा रहे थे। भोला निवादा गांव के सामने रामगंगा नहर से निकली मवैया माइनर पर पुलिया का निर्माण कार्य चल रहा है। वहां से गुजरते समय उनकी बाइक अचानक माइनर की खुदाई से निकली सिल्ट से टकरा गई। टक्कर के बाद बालेंद्र उछलकर माइनर में जा गिरे और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। आकाश बाइक समेत निर्माण में प्रयोग की जा रही गिट्टी में जा घुसा। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी राजेंद्र प्रसाद ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घायल आकाश को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवली भेजा। वहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे कानपुर हैलट रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। देर रात परिजनों के पहुंचने पर पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पत्नी सुनीता,पिता सीताराम, मां महादेवी,पुत्रियां तन्नू और यशी,पुत्र उत्कर्ष,भाई देवेंद्र का रो रो कर बुरा हाल था।बालेंद्र अपने तीन भाइयों में सबसे छोटे थे।उनके बड़े भाई की पहले ही बीमारी के चलते मौत हो चुकी थी। प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार ने बताया कि मृतम के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

राकेश कुमार।

शिवली : कोतवाली क्षेत्र में बैरी मैथा मार्ग पर 29 नवंबर शनिवार की रात अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से गंभीर रूप से घायल हुए बाइक चालक की रविवार की दोपहर उपचार के दौरान कानपुर हैलट अस्पताल में मौत हो गई। युवक खेती किसानी का काम करता था। युवक की मौत की जानकारी मिलते ही परिजन बेहाल हो गए। रविवार की शाम पोस्टमार्टम के बाद मृतक का शव घर आते ही परिजन बिलख बिलख कर रोने लगे। मारग गांव निवासी राकेश कुमार उम्र 32 वर्ष पुत्र रामकुमार खेती किसानी का काम करता था। शनिवार की रात नौ बजे के करीब वह एक मांगलिक कार्य में शामिल होकर अपने घर वापस मैथा मारग आ रहा था तभी बैरी मैथा मार्ग पर नहर पुल से थोड़ा पहले नाला के पास बैरी की तरफ से आ रहे अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में पीछे से जोर दार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। राहगीरों से सूचना मिलने पर एम्बुलेंस से परिजनों द्वारा उपचार के लिए शिवली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया था। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार करने के बाद हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया था। उपचार के दौरान रविवार की दोपहर उसकी मौत हो गई। युवक की मौत की खबर लगते ही परिजनों के बीच कोहराम मच गया। पोस्टमार्टम के बाद रविवार की रात मृतक का शव जैसे ही घर पहुंचा तो हर तरफ चीख पुकार मच गई। मृतक की पत्नी वंदना गोद में लिए अपने 06 माह के मासूम बच्चे आदर्श के साथ दहाड़ मारकर रोने लगी। मृतक की मां सुमन पिता रामकुमार बेटी अंशिका 05 वर्ष का रो रो कर बुरा हाल था। मृतक के पांच भाई व एक बड़ी बहन है। मृतक भाइयों में पहले नंबर का था। कोतवाल प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि घटना की तहरीर मिलते ही रिपोर्ट दर्ज कार्रवाई की जाएगी।

सड़क किनारे बेहोश मिली छात्रा की इलाज के दौरान मौत

कानपुर देहात : जनपद के मंगलपुर थाना क्षेत्र में हवासपुर के पास प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही एक छात्रा सड़क के किनारे बेहोशी हालत में पड़ी मिली। उसे इलाज के लिए ग्रामीणों ने सीएचसी हवासपुर में भर्ती कराया जहां डाक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अस्पताल के मेमो पर पुलिस ने करवाई शुरू की है। मंगलपुर थाना क्षेत्र के तल्हु आपुर निवासी छात्रा के बड़े भाई कपिल कुमार ने बताया कि उसकी बहन शालिनी 17 वर्ष एसएससी की तैयारी कर रही थी। वह संदलपुर में स्थित एक कोचिंग सेंटर पर पढ़ने जाती थी। सोमवार की सुबह नौ बजे रोज की तरह घर से कोचिंग पढ़ने गई थी। सुबह करीब साढ़े दस बजे वह हवासपुर के पास सड़क के किनारे बेहोशी हालत में पड़ी थी। उसे देखकर सड़क पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। ग्रामीणों की सूचना पर 108 एंबुलेंस ने किशोरी को इलाज के लिए सीएचसी हवासपुर में पहुंचाया जहां डाक्टर अमित निरंजन ने उसकी हालत गंभीर बताकर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान छात्रा की मौत हो गई। मौत की सूचना पाते ही मां कोमलश्री बदहवास हो गई ।पिता रामशरण, बहिन भारती ,सलोनी आदि का रो रोकर बुरा हाल था।

दुर्घटना स्थल पर ग्रामीणों की लगी भीड़। अमृत विचार

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार चार लोग घायल

संवाददाता, रसूलाबाद

- मुंडन संस्कार समारोह से वापस लौट रहे थे बाइक सवार लोग

अमृत विचार। सोमवार की दोपहर बाइक से नौरंगा लालपुर थाना रूरा निवासी अपने मामा के यहां मुंडन संस्कार में सम्मिलित होकर वापस नैला कटरा जा रहे बाइक में ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। इससे बाइक में सवार एक बच्चे सहित चार लोग गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना पाकर कहिंजरी चौकी पुलिस सभी को सीएचसी रसूलाबाद ले गई है जहां उनका उपचार करने के बाद उन्हें हैलट कानपुर रेफर किया गया है।

मयूर विहार फेस 3 खोड़ा कॉलोनी गाजियाबाद निवासी मोहित कुमार 32 पुत्र सुधाकर सिंह राठौर अपनी पत्नी अर्चना देवी राठौर 25 ,पुत्री सृष्टि 3 एवं ललिता पत्नी नीलेश निवासी लहगांव जिला मैनपुरी बाइक से सोमवार दोपहर लगभग 1:30 बजे लालपुर रूरा निवासी अपने मामा रजपाल की लड़की वैष्णवी के मुंडन संस्कार से लौटकर नैला कटरा अपनी ससुराल जा रहे थे।

कहिंजरी बनीपारा मार्ग पर कपराहट मोड के समीप कहिंजरी से आ रहे पावर ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। इससे सभी लोग गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। इसकी सूचना पाकर कहिंजरी चौकी प्रभारी योगेंद्र कुमार शर्मा मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को सीएचसी रसूलाबाद भिजवाया । जहां डॉक्टर सौरभ शाक्य ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हैलट कानपुर रेफर किया गया है।

दिल्ली से घर लौट रहा किसान हुआ जहर खुरानी गिरोह का शिकार

संवाददाता, रसूलाबाद

- बेसुध व्यक्ति की सूचना राहगीरों ने पुलिस को दी

अमृत विचार: दिल्ली से मजदूरी कर घर लौट रहे किसान को रास्ते में जहर खुरानों ने अपना शिकार बनाकर उसकी जेब में रखें नकद रुपये ,मोबाइल समेत कीमती सामान लेकर फरार हो गए। रोडवेज बस के परिचालक ने जहर खुरानी के शिकार किसान को रसूलाबाद आजाद चौक के पास लावारिस हालत में उतार कर लिटा दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस उसे इलाज के लिए सीएचसी ले गई जहां उसका इलाज किया जा रहा है।

माल का पुरवा रसूलाबाद निवासी रामकुमार 45 दिल्ली में रहकर मजदूरी करते है। रविवार

जहर खुरानी का शिकार हुआ किसान।

शाम रोडवेज बस से घर वापस आ रहे थे इसी दौरान रास्ते में अज्ञात सहयात्री ने उन्हें बातों में उलझा कर कोई नशीला पदार्थ चाय में डालकर पिला दिया। जिससे वह बेसुध हो गए। इसके बाद रसूलाबाद चौराहे पर बेहोशी की हालत में रोडवेज बस के चालक व परिचालक उसे उतारकर चले गए।

बेसुध व्यक्ति की सूचना राहगीरों ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस उसे इलाज के लिए सीएचसी ले गई। ईएमओ डॉक्टर सौरभ शाक्य ने प्राथमिक इलाज के बाद हालत में सुधार न होते देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया । सीएचसी में रामकुमार की बहन गुड्डी देवी ने बताया कि रामकुमार का मोबाइल व जेब में एक भी रुपए नहीं मिले रामकुमार के होश में आने के बाद ही नुकसान की जानकारी हो सकेगी।

गैर विभागीय कार्यों के विरोध में जताया विरोध

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचार: ऑनलाइन उपस्थिति और सचिवों द्वारा लिए जा रहे हैं गैर विभागीय कार्यों के विरोध में सोमवार 1 दिसंबर से 4 दिसंबर तक के लिए ग्राम पंचायत अधिकारी एवं ग्राम विकास अधिकारी समन्वय समिति की जिला इकाई के पदाधिकारियों के नेतृत्व में स्थानी ब्लॉक कार्यालय में शांतिपूर्ण सत्याग्रह आंदोलन शुरू किया गया है। इसमें सभी सचिव काली पट्टी बांधकर सरकारी कार्य करेंगे। इसके बाद 5 दिसंबर को जनपद मुख्यालय पर धरना एवं ज्ञापन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

ग्राम विकास अधिकारी संदीप पटेल ने बताया की ग्राम पंचायत अधिकारी एवं ग्राम विकास अधिकारी समन्वय समिति के

सत्याग्रह आंदोलन करते ग्राम विकास अधिकारी एवं ग्राम पंचायत अधिकारी।

पदाधिकारियों अनुराग त्रिवेदी, प्रदीप कुमार शुक्ला, ऊदन सिंह, आशीष कुमार मिश्रा और विकास बाबू गौतम के निर्देश पर यह आंदोलन शुरू किया गया है। आंदोलन की रूपरेखा के अनुसार, 1 से 4 दिसंबर तक सभी सचिव काली पट्टी बांधकर सरकारी कार्य करेंगे। इसके बाद, 5 दिसंबर को जनपद मुख्यालय पर धरना एवं ज्ञापन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान सभी सचिव स्वयं को जनपद के सरकारी व्हाट्सएप समूहों से अलग कर लेंगे। 10 दिसंबर से सभी सचिव सरकारी वाहनों का उपयोग बंद कर देंगे। इसके बाद 15 दिसंबर 2025 को अवरोध आंदोलन के तहत ब्लॉक स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना बंद कर देंगे। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा सचिवों को उनके मूल दायित्वों से भटकाकर अतिरिक्त कार्यों का भार दिया जा रहा है। साथ ही, लगातार बढ़ रही ऑनलाइन उपस्थिति की अनिवार्यता भी जमीनी स्तर के कार्यों में बाधा बन रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आम सचिवों की समस्याओं और मांगों को शासन तक पहुंचाने के लिए यह सत्याग्रह आंदोलन आवश्यक हो गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक सरकार प्रभावी समाधान नहीं करती, तब तक यह शांतिपूर्ण आंदोलन चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगा। उपस्थित जनों में अभय यादव, चंद्रजीत पटेल, उत्कर्ष सिंह, सौरभ तिवारी, अभिषेक पांडेय, सुखदेव सिंह, अखिलेश सिंह, सत्येंद्र शर्मा, अविनाश शुक्ला, नितिन कुमार सहित कई ग्राम पंचायत अधिकारी और ग्राम विकास अधिकारी मौजूद रहे।

यातायात माह | मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचीं एसपी, नियमों को बताया जरूरी

नियमों पर पूछे सवाल, सही जवाब पर दी शाबासी

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचार: सोमवार को अकबरपुर में यातायात माह का समापन समारोह आयोजित हुआ। एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने मुख्य अतिथि के रूप में इसमें भाग लिया। उन्होंने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की और कहा कि चालान या दूसरी कार्रवाई से डर कर नहीं, खुद की जिम्मेदारी मान कर सुरक्षित यात्रा करें। समारोह में क्षेत्राधिकारी यातायात, प्रभारी निरीक्षक यातायात आदि अधिकारी रहे।

यातायात जागरूकता माह के समापन समारोह में जनपद के विभिन्न विद्यालयों के बच्चों, शिक्षकों, अभिभावकों, स्थानीय नागरिकों ने भी हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक ने

ट्रैफिक माह के समापन पर छात्रा से संवाद करतीं एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय।

दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। संबोधन में एसपी ने यातायात नियमों के पालन को जीवन रक्षक बताते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग से इनका अनुपालन करने का आह्वान किया। यातायात नियमों का पालन केवल कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि स्वयं एवं दूसरों की सुरक्षा का प्रमुख आधार है। बच्चों द्वारा इन नियमों को सीखना और अपनाना भविष्य के लिए एक सुरक्षित संस्कृति का निर्माण करेगा।

समारोह के दौरान ट्रैफिक रूल्स को लेकर बच्चों की प्रतियोगिता भी हुई। क्विज एवं जागरूकता सत्र में स्कूली बच्चों एवं नागरिकों से यातायात संबंधी विभिन्न प्रश्न पूछे गए। सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों, विशेषकर बच्चों, को उपहार देकर पुरस्कृत किया गया। पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में उपस्थित सभी अधिकारियों, बच्चों, नागरिकों ने सड़क सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए शपथ ली। टीएसआई राम बहादुर सिंह ने बताया कि पूरे माह चलाए गए सघन जन-जागरूकता अभियान के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की गई। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों, अध्यापकों व अभिभावकों के प्रति आभार ज्ञापन के साथ हुआ।

अभद्रता का विरोध करने पर की मारपीट

रसूलाबाद: मलिकपुर थाना गुरसहायगंज कन्नौज निवासी ने 28 नवंबर को बेला रोड पर मलखानपुर के समीप उसके भाई को अपशब्द कहने और विरोध करने पर मारपीट करने की रिपोर्ट 2 नामजद व दो अज्ञातों के विरुद्ध दर्ज कराई है।

कन्नौज निवासी अनुज कुमार ने पुलिस को बताया कि गत 28 नवंबर को उसके भाई शैलेश कुमार को मलखानपुर में बेला रोड पर निवासी हजरतपुर सौरिख कन्नौज निवासी हरिश्चंद्र व भीमसेन पुरवा थाना रसूलाबाद निवासी कल्लू व उनके दो अज्ञात साथियों ने अपशब्द कहे और उसके भाई के द्वारा मना करने पर उसे सभी लोगों ने मारा-पीटा। उसकी चीख पुकार सुनकर कुछ लोगों के आ जाने पर वह सभी लोग जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

जर्जर हो गई सीएचसी के सरकारी आवासों की दशा

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचार: रसूलाबाद सीएचसी स्थित सरकारी आवासों की स्थिति अत्यंत जर्जर एवं खतरनाक है। यहां रहने वाले स्वास्थ्य कर्मी और उनके परिवार लगातार भयभीत एवं असुरक्षित माहौल में रहने को विवश है। सीएचसी स्वास्थ्य केंद्र परिसर स्थित आवासों में रहने वाले स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि इन आवासों की छतें टूट चुकी हैं। तेज बारिश या खराब मौसम में उन्हें अपने परिवारों के साथ आवास से बाहर निकलना पड़ता है। परिसर में अवसान के आसपास जलभराव से खतरा और भी बढ़ जाता है। कर्मचारियों के अनुसार, जर्जर स्थिति के कारण हर दिन दुर्घटना का खतरा बना रहता है। ड्यूटी के बाद भी उन्हें इन्हीं असुरक्षित आवासों में रहना पड़ता

सीएचसी परिसर के जर्जर सरकारी आवास।

है, जिससे उन्हें लगातार समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में अधिकारियों को कई बार सूचित किया जा चुका है, लेकिन अभी तक मरम्मत या सुधार के लिए कोई कार्रवाई नहीं हुई है। नव नियुक्त सीएचसी अधीक्षक दीपक गुप्ता ने बताया कि उन्होंने हाल ही में पदभार संभाला है और जल्द ही संबंधित अधिकारियों को लिखित शिकायत भेजी जाएगी।

लिफ्ट देकर बाइक सवार युवकों ने उड़ाए दस हजार

रसूलाबाद: रूरा निवासी एक व्यक्ति बिल्हौर में अपनी बेटी की ससुराल जा रहा था। रसूलाबाद तिराहे पर बाइक सवार दो युवकों ने उनसे चौराहे का रास्ता पूछा और उनके द्वारा स्वयं चौराहे जाने की बात सुनकर उन्हें बाइक में बैठा लिया। इसी दौरान उनकी जेब काटकर उससे 10 हजार रुपये पार कर दिए। रूरा निवासी रामनारायण तिवारी बिल्हौर में बेटी के यहां जा रहे थे। रसूलाबाद तिराहे पर बाइक सवार दो युवक मिले। रसूलाबाद चौराहे का रास्ता पूछा। राम नारायण तिवारी ने स्वयं चौराहे जाने की बात उनसे बताई। तब उन बाइक सवारों ने उन्हें अपनी बाइक पर बैठा लिया। इसके बाद चौराहे पर उतारने के दौरान ही उनके अंदर बनियान के जेब में पड़े 10 हजार रुपये काट कर उड़ा दिए। बाद उन्हें इसका पता चला।

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025

अलग-अलग सड़क हादसों में 4 युवकों व अधेड़ की गई जान

हादसे के बाद परिजनों में मची चीख-पुकार

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। सदर व अजगैन कोतवाली और फतेहपुर चौरासी व बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र में वाहनों की टक्कर से चार लोगों की मौत हो गई। हादसे की खबर से परिजनों में चीख पुकार मच गई। संबंधित क्षेत्र की पुलिस ने जांच कर पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंपे हैं।

कानपुर नगर के नौबस्ता थानाक्षेत्र के खाड़ेपुर निवासी रवि राजपूत (30) मजदूरी करता था। वर्तमान में वह गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के मरहला चौराहा के पास किराए का कमरा लेकर रहता था। रविवार रात वह बेटे डुग्गू की तबियत खराब होने पर सिरप लेने की बात कह कर घर से निकला था। लेकिन वह वापस नहीं लौटा। देररात उसे लखनऊ- कानपुर हाईवे पर सदर कोतवाली क्षेत्र के शेखपुर नरी गांव के सामने अज्ञात वाहन उसकी बाइक में टक्कर मारकर भाग निकला। इसमें वह गंभीर घायल हो गया। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां उसकी मौत हो गई। पास मिले परिचय पत्र से पुलिस ने उसकी पहचान कर परिजनों को सूचना दी। हादसे की खबर से परिजनों में चीख पुकार मच गई। पत्नी शेनू, मां फूलन देवी रो-रोकर बेहाल रहीं। पिता राम सजीवन गुजरात में एक साबुन फैक्ट्री में काम करता है।

रवि राजपूत।

रविवार को वह गुजरात जाने के लिए निकला था। लेकिन बेटे की मौत की सूचना से मोर्चरी लौटा। पिता ने बताया कि उसके दो बेटों में बड़ा बेटा मनोज दिव्यांग था। उसकी पहले मौत हो चुकी है। बताया कि रवि पर कर्ज था। इस पर कानपुर वाला मकान बेचकर वे लोग किराए के मकान में रह रहे थे। दरोगा अंजनी सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। टक्कर मारने वाले वाहन का पता लगाया जा रहा है।

फैक्ट्री श्रमिक की सड़क हादसे में गई जान

फतेहपुर चौरासी। महमदपुर गांव निवासी राम नरेश (30) पुत्र कल्लू दही औद्योगिक क्षेत्र में एक फैक्ट्री में श्रमिक था। रविवार देर रात वह फैक्ट्री से घर लौट रहा था। तभी गांव से दो किमी पहले थानाक्षेत्र के रूपपुर चंदेला गांव के सामने अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। इसमें वह गंभीर घायल हो गया। पिता ने बताया कि किसी राहगीर ने उसे घायल पड़ा देख उसके फोन से परिजनों को सूचना दी। इस पर परिजन उसे सफीपुर सीएचसी लाए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह सुनते ही पत्नी रामदेवी बेहाल हो गई। बेटे की मौत से मां जमुना भी बदहवाश है। पिता ने बताया कि वह दो भाइयों में उमेश से बड़ा था। उसके दो बेटे आयुष (5) व कार्तिक (3) हैं। एसओ ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि वाहन की तलाश की जा रही है।

राम नरेश।

वाहन की टक्कर से बहनोई की मौत, साला घायल

बांगरमऊ। बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र के पोहपी खेड़ा गांव निवासी विजय (30) पुत्र स्व. बोडे हरियाणा के फरीदाबाद में आनलाइन खाद्य सामान आपूर्ति करने का काम करता था। रविवार सुबह वह फुफेरे साले की शादी में शामिल होने आया था। देररात वह बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के प्रेमगंज निवासी साले जितेंद्र के साथ बाइक में पीछे बैठ कर फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के देवरिया गांव से बारात में शामिल होने तड़वा गांव जा रहा था। तभी थानाक्षेत्र के सुसुमऊ गांव के पास अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। इसमें विजय गंभीर घायल हो गया। वहीं जितेंद्र चोटिल हो गया। उसकी सूचना पर पहुंचे परिजन घायलों को सीएचसी लाए। जहां से डॉक्टर ने उसे लखनऊ रेफर कर दिया। लेकिन वहां पहुंचने से पहले उसकी सांसे थम गई। इस पर परिजन शव लेकर गांव लौट आए। पति का शव देख पत्नी लक्ष्मी सदमे में आ गई। चचेरे भाई सुरेश ने बताया कि वह 3 भाइयों में छोटा था। उसके दो बेटियों में लच्छू (4) व चार माह की गुड़िया है। एसओ ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया परिजनो की सूचना पर शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

कार ने बाइक में मारी टक्कर, किशोर की मौत

बांगरमऊ, अमृत विचार। बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र के नारायणखेड़ा निवासी अनिल अपने 14 वर्षीय बेटे संतोष व चचेरे भाई मंगे के साथ भांजे की बारात में शामिल होने हरदोई जिले के सिंधवल गांव गया था। जहां से लौटते समय बीती रात बांगरमऊ-संडीला मार्ग पर सई नदी पुल के पास कार ने बाइक में टक्कर मार दी। इसमें बाइक सवार तीनों लोग घायल हो गए। जिन्हें हरदोई जिले के कासिमपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां संतोष को डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। वहीं पिता अनिल व चाचा मंगे को रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना पर हरदोई पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। चर्चा है कि टक्कर मारने8 वाली कार भी उसी बारात में गई थी।

डंपर की टक्कर से स्कूटी सवार की गई जान

नवाबगंज। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के सरांय इंदल गांव निवासी कन्हैया लाल शर्मा (55) पुत्र स्व. सुंदर लाल कानपुर के हरबंश मोहाल थानाक्षेत्र के तेलियानी मोहल्ला में किराए के मकान में रहकर हालासी रोड में एक दुकान में काम करता था। सोमवार सुबह वह खेती के काम से गांव जा रहा था। तभी लखनऊ-कानपुर हाईवे पर कोतवाली क्षेत्र के मिश्रीगंज गांव के सामने डंपर ने उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी। इसमें वह गंभीर घायल हो गया। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे सीएचसी भेजा। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद चालक डंपर छोड़कर भाग निकला। जिसे पुलिस ने कोतवाली में खड़ा कराकर परिजनों को हादसे की सूचना दी। खबर मिलने पर पहुंचा इकलौता बेटा गौरव शव देख बिलख उठा। बताया कि मां मांडवी की दो साल पहले बीमारी से मौत हुई थी। अब पिता भी साथ छोड़ गए। अजगैन कोतवाल सुरेश सिंह ने बताया कि टक्कर मारने वाले डंपर को पकड़ लिया है।

न्यूज ब्रीफ

महिला जनसुनवाई कार्यक्रम 5 दिसंबर को

उन्नाव, अमृत विचार। राष्ट्रीय महिला आयोग नई दिल्ली की सदस्या अर्चना मजूमदार 5 दिसंबर को महिलाओं की समस्याओं के निदान हेतु महिला जनसुनवाई कार्यक्रम में पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस (निरीक्षण भवन) में प्रतिभाग करेंगी। यह जानकारी जिला प्रोबेशन अधिकारी ने दी।

अन्ना मवेशी से टकरा कर बाइक सवार गंभीर

नवाबगंज। दही थानाक्षेत्र के गांव बारिगंवा निवासी चंदन (42) पुत्र नजर अली सोमवार शाम किसी काम से चमरौली गांव बाइक से आया था। वापस लौटते समय लालपुर गांव के पास सड़क पर अचानक अन्ना मवेशी आ गया। जिससे टकराकर वह गंभीर घायल हो गया। सूचना पर पहुंचे पीआरवी कमांडर शिव कुमार सरोज व चालक सचिन ने चंदन को अपने वाहन से सीएचसी नवाबगंज पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने उसे गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

हाईवे पर डामरीकरण से पूरे दिन रेंगे वाहन

शुक्लागंज। सोमवार को एनएचएआई ने लखनऊ-कानपुर हाईवे पर कर्मी बिझलामऊ के पास डामरीकरण कार्य शुरू कराया। सुबह से काम तेज होने पर सड़क पर बैरियर लगाकर आधा मार्ग बंद कर दिया गया। मशीनें व निर्माण सामग्री सड़क पर फैलने से रास्ता संकरा हो गया और वाहनों को एक-एक कर निकलना पड़ा। संकरी लेन के कारण हाईवे पर जाम की स्थिति बन गई और कई वाहन लंबे समय तक फंसे रहे। हाईवे पर जगह-जगह बने गड्ढों की मरम्मत के लिए एनएचएआई टीम तैनात की गई थी। लेकिन कार्य के दौरान कानपुर की ओर जाने वाले वाहनों की रफ्तार थम-सी गई। सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक वाहन रेंगते हुए आगे बढ़ते रहे, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। करीब पांच घंटे बाद डामरीकरण के प्रमुख हिस्से के पूरा होने पर बैरियर हटाए गए और यातायात धीरे-धीरे सामान्य हो सका।

बिजली बिल राहत योजना में पहले दिन हुए 12 रजिस्ट्रेशन

शुक्लागंज। शासन की बिजली बिल राहत योजना 2025-26 का पहला चरण सोमवार से शुरू हुआ। इसकी शुरुआत होते ही बड़े बकायेदार गंगाघाट सब स्टेशन पहुंचे और शिविर में रजिस्ट्रेशन कराकर लाभ लेना शुरू किया। पहले दिन 12 उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया और ब्याज माफी के साथ 25 प्रतिशत मूलधन छूट का फायदा लिया। विभाग को पहले दिन करीब डेढ़ लाख का राजस्व जमा हुआ। विद्युत बिजली विभाग की ओर से नगर पालिका परिसर व गायत्री नगर में भी शिविर लगाए गए। जबकि सब स्टेशन पर अलग से रजिस्ट्रेशन काउंटर लगा। एसडीओ राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि अधिक से अधिक उपभोक्ता योजना का लाभ ले सकें इसके लिए नगर के विभिन्न मोहल्लों में क्रमवार शिविर लगेंगे। विभाग का लक्ष्य है कि बकाया बिजली बिलों की वसूली बढ़ाकर उपभोक्ताओं को राहत दी जा सके।

अभियान चलाकर 20 ऑटो सीज

शुक्लागंज। रविवार को कानपुर जाते समय उन्नाव सांसद के जाम में फंस जाने के बाद गंगाघाट कोतवाली पुलिस ने यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। सोमवार को पुलिस टीम ने नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह, बालूघाट चौकी इंचार्ज गजेन्द्र सिंह तथा गंगाघाट पुलिस टीम ने पोनी रोड तिराहे से बालूघाट मोड़ तक सड़क किनारे खड़े ई-रिक्शा, टेंपो और ऑटो की जांच की। इस दौरान नो पार्किंग क्षेत्र में खड़े 20 ऑटो सीज कर दिए गए।

हाईस्कूल व इंटर परीक्षा के लिए बनाए गए 122 केंद्र

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। माध्यमिक शिक्षा परिषद उप्र प्रयागराज के सचिव द्वारा वर्ष 2026 की हाईस्कूल व इंटर की परीक्षा के लिए 122 परीक्षा केंद्रों का निर्धारण किया गया है।

डीआईओएस सुनील दत्त ने बोर्ड सचिव द्वारा जारी किए गए परीक्षा केंद्रों में कितने छात्र किन-किन विद्यालयों में परीक्षा देंगे इसका भी आवंटन कर दिया है। उन्होंने कहा है कि बोर्ड से चयनित परीक्षा केंद्रों के संबंध में यदि कोई आपत्ति या शिकायत हो तो संस्था, विद्यालय के छात्र, अभिभावक, प्रधानाचार्य, प्रबन्धक युक्तियुक्त कारण व साक्ष्य सहित जनपदीय केन्द्र निर्धारण समिति के समक्ष निर्धारित प्रारूप (संलग्न) पर अपना ऑनलाइन प्रत्यावेदन माध्यमिक शिक्षा परिषद के पोर्टल upmsp.edu.in पर 4 दिसम्बर 2025 तक प्रस्तुत कर सकते हैं। इस तिथि के बाद कोई भी प्रत्यावेदन मान्य नहीं होगा।

जिले में हैं 414 माध्यमिक विद्यालय

माध्यमिक शिक्षा परिषद उप्र प्रयागराज की हाईस्कूल व इंटर की परीक्षा 18 फरवरी से 12 मार्च तक होनी है। जिले में 41 राजकीय, 59 सहायता प्राप्त व 314 वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालय हैं। इस वर्ष हाईस्कूल में 39163 व इंटर में 41245 छात्र पंजीकृत हैं। इन छात्रों के लिए बोर्ड द्वारा 122 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। यह केंद्र जिला स्तर की प्रस्तावित समिति की आख्या के आधार पर प्रस्तावित किए गए हैं। पहले दिसंबर को बोर्ड सचिव द्वारा परीक्षा केंद्रों की सूची जारी की गई है। अब आपत्तियां 4 दिसंबर तक मांगी गई हैं। ताकि किसी प्रकार की त्रुटि हो तो उसे सुधारा जा सके।

पंचायत सचिवों ने हाथों में काली पट्टी बांधकर किया आंदोलन

बांगरमऊ, उन्नाव, अमृत विचार। ब्लॉक कार्यालय परिसर में विभिन्न समस्याओं को लेकर सभी पंचायत सचिवों ने सोमवार को हाथों में काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण सत्याग्रह आंदोलन की शुरुआत की। सचिवों के अनुसार शासन द्वारा मांगे न माने जाने तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

ग्राम पंचायत अधिकारी व ग्राम विकास अधिकारी समन्वय समिति की ब्लाक इकाई द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराए बिना पंचायत सचिवों के निजी मोबाइल व सिम से फेसियल रिकाग्निशन बेस्ड अटेंडेंस सिस्टम जरिए पंचायत सचिवों की उपस्थिति के शासकीय पत्र से पूरे प्रदेश के सचिवों में रोष व भय व्याप्त है। साथ ही शासन द्वारा उन पर जबरन थोपे गए फार्मर रजिस्ट्री, एग्रो स्टैक सर्वे, गौशाला प्रबंधन, आयुष्मान हेल्थ कार्ड, फैमिली आईडी, विभिन्न पेंशन के सत्यापन, आपरेशन कायाकल्प व पराली प्रबंधन आदि गैर विभागीय कार्यों के लिए दबाव बनाया जा रहा है। इस परिस्थिति के चलते पंचायत सचिव बीमारी से ग्रस्त होने के साथ विभिन्न दुर्घटनाओं का शिकार भी हो रहे हैं। पंचायत सचिवों का कहना है कि यदि शासन द्वारा इन समस्याओं से निजात न दी गई तो 5 दिसंबर से सभी पंचायत सचिव शासकीय ह्वाट्सएप ग्रुपों से खुद को पृथक कर लेंगे। जबकि 10 दिसंबर से सभी सचिव निजी वाहन से सरकारी कार्य नहीं करेंगे और 15 दिसंबर को सभी सचिव अपने डोंगल ब्लाक कार्यालय में जमा कर देंगे। पंचायत सचिवों ने कहा कि समस्याओं के समाधान तक उनका प्रदर्शन जारी रहेगा। प्रदर्शन में ब्लॉक के पंचम लाल, जंग बहादुर, सुभाष गौतम, आशीष सिंह पटेल, रोहित सिंह, रबीना व विमल आनंद जी सुमन आदि शामिल रहे।

प्रदर्शन करते पंचायत सचिव। अमृत विचार

प्रदर्शन में शामिल हुए नवाबगंज के सचिव

नवाबगंज, अमृत विचार। सोमवार को विकासखंड कार्यालय में ग्राम विकास अधिकारी व पंचायत अधिकारियों ने बांह पर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन की शुरुआत की। इसका मुख्य कारण शासन द्वारा एफआरएस प्रणाली पर दिन में तीन बार उपस्थिति देने के निर्देश और अन्य विभागों के अतिरिक्त कार्य हैं। जिनका वे विरोध कर रहे हैं। कार्यालय में ब्लॉक समन्वय समिति का गठन किया गया। जिसमें दिलीप मिश्र को अध्यक्ष व आशीष पटेल को मंत्री चुना गया। अध्यक्ष दिलीप मिश्रा ने कहा कि सत्याग्रह के दौरान सरकारी कार्य नहीं रोके जाएंगे। 1 से 4 दिसंबर तक काली पट्टी बांधकर कार्य किया जाएगा। 5 दिसंबर को विकासखंड कार्यालय में सांकेतिक धरना होगा। इसके बाद मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया जाएगा। बताया कि 10 दिसंबर से इंजन चालित वाहनों का उपयोग बंद कर साइकिल या सार्वजनिक परिवहन से क्षेत्र भ्रमण किया जाएगा तथा 15 दिसंबर से ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर भुगतान के लिए उपलब्ध डोंगल को वापस कर दिया जाएगा।

मांगें पूरी न होने तक जारी रहेगा आंदोलन

बिछिया। ब्लॉक मुख्यालय में सोमवार को सचिवों ने मांगों को लेकर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होंगी वे विरोध जारी रखेंगे। उन्होंने सरकार से उनकी मांगों पर ध्यान देने का आग्रह किया। सचिवों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द विचार नहीं हुआ तो आंदोलन और व्यापक होगा। इसमें सचिव ओमशंकर तिवारी, शिवांक शुक्ला, महेश चंद्र, मनीष, रणंजय सिंह आदि रहे।

काम पर लौटीं हड़ताल पर गई आशाबहुएं

नवाबगंज, अमृत विचार। मानदेय सहित अन्य समस्याओं के समाधान को लेकर ब्लाक नवाबगंज क्षेत्र की आशा बहुएं कार्य बहिष्कार कर कलम बंद हड़ताल पर चली गई थीं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अधिकारियों से वार्ता के बाद करीब एक माह बाद आशाबहुओं ने हड़ताल समाप्त करने का पत्र सीएचसी अधीक्षक को सौंपा है।

बता दें कि नवाबगंज ब्लाक क्षेत्र में कार्यरत आशा बहुएं मानदेय वृद्धि व लंबित भुगतान आदि समस्याओं के लिए आशा बहू कल्याण समिति के बैनर तले 1 नवंबर से कलम बंद हड़ताल पर थीं। आशा बहू कल्याण समिति की नवाबगंज ब्लॉक अध्यक्ष उमा देवी ने बताया कि आशा बहुओं के लंबित भुगतान, मानदेय वृद्धि समेत अन्य समस्याओं के समाधान के लिए वह सभी एक माह से कलम बंद हड़ताल पर थीं। बीती 28 नवम्बर को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के महानिदेशक व अन्य अधिकारियों से उनकी मांगों व समस्याओं को लेकर वार्ता हुई। जिसमें लंबित भुगतान, मानदेय वृद्धि आदि समस्याओं पर सहमति बनी है। बताया कि इसके बाद आशा बहू कल्याण समिति ने हड़ताल समाप्ति की घोषणा की है।

गौशालाओं को तिरपाल से ढककर रखें : डीएम

गौशाला का निरीक्षण करते जिलाधिकारी गौरांग राठी। अमृत विचार

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने नगर पालिका परिषद उन्नाव अंतर्गत गौशाला का निरीक्षण किया। इसमें उन्होंने पशुओं को ठंड से बचाव के इंतजाम, हरा चारा, खली, चोकर, पशु आहार, भूसा व पानी सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाएं देखीं।

जिलाधिकारी ने ईओ नगर पालिका परिषद उन्नाव को निर्देशित किया कि ठंड में पशुओं को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। चारों ओर से गौशाला को तिरपाल से ढककर रखा जाए। पशुओं को ठंड में कोई भी दिक्कत हुई तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कहा कि बीमार पशुओं का इलाज समय से हो यह ध्यान रखा जाए। गौशाला में खली, चोकर व भूसा पर्याप्त हो। भूसा के साथ पशुओं को हरा चारा, खली, चोकर, पशु आहार मिलाकर दिया जाए। कहा कि गौवंश की देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही न हो यह विशेष ध्यान दिया जाए। जिलाधिकारी ने सभी गोवंशों की ईयर टैगिंग कराने के निर्देश भी दिये।

एआरटीओ प्रवर्तन के तीन हमराही सिपाही निलंबित

उन्नाव। जिले की सीमा से ओवरलोड वाहनों पास कराने के चल रहे खेल का एसटीएफ ने भांडा फोड़ा था। जिसके बाद पूरे मामले का ठीकरा दोनों एआरटीओ प्रवर्तन के हमराही तीन सिपाहियों के सिर फोड़ते हुए उन्हें निलंबित किया गया।

कानपुर एसटीएफ के दारोगा राहुल सिंह परमार ने बीती 11 को ओवरलोडिंग का खेल पकड़ा था। इसमें शामिल सुनील सचान पुत्र शिवशंकर निवासी जवाहरनगर घाटमपुर कानपुर, प्रदीप सिंह पुत्र उदयभान सिंह निवासी स्योहि ललरपुर, थाना घाटमपुर कानपुर, श्रीकिशन पुत्र भगवानदीन निवासी नारायच, थाना भौंडाहा हमीरपुर, तारिक व नियाज अहमद निवासी हिरन नगर सदर कोतवाली पर रिपोर्ट दर्ज की गई थी। एआरटीओ प्रवर्तन संजीव कुमार सिंह के हमराही प्रदीप व रंजीत, प्रवर्तन द्वितीय प्रतिभा गौतम के हमराही सुरेंद्र की मिलीभगत से गिट्टी, मौरंग व बालू के ओवरलोड वाहनों के मालिकों से मोटी रकम लेकर जिले की सीमा पार कराते थे। ट्रक चालकों से की गई वसूली का हिस्सा परिवहन विभाग कर्मियों तक भी जाता है। उन्होंने स्वीकार किया था कि वे इस काम में दो साल से लिप्त थे। इस मामले को संज्ञान में लेकर परिवहन निदेशालय ने आरोपी सिपाही प्रदीप, रंजीत व सुरेंद्र को निलंबित कर दिया।

सिटी डायरी

सुपरवाइजर को सम्मानित करते डीएम व एडीएम।

एसआईआर कार्य पूर्ण करने पर सुपरवाइजर सम्मानित

उन्नाव। डीएम गौरांग राठी ने विशेष प्रागाढ़ पुनरीक्षण अभियान 2026 के दृस्टिगत बांगरमऊ विधानसभा के सुपर वाइजर यज्ञ प्रसाद दीक्षित द्वारा एसआईआर कार्य गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रह, डिजिटाइजेशन व अन्य संबंधित कार्यों को शत-प्रतिशत पूर्ण किये जाने पर कलक्ट्रेट कार्यालय में प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया। डीएम ने कहा कि आप द्वारा बहुत ही परिश्रम व लगन के साथ सौंपे गए दायित्वों निर्वहन को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया है। यह सम्मानित करने योग्य हैं। इसी तरह अन्य बीएलओ व सुपरवाइजर द्वारा भी पूरी तन्मयता परिश्रम और लगन के साथ ईमानदारी से एसआईआर का कार्य करें तो समय से पूर्व ही एसआईआर का कार्य पूर्ण हो सकेगा। इस दौरान एडीएम वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी अशुतोष सहित आदि मौजूद रहे।

नाले के ऊपर रखी टंकी में डाला जाता केमिकल।

माघ मेले को लेकर पालिका ने बड़े नालों में बॉयोरेमिडिएशन प्रक्रिया कराई शुरू

शुक्लागंज। जनवरी माह में प्रस्तावित माघ मेले को लेकर शुक्लागंज में तैयारियां तेज हैं। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छ गंगाजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने निर्देश दिए थे कि गंगा में गिरने वाले सभी नालों को तत्काल प्रभाव से रोका जाए और जल शोधन की प्रभावी व्यवस्था की जाए। इसी क्रम में नगर पालिका गंगाघाट ने सोमवार को नगर के तीन बड़े नालों इंद्रा नगर, शक्ति नगर और मिश्रा कॉलोनी में बॉयोरेमिडिएशन प्रक्रिया शुरू कराई। इन नालों से लंबे समय से गंदा पानी सीधे गंगा में गिर रहा था, जिससे जल प्रदूषित हो रहा था।

सरैयां आरओबी स्थल के पास रखे लोहे के गार्डर।

सरैयां रेलवे क्रॉसिंग पर आरओबी के लिये रेलवे ने मंगवाये लोहे के गार्डर

शुक्लागंज। सरैयां रेलवे क्रॉसिंग पर बनाए जा रहे आरओबी के निर्माण कार्य में सेतु निगम और रेलवे दोनों की जिम्मेदारी तय की गई है। सेतु निगम की ओर से आरओबी का कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं, लेकिन रेलवे से जुड़े कार्य अभी तक रुके हुए हैं। इधर रेलवे की ओर से आरओबी के मुख्य हिस्से में लगने वाले लोहे के गार्डर मंगवाए गए हैं। दिल्ली से पहुंचे इन गार्डरों को मेगा ब्लॉक मिलने के बाद सरैयां क्रॉसिंग के पास रखना शुरू किया गया है। कार्यदायी संस्था के अनुसार अनुसार रेलवे पटरियों के ऊपर कुल 30 लोहे के गार्डर लगाए जाएंगे।

नगर में जाम से निजात दिलाने को प्रशासन सक्रिय, एसपी ने किया निरीक्षण

पोनी रोड तिराहे के पास जाम को लेकर चर्चा करते एसपी।

शुक्लागंज। नवीन गंगापुल पर लगने वाले जाम से नगर वासियों को राहत दिलाने के लिए पुलिस प्रशासन ने एक बार फिर मोर्चा संभाला है। सोमवार शाम एसपी जय प्रकाश सिंह, सीओ सिटी दीपक यादव के साथ नगर पहुंचे और जाम की स्थिति का मौके पर निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बालूघाट स्थित टेंपो स्टैंड, पोनी रोड तिराहा व अन्य भीड़भाड़ वाले पॉइंटों पर पहुंचकर जमीनी हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान इंस्पेक्टर अजय कुमार सिंह को यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए। एसपी ने बताया कि सरैयां रेलवे क्रॉसिंग पर आरओबी निर्माणाधीन होने के कारण नवीन पुल पर वाहनों का दबाव बढ़ गया है। संकरी सड़क के चलते यहां जाम की समस्या गंभीर हो जाती है। कहा कि आरओबी बनते ही यातायात सामान्य हो सकेगा।

मुहिम सीएमओ ने रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

विश्व एड्स दिवस पर रैली निकाल किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। जिला अस्पताल परिसर से विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता रैली निकाली गई। जिसे सीएमओ ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जो शहर के प्रमुख स्थानों से होते हुए जिला अस्पताल में समाप्त हुई।

विश्व एड्स दिवस पर जिला अस्पताल परिसर से सीडीओ कृति राज व सीएमओ डॉ. सत्य प्रकाश ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसमें एनसीसी कैडेटों, स्वास्थ्य कर्मियों, आशा-आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठन के लोगों ने पंपलेट बांटकर आमजन को एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूक किया। रैली गांधी नगर चौराहा, छोटा चौराहा व बड़ा चौराहा आदि मार्गों से होकर वापस जिला अस्पताल में समाप्त हुई।

हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना करतीं सीडीओ कृति राज, सीएमओ। अमृत विचार

सीएमओ ने कहा कि विश्व एड्स दिवस प्रतिवर्ष 1 दिसंबर को एचआईवी संक्रमण व एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। बताया कि अभी भी कई लोग इस बीमारी के लक्षणों, बचाव व उपचार के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं रखते। इससे उन्हें समय पर इलाज नहीं मिल पाता। उन्होंने स्पष्ट किया कि एचआईवी छूने, साथ बैठने, भोजन साझा करने या सामान्य संपर्क से नहीं फैलता। यह केवल असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित सुई, संक्रमित रक्त के संपर्क व गर्भावस्था या स्तनपान के दौरान मां से बच्चे में फैल सकता है। कहा कि जागरूकता व सावधानी ही इस संक्रमण से बचने का प्रभावी तरीका है।

रैली में स्वास्थ्य कर्मियों ने लोगों से अपील की कि यदि उन्हें एचआईवी से संबंधित कोई लक्षण महसूस हों तो उसे छिपाएं नहीं बल्कि तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल में जांच कराएं। बताया कि जिला अस्पताल में इंटीग्रेटेड काउंसलिंग एंड टेस्टिंग सेंटर में निःशुल्क जांच, परामर्श व इलाज की सुविधा उपलब्ध है। बताया कि समय पर इलाज होने से संक्रमित व्यक्ति भी सामान्य जीवन जी सकता है।

सुविचार

मानव का मानव होना ही उसकी जीत है, दानव होना हार है, और महामानव होना चमत्कार है।

- डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर के प्रमुख समाचार

- हाथ मिलाने, गले मिलने से नहीं फैलता एड्स- II
- मानव शृंखला बनाकर गीता का संदेश दिया - III
- सीएसजेएमयू के यूआईईटी व आईआईटी के बीच एमओयू-IV

कानपुर, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025

आज का मौसम

मंगलवार को प्रदूषण और शाम और सुबह धुंध भी नमी के कारण बनी रहेगी । बारिश की कोई संभावना नहीं है ।

अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
26.0⁰	14.0⁰

सूर्योदय 06 : 40 | सूर्यास्त 05 : 16

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702,
शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

शहर में आज

- **पुस्तक विमोचन :** संरचना साहित्यिक संस्था द्वारा दिव्यांगों पर केंद्रित काव्य कृति आओ जी भर जिएं का लोकार्पण उत्कर्ष एकेडमी स्वरुप नगर में दोपहर 2 बजे।
- **वार्षिक खेलकूद समारोह :** सिद्दीक फैज-ए-आम इंटर कालेज का वार्षिक खेलकूद समारोह क्राइस्ट चर्च डिग्री कालेज ग्राउंड फूलबाग में प्रात: 9 बजे।
- **आगमन :** उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत श्रीप्रकाश जायसवाल के आवास पर पोखरपुर में आगमन सायं 5 बजे।

सिटी ब्रीफ

प्रभारी मंत्री तीन दिन शहर में रहेंगे

कानपुर। जिले के प्रभारी मंत्री व प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय तीन दिसंबर, बुधवार को जिला समन्वय समिति की बैठक करेंगे। वहीं, चार दिसंबर, गुरुवार सुबह प्रभारी मंत्री विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक करेंगे। दोनों ही बैठकें नवीन सभागार में आयोजित होगी।

सरकारी हैंडपंप खराब

कानपुर। पनकी धाम रेलवे स्टेशन के ठीक सामने लगा सरकारी हैंड पंप खराब हो गया। इससे पनकी धाम रेलवे स्टेशन पर उतरने वाली यात्रियों को पानी पीने के लिए असुविधा हो रही है। दुकानदारों ने बताया कि इसकी शिकायत जलकल से की जा चुकी है लेकिन अभी तक यह नल सही नहीं कराया गया। यात्रियों को पानी खरीदकर पीना पड़ रहा है।

कैंप शुरू

कानपुर। बीसीसीआई की विजय मर्चेंट ट्राफी की शुरुआत सात दिसंबर से कर्नाटक के सिमोगा में हो रही है। इसमें हिस्सा लेने के लिए उप्र के सर्वश्रेष्ठ 27 खिलाड़ियों का कैंप कमला क्लब में सोमवार से शुरू हुआ। इसमें पहले दिन नेट्स पर खिलाड़ियों का स्किल टेस्ट लिया गया। कैंप में गेंदबाजी, बल्लेबाजी, विकेटकीपिंग व क्षेत्ररक्षण का कड़ा अभ्यास कराया गया।

मंगल भवन संचालन समिति में महापौर का बेटा भी

बृजेंद्र स्वरूप पार्क स्थित पालिका ग्राउंड में नवनिर्मित मंगल भवन पर राजनीति गरमा गई है, महापौर और सांसद आमने-सामने

विशेष संवाददाता,कानपुर

अमृत विचार। बृजेंद्र स्वरूप पार्क के पालिका मैदान में नवनिर्मित मंगल भवन पर भाजपा नेता दो खेमों में बंटे दिख रहे हैं । सांसद रमेश अवस्थी और देवेंद्र सिंह भोले ने उद्घाटन समारोह से किनारा कर लिया तो महापौर प्रमिला पांडे ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से फीता कटवा दिया।

खास बात यह कि उद्घाटन के दिन डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक को आमंत्रित कर मंगल भवन का भ्रमण करवाया और उन्होंने इसकी खूब तारीफ भी की। हालांकि इसके लिए उनका कोई प्रोटोकॉल ज़ारी नहीं हुआ था। तल्खी तब ज्यादा बढ़ी, जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कार्यक्रम जारी होने के बाद रद्द हो गया। इसको लेकर एयरपोर्ट पर राजनाथ सिंह के सामने रमेश अवस्थी और प्रमिला पांडे के बीच बहस हो गई। महापौर का मानना है कि राजनाथ का कार्यक्रम रमेश अवस्थी ने रद्द करवाया है ।

इसके बाद रमेश अवस्थी तो उद्घाटन समारोह में नहीं पहुंचे, लेकिन महापौर प्रमिला पांडे ने सतीश महाना, विधायक सुरेंद्र मैथानी, सहित कई स्थानीय नेताओं को मंच पर बैठाकर अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने की कोशिश की। इन नेताओं ने मंगल भवन निर्माण की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे गरीबों को लाभ होगा ।

दरअसल विवाद तब शुरू हुआ जब दिशा की बैठक के दौरान सांसद अवस्थी और भोले ने मंगल भवन के लिए जमीन और निर्माण पर अनियमितता के आरोप लगाते हुए जांच की बात कही। उद्घाटन से ठीक पहले कटुता खुलकर सामने आ गई। सांसद भोले ने मंगल भवन निर्माण की जांच के लिए शासन और उच्च अधिकारियों को पत्र लिखा है। अवस्थी ने स्पष्ट कहा कि भ्रष्टाचार हुआ है और इसकी जांच जरूरी है ।

महापौर प्रमिला पांडे ने उद्घाटन समारोह के दौरान कहा कि मंगल भवन गरीबों को मांगलिक आयोजनों के लिए मात्र 11 हजार में मिलेगा । विवाद बेवजह खड़ा किया जा रहा है । मंगल भवन की निगरानी और रखरखाव के लिए समिति बनाई गई है । इसमें नगर निगम के अधिकारी और जेसीआई के पूर्व, वर्तमान अध्यक्ष और दो नामित सदस्य होंगे। मंगल भवन से आय का पूरा पैसा नगर निगम के खाते में जमा होगा । एमओयू में सब देखा जा सकता है ।

सांसद रमेश अवस्थी और महापौर प्रमिला पांडेय में छिड़ी जंग।

भ्रष्टाचार से समझौता नहीं कर सकता

सांसद रमेश अवस्थी का कहना है कि मंगल भवन निर्माण में भ्रष्टाचार और अनियमितता हुई है। खेलकूद का मैदान इस काम के लिए कैसे किया जा सकता है । टीएसएच का भी यही हाल है । गलत काम से समझौता नहीं कर सकता । ऐसी जगह नहीं जा सकता । भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाता रहूंगा ।

> मेरा जो सपना था वह पूरा हुआ, गरीबों के लिए आगे भी ऐसे कार्य करूंगी। अब इस बारे में कोई चर्चा नहीं करनी है।
>
> - प्रमिला पांडेय, महापौर

रखरखाव-निगरानी समिति बनी

- एमओयू के मुताबिक रखरखाव-निगरानी समिति में मेयर के नामित प्रतिनिधि, नगर आयुक्त के नामित प्रतिनिधि, केआईजेसी के वर्तमान और पूर्व प्रेसिडेंट और केआईजेसी की ओर से अमित पांडे को विशेष आमंत्रित सदस्य को रखा गया है । वार्षिक आम सभा में सदस्य बदल सकते हैं ।

ऐसे आकार लिया मंगल भवन ने

- 11 सितंबर 2024 को नगर निगम और जेसीआई कानपुर इंडस्ट्रियल के बीच एमओयू हुआ। 18 जनवरी को भूमि पूजन के साथ निर्माण शुरू हुआ । जेसीआई और उद्योगपतियों ने ढाई करोड़ उपलब्ध कराए । नौ महीने में निर्माण पूरा हुआ।

गोविंदपुरी से अलीगढ़ तक आज से चलेगी मेमू

कानपुर। यात्रियों की सुविधा को देखते हुए गोविंदपुरी -अलीगढ़ के मध्य फास्ट मेमू विशेष गाड़ी (गाड़ी सं 04189/04190) चलाने का निर्णय लिया गया है। ये गाड़ी रविवार को छोड़कर सभी दिनों में संचालित की जाएगी। इस गाड़ी में कुल 12 डिब्बे होंगे।

गाड़ी संख्या 04189 गोविंदपुरी (कानपुर) से प्रातः 7.20 बजे चलेगी, पनकी धाम 7.33 बजे, रूरा 7.54 बजे, झींझक 8.14 बजे, फफूंद 8.30 बजे, भरथना 8.54 बजे, इटावा 9.10 बजे, शिकोहाबाद 9.48 बजे, फिरोजाबाद 10.05 बजे, टूंडला 10.33 बजे, बरहन 10.55 बजे, हाथरस 11.20 बजे और अलीगढ़ दोपहर 12.40 बजे पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 04190 अलीगढ़ से दोपहर 1.40 बजे रवाना होगी। हाथरस दोपहर 2.10 बजे, बरहन 2.45 बजे, टूंडला दोपहर 3.15 बजे, फिरोजाबाद 3.38 बजे, शिकोहाबाद सायं 4.10 बजे, गोविंदपुरी रात 8.15 बजे पहुंचेगी।

हाईस्कूल के सिटी टॉपर छात्र ने आत्महत्या की

कार्यालय संवाददाता,कानपुर

अमृत विचार। हाई स्कूल के सिटी टॉपर छात्र ने इंटर की परीक्षा के दबाव में सोमवार को जूही यार्ड में ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। मौके पर पहुंची जीआरपी गोविंद नगर ने जांच पड़ताल की। साथ ही हादसे की जानकारी छात्र के परिजन को दी। एकलौते बेटे की मौत के कारण परिवार में कोहराम मच गया। परिजन बिलख-बिलख कर रो पड़े। छात्र सुबह करीब साढ़े छह बजे घर से बाइक लेकर निकला था।

साकेत नगर निवासी आलोक पाठक प्राइवेट कर्मचारी हैं। परिवार में पत्नी ललिता, बड़ी बेटी मिनी, एकलौता बेटा 18 वर्षीय रौनक था। पिता ने बताया कि बेटा बृज किशोरी देवी मेमोरियल इंटर कॉलेज में 12वीं का छात्र था। उसकी प्री-बोर्ड परीक्षा शुरू हो गई थी। सोमवार सुबह करीब साढ़े छह बजे बेटा किसी को कुछ बताए बिना घर से बाइक लेकर निकला था। काफी समय बीतने के बाद भी जब वह घर नहीं लौटा तो उन्होंने बेटे के दोस्तों को कॉल कर जानकारी की। उसके बाद भी बेटे के बारे में जानकारी नहीं मिली। जिसके बाद वह पत्नी के साथ बेटे के खोजते हुए गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन पहुंचे।

जहां बाइक खड़ी देखकर उन्होंने जीआरपी के जवानों से बातचीत की। जिस पर उन्होंने जूही यार्ड की तरह एक युवक के ट्रेन से मौत होने की जानकारी दी।

जब वह पत्नी के साथ घटनास्थल पर पहुंचे तो पत्नी बेटे का शव देखकर बदहवास हो गई। गोविंद नगर जीआरपी के कार्यवाहक थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि परिजन से बातचीत में जानकारी मिली है कि छात्र की प्री-बोर्ड परीक्षा शुरू हो गई थी। जिस कारण वह मानसिक तनाव में चल रहा था। संभवतः पढ़ाई के दवाब के कारण छात्र ने यह कदम उठाया है।

रौनक।

हाईस्कूल में 97.40 फीसदी अंक थे

- परिजनों ने बताया कि रौनक के हाईस्कूल में 97 .40 फीसदी अंक थे। टॉपर होने के कारण स्कूल प्रबंधन ने उसकी फीस भी माफ कर दी थी। पढ़ाई में तेज होने के बावजूद उसने यह कदम किस वजह से उठाया है। वह लोग भी हैरान है।

रात में हंस खेल रहा था बेटा

- पिता ने बताया कि बेटे ने रविवार रात को सभी के साथ खाना खाया। उसके बाद वह काफी देर तक नाती के साथ खेलते रहा। इस दौरान वह नाती के साथ मोबाइल पर वीडियो देख रहा था। जिसके बाद वह अपने कमरे में सोने चला गया। अचानक बेटे ने यह कदम कैसे उठा लिया समझ नहीं आ रहा। परिजनों में कोहराम मचा है।

एल्डिको काउंटी में बिजली चोरी की आशंका पर छापा

कानपुर। केस्को की टीम ने सोमवार को जवाहरपुरम स्थित एल्डिको काउंटी में बिजली चोरी की सूचना पर छापेमारी की। कार्रवाई से पहले टीम ने जेकेडब्ल्यूएस के पदाधिकारियों से जानकारी ली। पूरी आवासीय सोसाइटी, कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स और ईवोक परिसर का निरीक्षण किया। केस्को मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा के मुताबिक यह कार्रवाई उपभोक्ताओं को सुरक्षित व निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने और बिजली चोरी पर प्रभावी नियंत्रण करने के उद्देश्य से की गई है। प्राप्त तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आयुष्मान विशेष अभियान में कानपुर प्रदेश में प्रथम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत प्रदेश में 25 नवंबर से आयुष्मान कार्ड विशेष अभियान की शुरुआत की गई है। अभियान के शुरुआती पांच दिनों में आयुष्मान कार्ड बनाने में कानपुर नगर के स्वास्थ्य विभाग ने बेहतर प्रदर्शन कर उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, लोगों ने भी सहयोग किया, जिससे पांच दिनों में ही 3589 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। अप्रूव्ड कार्डों की संख्या के आधार पर कानपुर वर्तमान में प्रदेश में शीर्ष पर है।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 25 नवंबर से 25 दिसंबर तक आयुष्मान कार्ड विशेष अभियान का संचालन किया जा रहा है।

सीएमओ डॉ.हरिदत्त नेमी के मुताबिक जिले में अभियान के अंतर्गत छूटे हुए पात्र लाभार्थियों को योजना से जोड़ने के लिए प्रतिदिन 67 कैंप लगाए जा रहे हैं, जिनमें 22 ग्रामीण और 45 नगरीय क्षेत्रों में संचालित हो रहे हैं। ग्रामीण इलाकों में पंचायत भवनों, नगरीय क्षेत्रों में कोटेदार की दुकानों और 50 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर शिविर लगाकर कार्ड बनाए जा रहे हैं।

आशा कार्यकर्ता ड्यू लिस्ट के अनुसार घर-घर जाकर पात्र लोगों को शिविर तक पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। डिप्टी सीएमओ डॉ. एसपी यादव ने बताया कि अभियान को अधिक प्रभावी बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार फील्ड में सक्रिय हैं और पात्र लाभार्थियों का कार्ड मौके पर ही बनाया जा रहा है। पहले पांच दिनों 3589 कार्ड बन चुके हैं।

नगरीय क्षेत्रों में प्रत्येक आशा को प्रतिदिन न्यूनतम पांच आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि अब तक आयुष्मान कार्ड बनाने में कानपुर प्रथम है, जबकि इसके बाद महराजगंज में 2619, हरदोई में 2397, कुशीनगर में 2175, खीरी में 1826, प्रतापगढ़ में 1491, एटा में 1449, बागपत में 1542, बरेली में 1434, सुल्तानपुर में 1092, सीतापुर में 1252 और मुरादाबाद में 1240 आयुष्मान कार्ड स्वीकृत किए गए हैं।

- **25 नवंबर से शुरू हुए अभियान के पांच दिनों में बने 3589 आयुष्मान कार्ड**

झांसी रूट पर तीन घंटे का मेगा ब्लाक, कई ट्रेनें फंसीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर-झांसी रेलमार्ग पर लालपुर-मलासा खंड के मध्य एक पुल पर पुराने गार्डर को बदलने के लिए तीन घंटे के लिए ट्रेनों का संचालन रोका गया जिससे कई ट्रेनें प्रभावित रहीं। ये कार्य बीते दिनों से 3-3 घंटे ब्लाक लेकर किया जा रहा था, जिसे सोमवार को पूरा कर लिया गया।

सोमवार को इस प्रतिस्थापन का सफल क्रियान्वयन पूरा हुआ। उत्तर मध्य जोन झांसी मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि लालपुर-मलासा खंड के मध्य पुल संख्या 1301/1 के पुराने प्लेट गर्डर को नए प्लेट गर्डर से बदलने का काम सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्य में मौजूदा संरचना के पांच स्पैन को नए, मजबूत प्लेट गर्डरों से बदलना शामिल था, जिन्हें उच्च धुरा भार सहने के लिए डिजाइन किया गया है। इस कार्य को पूरा करने के लिए 3 घंटे का ब्लॉक लिया गया था जिस कारण कुछ ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहा।

लालपुर स्टेशन के पास पुल का गार्डर बदलती रेलवे की टीम। अमृत विचार

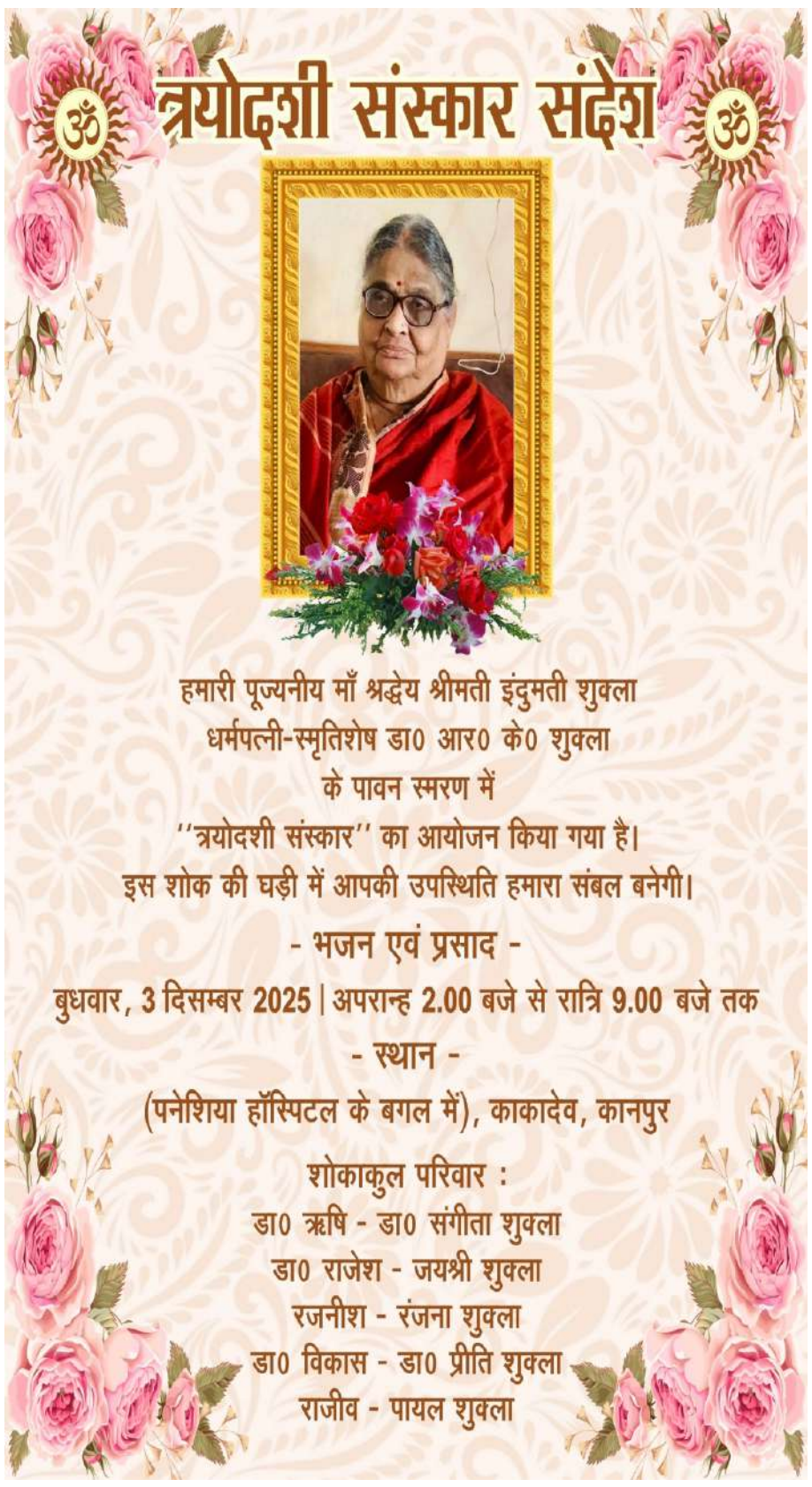

समस्या | बजरिया, हर्षनगर और हैलट के सामने वाहनों की लंबी कतारें

यातायात माह खत्म और महाजाम में जकड़ा रहा शहर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। 30 नवंबर को यातायात माह खत्म हो गया। ट्रैफिक पुलिस ने इस माह में यातायात व्यवस्था सुधारने की कोशिश की हालांकि सफलता नहीं मिली। कई दिनों बाद कार्यालय, कारोबार खुले तो सोमवार को अचानक यातायात का दबाव बढ़ गया और शहर के कई मार्ग जाम में जकड़ गये।

सोमवार को झकरकटी बस अड्डा के बाहर सुबह से ही बसों की अराजकता जारी रही जिससे यहां दिनभर ट्रैफिक फंसा रहा। यहीं पर ट्रैफिक सिपाहियों की ड्यूटी थी लेकिन उन्होंने ज्यादा रुचि नहीं दिखाई। झकरकटी पुल से लेकर टाटमिल तक जाम लगा रहा। इसी प्रकार शाम छह बजे घंटाघर से एक्सप्रेस रोड पर दुकानों के बढ़ाकर लगाने और गलत दिशा से वाहनों के आने से घंटों जाम लगा रहा। मूलगंज से मेस्टन रोड होते हुए बड़ा चौराहा तक ई रिक्शों की अराजकता से जाम लगा। मूलगंज से घंटाघर जाने वाले मुख्य मार्ग पर भी आधी सड़क तक वाहनों के खड़े होने और ई रिक्शों की अराजकता के कारण जाम लगा रहा। रात आठ बजे परेड खड़खड़ा वाले चौराहा से तलाक महल, रहमानी मार्केट, पानी की टंकी बेकनगंज होते हुए रुपम चौराहा तक जाने वाला मार्ग पर ई रिक्शा वाले हावी रहे जिससे लोगों को रूट बदलकर दादा मियां चौराहा होते हुए जाना पड़ा। बजरिया थाना के सामने से हैलट के सामने तक वाहनों की कतारें लगी रही। इसी प्रकार शहर के विभिन्न मार्गों पर जाम लगा रहा।

मूलगंज थाने के पास लगा जाम। अमृत विचार

- **एक्सप्रेस रोड, टाटमिल, वीआईपी रोड समेत कई जगह जाम**

सिटी ब्रीफ

31 बीएलओ का एसडीएम ने किया सम्मान

कानपुर। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र के 31 बूथ लेवल अधिकारियों ने अपने-अपने बूथों पर शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण कर प्रशासनिक व्यवस्था को बड़ी मजबूती दी है। इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर नर्वल एसडीएम एवं महाराजपुर विधानसभा के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विवेक मिश्रा ने 31 बीएलओ को सम्मानित किया। सोमवार को सम्मानित किए गए बीएलओ में उमेश सिंह, अक्षय पाल, अनुराधा शुक्ला, देश दीपक श्रीवास्तव, रेनू यादव, विमल कुशवाहा, विमल राजपाल, सुमित्रा साहू, विष्णु कुमार पाण्डेय, सुधा कुमारी, अन्नपूर्णा शाक्य, सुन्दर लाल, सीमा सिंह, सरिता, अनीता बघेल, प्रतिमा कौमिदी, मंजू देवी, विनीता देवी, शालनी भदौरिया, गीता देवी, इंदु, साधना यादव, मन्ना सिंह, अर्चना यादव, नीलम शुक्ला, रंजना यादव, कैलाश कुमार, लक्ष्मी सिंह तथा मंजूषा देवी सहित अन्य बीएलओ शामिल रहे।

समय पर जांच कराएं निरंतर उपचार लें

कानपुर। विश्व एड्स दिवस पर लोगों को जागरूक किया गया कि पीड़ित समय पर जांच कराएं, निरंतर उपचार लें। सामाजिक कलंक हटाना एचआईवी नियंत्रण के लिए अनिवार्य है। सोमवार को विश्व एड्स दिवस पर रेलवे उप मंडलीय चिकित्सालय में 'व्यवधान पर विजय, एड्स प्रत्युत्तर में सुधार विषय पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. जयंत मुर्मू के नेतृत्व में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. उमेश चंद्र अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. रेखा ने विचार रखे। डॉ. विशाल रावत, डॉ कौशलेन्द्र मिश्रा , डॉ. आशीष मिश्रा, डॉ. अंकिता, डॉ. सरिता, डॉ. वैशाली, डॉ. आनंद, जितेंद्र कुमार, विष्णु प्रकाश आदि मौजूद रहे।

छज्जा हटवा लो नहीं तो कर देंगे भवन सील

कानपुर। सोमवार को आवास विकास अंबेडकरपुरम में हो रहे अवैध निर्माणों को दस्ते ने रुकवाया। यहां नियम के विरुद्ध एक मकानमालिक छज्जा फुटपाथ तक निकालकर बनवा रहा था। इससे पहले टीम ने मकान मालिक को चेतावनी दी थी, इसके बावजूद निर्माण करने पर टीम ने कड़ी फटकार लगाई। आवास विकास के अमरीश कुमार पूरी टीम के साथ आवास विकास 3 पहुंचे। यहां मकान संख्या 1/17 अंबेडकरपुरम में रहने वाले विनोद कुमार द्वारा आवास विकास के नक्शे के विपरीत मकान बनाया जा रहा था। आवास विकास ने काम रुकवा दिया।

हाथ मिलाने, गले मिलने, साथ बैठकर भोजन करने से नहीं फैलता एड्स

विश्व एड्स दिवस पर आईएमए सभागार में विशेषज्ञों ने दी जानकारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। एड्स से जुड़े मिथक और गलत धारणाएं आज भी बड़ी चुनौती हैं। एड्स सामान्य संपर्क जैसे हाथ मिलाने, गले मिलने, साथ बैठकर भोजन करने, बैठने, एक ही गिलास से पानी पीने, किसी सामग्री को छूने से नहीं फैलता है। एचआईवी को फैलने के लिए कुछ खास बॉडी फ्लूड्स की जरूरत होती है और वायरस शरीर के बाहर बहुत देर तक जीवित नहीं रह पाता। इसका इन्फेक्शन आमतौर पर अनप्रोटेक्टेड सेक्स या इन्फेक्टेड सुई के संपर्क से फैलता है। यह जानकारी सोमवार को आईएमए सभागार में संयुक्त साइंटिफिक सचिव डॉ. कुश पाठक ने दी।

परेड स्थित आईएमए सभागार में सोमवार को विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। आईएमए अध्यक्ष डॉ.अनुराग मेहरोत्रा ने बताया कि इस वर्ष विश्व एड्स दिवस की थीम बाधाओं पर काबू पाना, एड्स-प्रतिक्रिया को बदलना रखी गई है। इसका उद्देश्य एड्स से बचाव के प्रति जागरूकता, समय पर जांच, सुरक्षित व्यवहार, उपचार की निरंतरता और समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करना है। जनसहभागिता और जागरूकता अभियान ही एचआईवी व एड्स नियंत्रण की सबसे मजबूत कड़ी हैं। आईएमए सचिव डॉ. शालिनी मोहन ने कहा कि समाज में एड्स से जुड़े भय और भ्रम को दूर कर जागरूकता बढ़ाना जरूरी है। आज भी कई लोग समय पर जांच नहीं कराते, जिससे रोग नियंत्रण में देरी होती है। नियमित दवाओं और परामर्श से संक्रमित व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता है। उपाध्यक्ष डॉ.प्रीति आहूजा ने कहा कि महिलाओं और युवाओं में जागरूकता बढ़ाना विशेष रूप से आवश्यक है, क्योंकि जानकारी की कमी कई बार संक्रमण को अनजाने में बढ़ावा देती है। वित्त सचिव डॉ.विशाल सिंह ने कहा कि जागरूकता कार्यक्रम, मेडिकल सेवाओं की उपलब्धता और सहयोगी माहौल एड्स नियंत्रण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साइंटिफिक सचिव डॉ. दीपक श्रीवास्तव ने कहा कि एचआईवी टेस्टिंग को लेकर हिचकिचाहट दूर करना बेहद जरूरी है।

डॉक्टरों ने एड्स पर दी जानकारी। अमृत विचार

- इसका इन्फेक्शन आमतौर पर अनप्रोटेक्टेड सेक्स या इन्फेक्टेड सुई के संपर्क से फैलता है

रोकथाम ही एड्स नियंत्रण की सबसे प्रभावी रणनीति

- साइंटिफिक सब कमेटी के चेयरमैन डॉ.एसी अग्रवाल ने बताया कि रोकथाम ही एड्स नियंत्रण की सबसे प्रभावी रणनीति है। सुरक्षित व्यवहार, ब्लड स्क्रीनिंग और जागरूकता अभियान इसकी मुख्य कड़ियां हैं। एचआईवी के मुख्य कारणों में एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के साथ असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित सुई या सिरिंज का उपयोग, संक्रमित रक्त या रक्त अवयव चढ़ाना और एचआईवी संक्रमित गर्भवती से शिशु में संक्रमण का प्रसार शामिल है। बचाव में संयम, वफादारी और निरोध का नियमित उपयोग, हमेशा नई व स्वच्छ सुई-सिरिंज का प्रयोग, केवल लाइसेंस धारक ब्लड बैंक से जांचे-परखे रक्त का उपयोग करना है। साथ ही गर्भवती महिलाओं की समय पर एचआईवी जांच करवाने और संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करना शामिल हैं।

एड्स का कोई इलाज नहीं, लेकिन दवा से नियंत्रित किया जा सकता

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- मेडिकल कॉलेज में निकाली गई बचाव के लिए जागरूकता रैली
- इम्यून सिस्टम कमजोर होने से इन्फेक्शन कंट्रोल नहीं होता

अमृत विचार। एड्स एक बेहद खतरनाक बीमारी है, जिसका अभी तक कोई इलाज नहीं है। लेकिन इसको नियंत्रित जरूर किया जा सकता है। अक्टूबर 2025 तक एआरटी प्लस सेंटर में 14625 मरीज पंजीकृत हैं और इनमें से 5096 मरीज दवा का सेवन कर रहे हैं। वर्तमान में एआरटी प्लस सेंटर में 198 मरीज सेकेंड लाइन की दवायें ले रहे हैं और पूरी तरह स्वस्थ हैं। 10 पीएल एचआईवी थर्ड लाइन की दवा ले रहे हैं। यह जानकारी एआरटी प्लस सेंटर के नोडल अधिकारी डॉ.एमपी सिंह ने दी।

विश्व एड्स दिवस पर सोमवार को जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में एआरटी प्लस केंद्र, वरिष्ठ डॉक्टरों, जूनियर डॉक्टरों, कॉलेज ऑफ नर्सिंग के स्टाफ और छात्र-छात्राओं ने जागरूकता रैली निकाली, जो मेडिकल कॉलेज परिसर होते हुए एआरटी प्लस सेंटर तक पहुंची। कॉलेज की उप प्राचार्य प्रो.रिचा गिरी ने बताया कि एड्स व्यक्ति के इम्यून सिस्टम को इतना कमजोर कर देता है कि मामूली से इन्फेक्शन से लड़ने में भी शरीर असमर्थ हो जाता है। इसके कारण इन्फेक्शन बढ़ता जाता है और अंत में व्यक्ति की मौत तक हो जाती है। इसलिए एड्स की रोकथाम और बचाव बेहद जरूरी है। इस खतरनाक बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल एक दिसंबर को वर्ल्ड एड्स दिवस मनाया जाता है। हैलट अस्पताल के सीएमएस डॉ. सौरभ अग्रवाल ने बताया कि एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के बॉडी फ्लूएड, जैसे ब्लड, सीमन व वेजाइनल डिसचार्ज के जरिए फैल सकता है। संक्रमित ब्लड से इन्फेक्टेड सुईयों, सीरिंज या अन्य इंजेक्शन उपकरणों के इस्तेमाल से एचआईवी फैल सकता है। यह मुख्य रूप से नशीली दवाओं के इंजेक्शन लगाने वाले लोगों में देखा जाता है। डॉ.एसके गौतम ने बताया कि एचआईवी संक्रमित ब्लड चढ़ाने से भी यह वायरस फैल सकता है। रैली के बाद मेडिसिन विभाग में एचआईवी व एड्स से बचाव व उपचार पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान आरएसएसडीआई के अध्यक्ष डॉ.अनुज महेश्वरी, विभागाध्यक्ष डॉ.बीपी प्रियदर्शी, डॉ.एसके गौतम, डॉ.मधु यादव, डॉ.एसी गुप्ता, एसआर, जेआर आदि रहे।

विश्व एड्स दिवस पर रैली में मौजूद मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर और स्टाफ।

वर्ष	संख्या (अनुमानित मरीज)
2020	440
2021	460
2022	470
2023	485
2024	500
2025	550

जागरूकता रैली निकाल कर एड्स से बचाव का संदेश दिया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। विमला देवी जनकल्याण समिति के बैनर तले चिकित्सा विद्यार्थियों और कर्मचारियों ने जागरूकता रैली निकालकर एड्स से बचने का संदेश दिया।

वर्ल्ड एड्स डे के मौके पर पर रैली को बाबूपुरवा के सहायक पुलिस आयुक्त ने किदवई नगर पिंक चौकी से झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली से कई मोहल्लों में होती हुई गीता पार्क पर समाप्त हुई। इसमें विमला ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट हरदौली के मेडिकल, पैरा मेडिकल के छात्र-छात्राएं और कर्मचारी शामिल हुए। हाथों में लिए तख्तियों पर एड्स से बचाव के संदेश लिखे थे। इस मौके पर चेयरमैन अजीत सिंह, प्रबंधक अंशिका सचान, रामू यादव, मनीष राज गोयल, मनीष कुमार, सारिका साहू और संयोजक संजय मिश्रा आदि मौजूद रहे।

एड्स जागरुकता रैली निकाली। अमृत विचार

डर से नहीं, जागरूकता से जीती जा सकती एड्स से जंग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सिविल लाइंस स्थित जिला क्षय रोग चिकित्सालय में सोमवार को विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता रैली, गोष्ठी व हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि एचआईवी एड्स आज भी समाज के सामने एक चुनौती है, लेकिन यह चुनौती डर से नहीं, जागरूकता से जीती जा सकती है।

समय पर जांच, सही उपचार और सकारात्मक सोच से व्यक्ति स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन जी सकता है। इस बीमारी से जुड़े भेदभाव को समाप्त करना सबसे बड़ी जरूरत है। एचआईवी से संबंधित किसी भी जानकारी, जांच और परामर्श के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1097 पर संपर्क किया जा सकता है। सीएमओ डॉ.हरिदत्त नेमी और जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ.सुबोध यादव ने कार्यक्रम की प्रगति आख्या पर भी चर्चा की। इस दौरान आईसीटीसी, पीपीटीसीटी, एआरटी, एसएसके के काउंसलर, प्रभारी डॉ. रिचा बाजपेयी, टीआई एनजीओ के प्रतिनिधि अनिल कुमार मिश्रा, रुचि यादव सुमित्रा, मनोज सिंह कार्तिक, पंकज पाल, चित्रांशू, तौकीर अहमद वारसी, नीरज शुक्ला, सुधीर कुमार यादव, शमसुद्दीन शेख, प्रेम शंकर, नियाज अहमद, क्राइस्ट चर्च, डीएवी कॉलेज व एनसीसी के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

जागरूकता रैली में मौजूद जिलाधिकारी, सीएमओ व जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ.सुबोध यादव। अमृत विचार

बेटे के जन्मदिन पर पिता की मौत से कोहराम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जाजमऊ में बेटे का जन्मदिन मनाने के बाद घर से निकले मजदूर की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। घटना की जानकारी होने पर परिवार में कोहराम मच गया।

चकेरी के घाऊखेड़ा निवासी 40 वर्षीय बृजेश गुप्ता उर्फ सोनू टेनरीकर्मी था। परिवार में पत्नी पूजा और तीन बच्चे है। परिजनों ने बताया कि रविवार को बृजेश के छोटे बेटे सन्नी का जन्मदिन था। शाम को बेटे का जन्मदिन मनाने के बाद वह साइकिल लेकर घर से निकला था। जिसके बाद वह घर नहीं लौटा और सोमवार सुबह जाजमऊ पुलिस ने उनका शव मिलने की जानकारी दी। परिजनों के अनुसार उन्होंने रात में अपने दोस्त राजेश के साथ शराब पी। जिसके बाद शाम सात बजे उन्हें जेके फर्स्ट चौराहा पर छोड़ा था। जिसके बाद रात में पुलिस के उनके घर के पास ही शव मिला था। जाजमऊ थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम प्रक्रिया के दौरान मौत का कारण स्पष्ट नहीं होने पर बिसरा सुरक्षित किया गया है। जिसकी रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय ठग को देहरादून से गिरफ्तार किया, भेजा गया जेल

कानपुर। विदेश में रहने वाले भारतीयों से ठगी करने वाले अंतरराष्ट्रीय ठग को कोतवाली पुलिस ने देहरादून से गिरफ्तार कर जेल भेजा। आरोपित ने कानपुर में रहने वाले वृद्ध और सऊदी में काम करने वाले उनके बेटे से निवेश के नाम पर 42 लाख रुपये की ठगी की थी। आरोपित मुकदमा दर्ज होने के बाद से दिल्ली से फरार चल रहा था। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित ने सऊदी अरब में रहने वाले तीन भारतीय लोगों से भी करीब 18 करोड़ रुपये की ठगी की है।

परेड के हाता नवाब इब्राहिम निवासी अब्दुल करीब का बेटा तलहा दुबई में काम करता है। उनके अनुसार 2021 में ब्लूचिप कमर्शियल ब्रोकर एवं ब्लूचिप ग्रुप ऑफ कम्पनीज के सेल्स एग्जीक्यूटिव ने उनसे संपर्क कर 36 से 46 माह में रकम दोगुनी करने का ऑफर दिया। कंपनी के मालिक रवीन्द्र नाथ सोनी निवासी मालवीय नगर नई दिल्ली ने मिलकर भारत में निवेश के लिए प्रेरित किया। जिसके झांसे में आकर अब्दुल करीम और उनके बेटे ने 42 लाख रुपये का निवेश कर दिया। कुछ समय बाद आरोपित का मोबाइल नंबर बंद हो गया और कंपनी की वेबसाइट बंद हो गई। जिसके बाद उन्होंने आरोपित पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया था। कोतवाली एसीपी आशुतोष सिंह ने बताया कि आरोपित रविंद्र नाथ सोनी निवासी मालवीय नगर दिल्ली निवेश के नाम पर विदेश में रहने वाले भारतीय लोगों से ठगी करता था। पुलिस की जांच में सामने आया है कि आरोपित ने सऊदी में रहने वाले तीन लोगों से करीब 18 करोड़ रुपये की ठगी की है। आरोपित विदेश से बाहर रहने भारतीय लोगों से भारत में निवेश के नाम पर ठगी करता था।

चकेरी में गद्दा दुकान में आग लगी

कानपुर। लखनऊ हाईवे पर रामादेवी के पास चकेरी में एक गद्दा दुकान में भीषण आग लगी जिससे अफरातफरी मच गई। देखते ही देखते पूरी दुकान जलकर खाक हो गयी। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची लेकिन तब तक दुकान पूरी तरह जल गई।

सोमवार को दोपहर में क्षेत्र में बिजली नहीं आ रही थी, ऐसे में जनरेटर चल रहा था जिसकी चिंगारी उड़कर गद्दा दुकान में पहुंच गई जिससे मोहम्मद शमीम की गद्दा दुकान चपेट में आ गई। दुकान में रजाई, रजाई के खोल, रुई आदि होने से कुछ ही पल में पूरी दुकान शोलों में तब्दील हो गयी।

जमीन बेचने के नाम पर व्यापारी से 3.30 करोड़ रुपये की ठगी

कानपुर। बेकनगंज में एक एग कारोबारी से जमीन देने के नाम पर शातिर ने 3.30 करोड़ ठग लिए। रुपये वापस मांगने पर आरोपी ने झूठे मुकदमे में फंसा देने की धमकी व 60 लाख रुपये की रंगदारी मांगी। पीड़ित ने बेकनगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

सिविल लाइन निवासी मोहम्मद शोएब के अनुसार उनका बेकनगंज नई सड़क पर शोएब एग स्टोर है। उन्हें व उनके साथी नई सड़क निवासी फहद नसीम व उबैद नसीम को व्यापार को बढ़ाने व गोदाम के लिए जमीन की आवश्यकता थी। जिस पर दलाल रिक्की व रफी ने उनकी मुलाकात जाजमऊ गज्जूपुरवा हाल पता सिग्नेचर सिटी निवासी इरशाद आलम से कराई। इरशाद ने गज्जूपुरवा में उन्हें अपनी जमीन दिखाते हुए उसे 1.65 करोड़ रुपये में बेचने की बात कही। नोटिरियल विक्रय अनुबंध पत्र तैयार होने पर उन्होंने आरटीजीएस व नगद के रूप में 1.65 करोड़ रुपये उसे दे दिए। कई दिन बीत जाने पर जब उन्होंने विक्रय पत्र निष्पादित करने को कहा तो उसने जमीन की रकम दोगुनी कर दी। रुपये फंसे होने पर शोएब ने उसकी बात मानते हुए दोबारा 1.65 करोड़ रुपये दे दिए, लेकिन आरोपी ने बैनामा नही किया। जब उन्होंने जमीन की पड़ताल की तो पता चला कि वह जमीन सरकार ने पहले ही अधिग्रहण कर रखी है। उन्होंने रुपये वापस मांगे तो आरोपी अपने साथी मोहम्मद उजैर व अन्य लोगों के साथ उनकी दुकान पर आया और झूठे मुकदमें में फंसा देने की धमकी दी।

सफर

सिग्नल खंभों पर रेडियम चमकेंगे, ट्रैक पर पटाखे लगेंगे

कोहरे में देशी जुगाड़ से ही चलेंगी ट्रेनें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बीते कई दशक से रेलवे कोहरे में भी ट्रेनों का संचालन करने की कोशिश कर रहा है लेकिन हर बार ट्रेनों को निरस्त करना पड़ता है। रेलवे अफसरों को यही फैसला लेना होता है कि पहले देशी जुगाड़ सिस्टम पर जैसे ट्रेनें संचालित हो रही थीं, उसी तकनीक को फिर अपनाएं। इसी के तहत सभी ट्रेनों के इंजन में पावरफुल पीली हेड लाइट लगाने का काम तेजी से चल रहा है।

कोहरा ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है जिससे कई ट्रेनों को निरस्त कर दिया गया है। कई ट्रेनों के रूट में कटौती कर दी गयी है। रेलवे ने लोको पायलट के मध्य जागरुकता के साथ सावधानी हटी-दुर्घटना घटी फार्मूला लागू कर दिया है। इंजनों में पीली पावरफुल लाइटें लग रही हैं ताकि कोहरे में लोको पायलट ट्रैक को देख सकें।

खंभे बनते सहारा,नदी के पास कुछ नहीं दिखता

एक लोको पायलट ने बताया कि सबसे ज्यादा रात में नदी के किनारे दिक्कत आती है, जहां कुछ भी आगे नहीं दिखता है। ओएचई के खंभों पर रेडियम लगा होता है वही खंभों को देखकर ट्रेन को आगे बढाते हैं।

क्या है रेलवे का देशी जुगाड़

- रेलवे स्टेशन से एक किमी पहले ट्रैक पर पटाखे रखे जाएंगे जिससे लोको पायलट समझ जाएगा कि आगे स्टेशन है। ■ रेलवे लाइन के किनारे लगे खंभों पर सीरियल नंबर के पास रेडीयम की पट्टी लगाई जा रही है ताकि लोको पायलट को कितने खंभा तक पहुंच चुका है पता चल सके। ■ दो स्टेशनों के बीच दो ट्रेनें ही चलेंगी अभी हर 900 मीटर पर ट्रेनें आगे पीछे दौड़ रही हैं।

रेलवे की आधुनिक कोशिशें जारी

- इंजन में ऐसा सिस्टम लगेगा जिससे कोहरे में भी लोको पायलट को आगे का ट्रैक दिखता रहेगा। ■ इंजन में लगी डिवाइस से यात्रियों को पता चलता रहेगा कि ट्रेन कहां है और कितनी देर में आएगी। अभी कोहरे में ट्रेनों का लोकेशन सिस्टम काम बंद कर देता है। कभी चलता है, कभी नहीं चलता है। ■ सभी मानव रहित रेलवे क्रासिंग गेट पर एक किमी दूर ट्रेन होगी, तभी सायरन बजने लगेगा, ताकि कोई शख्स ट्रैक पार नहीं करे।

सावधानी हटी, दुर्घटना घटी का फार्मूला लागू हो चुका है, ड्यूटी पर जाने से पहले लोको पायलटों को प्रतिदिन जागरूक रहने की सलाह दी जा रही है। जरूरत पड़े तो अपने विवेक से ट्रेन चलाएंगे।

-अमित सिंह, जनसंपर्क अधिकारी, उत्तर मध्य जोन

दोहरीकरण कार्य के चलते कई ट्रेनों का रूट बदला

कानपुर। बीकानेर मंडल के चूरू-सादुलपुर रेलखण्ड पर चूरू-आसलू-दुधवाखारा स्टेशनों के मध्य दोहरीकरण कार्य के लिए ब्लॉक लिया जाएगा जिससे रेल यातायात प्रभावित रहेगा। उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि गाडी संख्या 12259, सियालदाह-बीकानेर एक्सप्रेस 21 व 22 जनवरी 2026 को परिवर्तित मार्ग वाया रेवाड़ी, जयपुर, मेडता बाईपास, बीकानेर होकर संचालित होगी। परिवर्तित मार्ग में यह ट्रेन अलवर, जयपुर, डेगाना स्टेशनों पर ठहराव लेगी। गाड़ी संख्या 12260 बीकानेर-सियालदाह एक्सप्रेस 22 व 23 जनवरी 2026 को परिवर्तित मार्ग वाया बीकानेर-मेड़ता बाईपास-जयपुर-रेवाड़ी होकर संचालित होगी।

पूर्व राज्यमंत्री ने घर में बंधक बनाकर युवकों को पीटा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- बसपा सरकार में राज्यमंत्री रहे सतीश पाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार। बसपा सरकार में राज्यमंत्री रहे सतीश पाल के खिलाफ युवकों को बंधक बनाकर पीटने और धमकाने की रिपोर्ट बर्रा थाने में दर्ज हुई है। यह रिपोर्ट इटावा निवासी युवकों ने दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि पूर्व राज्यमंत्री ने उन्हें कानपुर देहात के झींझक में 45 लाख रुपये में जमीन बेची है। यह विवादित है, पता चलने के बाद रुपये वापस मांगे तो रविवार को बर्रा स्थित घर बुलाकर बंधक बनाकर रॉड से पीटा।

इटावा के फ्रेंडस कालोनी थानाक्षेत्र में भरथना चौराहे के पास रहने वाले अतुल गुप्ता, इसी थानाक्षेत्र के इटगांव निवासी कमलेश बाबू, इटावा के चौगान निवासी मनोज कुमार ने बताया कि उन लोगों ने सतीश से छह बीघा जमीन खरीदी है। यह कानपुर देहात के झींझक इलाके में है। इस जमीन के लिए उन लोगों ने 45 लाख रुपये सतीश पाल को दिए थे। बाद में पता चला कि यह जमीन विवादित है। ऐसे में उन लोगों ने सतीश से अपनी रकम वापस मांगी। इस पर सतीश ने कहा परेशान न हो, वह वर्तमान में सत्तादल में हैं, अपनी पकड़ के बूते जमीन से जुड़ा विवाद खत्म करा देंगे। हालांकि ऐसा नहीं हो पाया। इसके बाद उन लोगों ने अपनी रकम वापस मांगी तो सतीश ने उन सभी को रुपये लौटाने के बहाने छेदी सिंह का पुरवा बर्रा स्थित घर बुलाया। तीनों पीड़ितों का आरोप है कि जैसे ही तीनों लोग अंदर पहुंचे, सतीश पाल, दिनकर पाल, रामनरेश और अन्य लोगों ने मिलकर दरवाजा बंद कर दिया। आरोप है कि उन्हें डंडों, सरियों और साबड़ों से बेरहमी से पीटा गया। हमले में गंभीर चोटें आईं और उनका मोबाइल तोड़ दिया गया। यही, नहीं हमलावरों ने धमकी दी कि अगर थाने गए तो जान से मार देंगे। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि पीड़ितों का मेडिकल कराने के बाद रिपोर्ट दर्ज की गई है।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सिटी ब्रीफ

सेंट्रल स्टेशन पर मुफ्त शीतल पेयजल

कानपुर। प्रेसिडेंट फ्रेंड्स माहेश्वरी संस्था द्वारा सेंट्रल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 2 पर यात्रियों को मुफ्त में शीतल पेयजल की सुविधा प्रदान की गई। इस पानी के प्वाइंट पर बिना किसी अवरोध के 500 लीटर शीतल जल और आरओ का पानी बिना किसी शुल्क के यात्रियों को उपलब्ध हो गया है। सोमवार को यात्रियों के लिए ये सुविधा शुरू हो गयी है। पूर्व में भी इस संस्था ने प्लेटफॉर्म 6 व 7 पर ठंडे पानी का प्लांट लगाकर यात्रियों को शीतल जल की सुविधा प्रदान की थी।

10 दिसंबर से नहरों में पानी छोड़ा जाएगा

कानपुर। गेहूं की फसल की सिंचाई के लिए पानी की जरूरत अगले सप्ताह से होगी, जिसे देखते हुए सिंचाई विभाग 10 दिसंबर से नहरों में पानी छोड़ देगा। फिलहाल, चार दिसंबर को सिंचाई विभाग नरौरा बांध बुलंदशहर को नहर में पानी छोड़ने के लिए पत्र लिखेगा। एई सार्थक सिंह ने बताया कि नरौरा से कानपुर तक नहर में पानी आने में कम से कम पांच दिन लग जाते हैं। इसके बाद सभी माइनर में पानी खोल दिया जाएगा। अभी तक नहरों की सफाई का कार्य चल रहा था जो पूरा हो चुका है।

बच्चों ने रैली निकाली

कानपुर। सोलंकी पब्लिक स्कूल दलेल पुरवा से एसआईआर के प्रति लोगों में जागरुकता लाने के उद्देश्य से बच्चों ने रैली निकाली। कर्मचारी संघ के मंडल अध्यक्ष मोहम्मद परवेज ने आह्वान किया कि जल्द से जल्द अपने फार्म भरकर बीएलओ के पास जमा करें। स्कूल प्रबंधक हाजी कौसर सोलंकी ने मेहमानों का शुक्रिया अदा किया।

बिजली गुल

कानपुर। भूमिगत केबिल क्षतिग्रस्त होने से सुशील नर्सिंग होम फीडर से जुड़े क्षेत्र में बिजली सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक और रंजीत नगर में ट्रैक्टर की टक्कर से एचटी पोल टूटने से सुबह चार बजे से शाम छह बजे तक बिजली गुल रही।

स्कूली बच्चों ने गीता का संदेश दिया। अमृत विचार

शोभा यात्रा निकाली गई। अमृत विचार

बच्चों ने गोल शृंखला बनाई। अमृत विचार

मानव शृंखला बनाकर दिया गीता अपनाने का संदेश

श्रीमद्भगवद्गीता वैदिक न्यास की ओर से शहर में हुए विभिन्न आयोजन, पूरे प्रदेश में मनाया गया उत्सव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। श्रीमद्भगवद्गीता वैदिक न्यास की ओर से सोमवार को गीता जयंती मनाई गई। इस दौरान शहर में कई स्थानों में गीता संदेश मानव शृंखला बनाई गई। आयोजन के दौरान सभी को गीता अपनाने का संदेश दिया गया। न्यास के पदाधिकारियों की ओर से बताया गया कि यह आयोजन प्रदेश के अन्य जिलों में भी आयोजित किया गया।

श्रीमद्भगवद्गीता वैदिक न्यास के अध्यक्ष डॉ. उमेश पालीवाल की ओर से बनाई गई गीता संदेश मानव शृंखला के संयोजक कमल त्रिवेदी ने बताया कि यह आध्यात्मिक जन आंदोलन एक विशाल वट वृक्ष का रूप ले रहा है। गीता जयंती पर जूनियर माध्यमिक, पब्लिक स्कूल, महाविद्यालय व तकनीकि संस्थानों सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों एवं औद्योगिक इकाइयों में भी आयोजन हुए। इनमें लघु उद्योग भारती, आईआईए, इंडियन मेडिकल एसोसियेशन, यूपी कोआपरेटिव स्टेट, पीआईए शामिल रहे। इसी तरह शिक्षण संस्थानों में सीएसजेएमयू, एचबीटीयू, सीएसए विवि, मेडिकल कॉलेज के कैम्पस सहित अन्य स्थान शामिल रहे। शहर में लगभग एक हजार से अधिक स्थानों पर मानव शृंखला बनाई गई। श्रीमद्भगवद्गीता वैदिक न्यास के महामंत्री परमानंद शुक्ला ने बताया कि पूरे प्रांत में विभिन्न चौराहों, मार्ग में भी यह आयोजन हुए। न्यास की ओर से यह भी जानकारी दी गई कि यह आयोजन पूरे प्रदेश में मनाया गया। इनमें इटावा, फर्रुखाबाद, औरैया, कन्नौज, झांसी, हमीरपुर, ललितपुर, महोबा, चित्रकूट, फतेहपुर जिले शामिल रहे। इसी तरह आगरा, लखीमपुर, लखनऊ, सीतापुर, काशी, प्रयाग, गोरखपुर में भी युवाओं ने खासतौर पर गीता के संदेश अपनाने का आह्वान किया।

पदाधिकारियों ने मानव शृंखला बनाई।

पदाधिकारियों ने गीता का संदेश दिया।

शोभा यात्राएं भी निकलीं

गीता का संदेश अपनाने के आह्वान को लेकर शहर में कई स्थानों से शोभा यात्रा भी निकाली गईं। इनमें अखंड सनातन मंच की ओर से गीता जयंती पर शोभायात्रा निकली। यह आयोजन थाना फीलखाना के समीप स्थित गीता मंदिर से किया गया। यह शोभा यात्रा विभिन्न इलाकों से होते हुए वापस मंदिर परिसर पहुंची। रास्ते में कई जगहों पर फूल बरसाकर शोभा यात्रा का स्वागत किया गया। कार्यक्रम संयोजक विनय अवस्थी ने बताया कि बच्चों को तनाव से बचाने के लिए स्कूलों में गीता पर सप्ताह में एक व्याख्यान अनिवार्य किया जाना चाहिए। शोभा यात्रा में डा. अमरनाथ भल्ला, वंदना शर्मा, मिली गुप्ता, अर्चना तिवारी, अंकित जायसवाल, सुनील कपूर, राजीव पांडे, मनोज शुक्ला, नरेंद्र अग्रवाल, चंद्र मोहन पांडे, गौरव तिवारी, गोपाल शर्मा, आचार्य कमल कृष्ण मिश्र, गणेश शंकर बाजपेई सहित अन्य मौजूद रहे।

राज्यपाल को न्योता

बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को श्रीमद्भगवद्गीता वैदिक न्यास के अध्यक्ष डा उमेश पालीवाल ने आगामी राष्ट्रीय गीता संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया। राज्यपाल को दिए गए ज्ञापन में डॉ. उमेश पालीवाल ने बताया कि न्यास पांच वर्षों से सभी भगवदप्रेमी पदाधिकारियों एवं सदस्यों के निरन्तर सहयोग से गीता के संदेश को आम जनमानस में पहुंचाकर 'आत्मोत्थान से राष्ट्रोत्थान' के उद्देश्य को पूरा किया जा रहा है।

सीएसजेएमयू में गीता स्वाध्याय के नारे

- सीएसजेएमयू के श्रीमद्भगवद्गीता एवं वैदिक वांग्मय शोधपीठ के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में मानव शृंखला का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न सदस्यों ने प्रतिभाग किया और नित्य गीता स्वाध्याय के प्रति जागरुकता फैलाई। मानव शृंखला की शुरुआत विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ आर्ट्स, ह्युमैनिटीज एंड सोशल साइंस से हुआ और विभिन्न विभागों और संकायों से होते हुए इसका समापन सेंटर फॉर एकेडेमिक्स पर हुआ। श्रीमद्भगवद्गीता एवं वैदिक वांग्मय शोधपीठ के समन्वयक डॉ. अमित कुमार ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता हमें निष्काम कर्म, समत्व और कर्तव्य की प्रेरणा देती है। विश्वविद्यालय में मानव शृंखला का आयोजन विद्यार्थियों में मूल्य शिक्षा का मार्ग प्रशस्त करता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. राजेश कुमार द्विवेदी, निदेशक महाविद्यालय विकास परिषद ने कहा कि आज ही के दिन लगभग 5100 वर्ष पूर्व भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को महाभारत के युद्ध के मैदान में भगवद् गीता का उपदेश दिया था। इसीलिए आज के दिन को गीता जयंती के रूप में मनाया जाता है।

इन स्कूलों में आयोजन

- शहर के स्कूलों में हुए आयोजनों में बच्चों व शिक्षकों की भागेदारी रही। इनमें शहर के यूपी बोर्ड, सीबीएसई व आईसीएसई बोर्ड के 90 स्कूलों में शृंखला बनाई गई। स्कूलों में हुए आयोजन में बड़ी संख्या में शिक्षक व अभिभावक भी शामिल हुए। बीएनएसडी शिक्षा निकेतन इण्टर कालेज में बृजमोहन सिंह प्रधानाचार्य के नेतृत्व में विशाल गीता संदेश मानव शृंखलामें उपस्थित होकर छात्रों का उत्साहवर्धन किया। इसी तरह दीनदयाल उपाध्याय इंटर कालेज में मानव शृंखला में डा उमेश पालीवाल, प्रो एचएन मिश्रा मोजूद रहे। सुस्मिता मिश्रा ने भी विचार व्यक्त किए। परमानन्द शुक्ला रामकृष्ण मिशन विद्यालय में कमल त्रिवेदी, ओंकारेश्वर विद्यालय राजीव महाना, सरस्वती विद्या मन्दिर डिफेन्स कालोनी, युनाईटेड पब्लिक स्कूल, में लाडली प्रसाद, मधुरेश तिवारी की ओर से सौ से अधिक कारखानों एवं कार्यालयों में आयोजन हुआ। लघु उद्योग भारती के बैनर तले आयोजन में डा बलराम नरूला, सरदार हरविन्दर सिंह लाई, गुलशल धूपर शामिल रहे। अरूण पुरी के नेतृत्व में गीतानुरागी जनों ने आयोजन में हिस्सा लिया।

एसआईआर की समय सीमा तीन माह और बढ़ाई जाए: कांग्रेस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चुनाव आयोग ने एसआईआर की तारीख एक सप्ताह के लिए बढ़ायी है। कांग्रेस ने मांग की है कि एक सप्ताह का समय पर्याप्त नहीं है बल्कि कम से कम तीन माह के लिए एसआईआर कार्य को बढ़ाया जाए।

सोमवार को कानपुर महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता ने परेड, मीरपुर, बर्रा, परमपुरवा, गुमटी नंबर पांच समेत विभिन्न क्षेत्रों में एसआईआर के प्रति लोगों को जागरूक किया और कई स्थानों पर कैंप लगाकर मतदाताओं का सहयोग किया।

महानगर अध्यक्ष ने योगी सरकार से मांग की है कि जिन बीएलओ की एसआईआर कार्य के चलते जान गई है, उनके परिजनों को मुआवजा दिया जाए। उन्होंने चुनाव आयोग से मांग की है कि एसआईआर का कार्य तीन माह के लिए बढ़ाया जाए।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष श्रद्धांजलि देने आएंगे

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत श्रीप्रकाश जायसवाल को श्रद्धांजलि देने के लिए उनके पोखरपुर आवास पर आज शाम 5.30 बजे पहुंचेंगे। ये जानकारी महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता ने दी। श्रीप्रकाश के निधन पर कांग्रेस का कोई बड़ा नेता नहीं आया।

पोखरपुर चौराहा और घर के सामने का पार्क श्रीप्रकाश के नाम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- नगर निगम मुख्यालय में महापौर पार्षदों और कर्मचारियों ने की श्रद्धांजलि सभा

अमृत विचार। दिवंगत पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल को सोमवार को नगर निगम मुख्यालय में महापौर प्रमिला पाण्डेय, पार्षदों, अधिकारियों, कर्मचारियों ने श्रद्धांजलि दी। श्रीप्रकाश जायसवाल के चित्र पर माल्यार्पण, पुष्प अर्पित कर उन्हें याद कि गया। इस दौरान महापौर प्रमिला पांडेय ने कहा कि श्रीप्रकाश जायसवाल राजनीतिक रूप से भले ही अलग हों, किन्तु वह मुझे अपनी बहन के रूप में मानते थे। महापौर ने कहा कि पूर्व मेयर श्रीप्रकाश जायसवाल के पोखरपुर स्थित आवास के सामने एक पार्क और उनके पोखरपुर जाने वाले चौराहे का नामकरण श्रीप्रकाश जायसवाल के नाम कराया जायेगा। घंटाघर के पास कैनाल पटरी में श्रीप्रकाश जायसवाल का पैतृक आवास था, यदि कैनाल पटरी का पूर्व से कोई नामकरण नहीं है, तो उसे भी श्रीप्रकाश जायसवाल के नाम से नामकरण कराये जाने की कार्यवाही करायी जायेगी। महापौर ने कहा कि श्रीप्रकाश जायसवाल, नगर निगम के पूर्व मेयर थे, इसके चलते 2 दिसंबर को नगर निगम एवं जलकल में अवकाश रहेगा। इस दौरान भाजपा पार्षद नवीन पंडित, पवन पांडेय, जितेन्द्र चौरसिया, राम नरायन, अमित जायसवाल, मनीष मिश्रा, सुधीर यादव, कमलेश त्रिवेदी कांग्रेस के पार्षद सुहैल अहमद, सपा पार्षद राशिद महमूद, पूर्व पार्षद अर्पित यादव, कर्मचारी नेता रमाकान्त मिश्रा, मुन्ना हजारिया, विनोद के साथ बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

नगर निगम में श्रद्धांजलि सभा में बोलतीं महापौर प्रमिला पांडेय। अमृत विचार

100 फीसदी प्रपत्र जमा होने पर होंगे सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान को लेकर सोमवार को भाजपा क्षेत्रीय मुख्यालय में क्षेत्र की समीक्षा की गई। क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने सभी 17 जिलों के प्रभारी, प्रवासी एवं क्षेत्रीय टोली के पदाधिकारियों से वर्तमान तक की जानकारी जी। प्रकाश पाल ने कहा कि 4 दिसंबर तक सभी जिलों में गहन मतदाता पुनरीक्षण के गणना प्रपत्र पूरी तरह से भरकर जमा करा दिए जाएं। उन्होंने कहा कि यह अभियान सिर्फ संगठनात्मक कार्यक्रम नहीं बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सशक्त करने का राष्ट्रीय कर्तव्य है। उन्होंने आगे कहा कि क्षेत्र के जिन जिलों में गणना प्रपत्र जमा हो चुके हैं, वहां भाजपा द्वारा विशेष अभियान चलाकर घुसपैठियों की पहचान की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि राष्ट्र को सुरक्षित रखना है, तो घुसपैठियों की पहचान और उन्हें मतदाता सूची से दूर रखना अत्यंत आवश्यक है। यह सुनिश्चित करें कि आपके जिले में केवल पात्र नागरिक ही मतदाता सूची में पंजीकृत हों।

क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी ने बताया कि जिस बूथ पर 4 दिसंबर तक 100 फीसदी गणना प्रपत्र जमा हो जाएंगे, उन बूथों के बीएलओ एवं बीएलए-2 को भाजपा द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। बैठक में सुनील तिवारी, पूर्व विधायक केके. सचान, वीरेंद्र तिवारी, पवन पांडे, जितेंद्र सचान, आलोक शुक्ला, रश्मि श्रीवास्तव, शोभा श्रीवास्तव, मलय पांडे, रामू चंदेल आदि रहे।

क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने सभी 17 जिलों से ली जानकारी। अमृत विचार

कैंट क्षेत्र के पांच बीएलओ सम्मानित

कानपुर। कैंट विधानसभा की निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी रितुप्रिया चौधरी ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत कैंट विधानसभा क्षेत्र में शत-प्रतिशत कार्य निर्धारित समय से पहले पूर्ण करने पर पांच बूथ लेवल अधिकारियों को सम्मानित किया गया। बूथ संख्या 19 के बीएलओ अंकुर वर्मा, बूथ संख्या 74 के बीएलओ प्रफुल्ल साहू, बूथ संख्या 81 के बीएलओ जोहरा इकबाल, बूथ संख्या 82 की बीएलओ समा अनवर तथा बूथ संख्या 282 के बीएलओ राजीव पाल ने अपने-अपने बूथों पर गणना प्रपत्रों का वितरण, संग्रह एवं डिजिटाइजेशन का कार्य समय से पूर्व पूरा कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

हैलट में मरीजों और तीमारदारों से लिया जाएगा फीडबैक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य ने निरीक्षण करके दिया निर्देश

अमृत विचार। हैलट में आने वाले मरीजों व तीमारदारों से डॉक्टर, नर्स व स्टाफ ने कैसा व्यवहार किया, इसकी जानकारी अब जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. संजय काला को भी हो सकेगी। इसके लिए हैलट के सभी वार्डों में फीडबैक रजिस्टर रखा जाएगा, जिसमे मरीज व तीमारदार अपना फीडबैक देंगे, जिसके खिलाफ गलत फीडबैक होगा, उसपर कॉलेज प्रशासन द्वारा कार्यवाही तय की जाएगी। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. संजय काला ने सभी वार्डों में फीडबैक रजिस्टर रखने के निर्देश दिए हैं और उसमे मरीज व तीमारदारों द्वारा फीडबैक जरूर दर्ज कराने को कहा है। प्राचार्य ने चिकित्सा अधीक्षक डॉ.विनय कुमार और कैंपस प्रभारी डॉ. अनुराग राजौरिया के साथ हैलट व संबंद्ध अस्पताल, इमरजेंसी, ब्लड बैंक और वार्ड नंबर एक, पांच, छह व 10 का औचक निरीक्षण किया। पूर्व में दिए गए निर्देशित कार्यों की समीक्षा की। सभी वार्ड में फीडबैक रजिस्टर रखे जाने के निर्देश दिए। कहा कि अस्पताल से डिस्चार्ज हो चुके मरीजों के परिजनों से फोन पर अस्पताल में हुए उपचार की गुणवत्ता, डॉक्टरों व स्टाफ का व्यवहार और संवेदनशीलता के प्रति फीडबैक लिया जाएगा। वहीं, प्राचार्य ने खुद छह मरीजों को कॉल कर जानकारी भी ली। जबकि तीन लोगों का कॉल नहीं उठा। प्राचार्य ने वार्डों में बॉयो मेडिकल वेस्ट, साफ-सफाई, दवाईयों की उपलब्धता, फाइल, डॉक्टरों व स्टाफ की उपलब्धता देखी। वार्ड में एक कर्मचारी ड्रेस में नहीं मिलने पर चेतावनी पत्र देने के निर्देश दिए।

एसआईआर — भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने छावनी विधानसभा में डेरा जमाया

भाजपाइयों ने घर-घर जाकर गणना प्रपत्र जमा कराए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने छावनी विधानसभा में डेरा जमा रखा है। सोमवार को श्याम नगर मंडल में मैरी जीसस शक्ति केंद्र पर निरीक्षण कर भाजपा नेताओं ने घर-घर जाकर लोगों से गणना प्रपत्र जमा कराए। जिलाध्यक्ष ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) अभियान के तहत छावनी विधानसभा के सभी कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक अपनी सक्रियता बढ़ाने और घर घर संपर्क कर एक एक मतदाता का नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के निर्देश दिए। सोमवार को भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने श्याम नगर के वार्ड नंबर 47 देहली सुजानपुर के मैरी जीसस पोलिंग स्टेशन के बूथ संख्या 213,214,215, 216, 217,218 और 219 में घर घर संपर्क किया। उन्होंने लोगों से मुलाकात कर एससीआर संबंधी जैसे सभी को गणना प्रपत्र भरने में आने वाले परेशानियों के बारे में जानकारी ली। बहुत से लोगों ने अभी तक प्रपत्र नहीं मिलने की शिकायत की। जिस पर जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने बीएलओ और पार्टी कार्यकर्ताओं को भेज कर गणना प्रपत्र घर घर बंटवाए। शिवराम सिंह ने मंडल अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष, बूथ कमेटी एवं बूथ प्रवासी से घर घर कुंडी खटखटा कर लोगों से एसआईआर फार्म भरवाकर शीघ्र जमा करवाने को कहा। उन्होंने कहा कि एसआईआर में किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही न करें। बीएलए टू, बूथ अध्यक्ष तथा बूथ प्रवासी प्रतिदिन बूथ पर मौजूद रहे और यह सुनिश्चित करें कि बूथ के सभी लोगों के भरे हुए गणना प्राप्त जमा हो जाएं। मतदाताओं के गणना प्रपत्र जमा करना, नए मतदाताओं के नाम जुड़वाना मृत, स्थानांतरित और बोगस मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटवाना है। बूथ पर भाजपा विचार परिवार के लोग बड़ी संख्या में निवास करते हैं। इन लोगों से संपर्क कर उन्हें भी एसआईआर अभियान में सक्रिय करें। इस दौरान राम बहादुर यादव, गणेश शुक्ला, अर्जुन बेरिया, मण्डल अध्यक्ष आलोक वर्मा, संजीव बेरी केपी सिंह चौहान, निर्देश सिंह चौहान, बीएल पांडेय रहे।

गणना प्रपत्र जमा कराते शिवराम सिंह व अन्य भाजपाई। अमृत विचार

कल्याणपुर में सांसद-विधायक खेल स्पर्धा

कानपुर। युवा कल्याण विभागद्वारा सांसद-विधायक खेल स्पर्धा के अंतर्गत विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। छठवें चरण में विधानसभा कल्याणपुर की खेल स्पर्धा दिनांक 1 दिसम्बर से 3 दिसम्बर तक हो रही है।

प्रतियोगिताएं आरयूबी ग्राउंड, बिठूर रोड, कल्याणपुर तथा ग्रीनपार्क में हो रही हैं। एथलेटिक्स, कबड्डी, वॉलीबॉल, जूडो, शतरंज, फुटबॉल, वेटलिफ्टिंग, कुश्ती आदि में सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग के पुरुष एवं महिला खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे।

कार्यालय नगर निगम, अल्मोड़ा

पत्रांक : 1521/30-1/नि०नि० 2025-2026/ दिनांक: 01 दिसम्बर, 2025

कोटेशन सूचना

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम अल्मोड़ा क्षेत्रान्तर्गत बन्ध्याकरण हेतु बंदरों को पकड़कर वन विभाग के रेस्क्यू सेन्टर तक पहुंचाये जाने हेतु इच्छुक फर्मों/व्यक्तियों के कोटेशन आमन्त्रित किये जाते हैं। कोटेशन की शर्तें एवं विस्तृत जानकारी दिनांक 02.12.2025 से 17.12.2025 तक कार्यालय नगर निगम अल्मोड़ा के वन अनुभाग से तक प्राप्त की जा सकती है। कोटेशनदाताओं द्वारा निर्धारित प्रारूप में आवश्यक दस्तावेजों सहित कोटेशन दिनांक 18.12.2025 को अपरान्ह 1:00 बजे तक कार्यालय नगर निगम अल्मोड़ा में प्रस्तुत किये जा सकेंगे। निर्धारित तिथि व समय के उपरान्त प्राप्त होने वाले कोटेशनों पर विचार नही किया जायेगा। प्राप्त कोटेशन तद्दिनांक को अपराह्न 2:00 बजे उपस्थित कोटेशनदाताओं व नगर आयुक्त नगर निगम अल्मोड़ा तथा मा० महापौर नगर निगम अल्मोड़ा द्वारा प्राधिकृत अधिकारियों के समक्ष के सम्मुख खोले जायेंगे। कोटेशन स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी को निहित होगा।

नगर आयुक्त
नगर निगम, अल्मोड़ा

महापौर
नगर निगम, अल्मोड़ा

सिटी ब्रीफ

आज नहीं रहेगी बिजली

कानपुर। दयानंद विहार, मोना नगर, सफेद कॉलोनी, साईं मंदिर, तिकोनिया पार्क, गीता नगर व सेंटर पार्क में सुबह 10 बजे से शाम साढ़े चार बजे तक, अजीतगंज, बाकरगंज, संजय नगर व बर्रा गांव में बिजली सुबह 11 बजे से शाम पांच बजे तक गुल रहेगी। केस्को मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा के मुताबिक इन जगहों पर केस्को द्वारा जरूरी कार्य किए जाएंगे।

मोक्षदा एकादशी मनाई

कानपुर। मोक्षदा एकादशी व गीता जयंती पर सोमवार को इस्कॉन की ओर से विभिन्न आयोजन हुए। मंदिर में कथा सत्र में श्रीमान प्रेमहरिनाम प्रभु जी के द्वारा भगवद्गीता के महत्व पर विस्तृत चर्चा की गई। इस्कॉन भक्तों ने विभिन्न स्थानों में निशुल्क भगवद्गीता वितरण किया। इनमें परमट मन्दिर, रेलवे स्टेशन, सुधर गृहों और जेलों में भी निशुल्क गीता वितरण किया।

4 परीक्षार्थी धरे गए

कानपुर। सीएसजेएम विश्वविद्यालय की सत्र 2025-26 विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं में 21,7237 परीक्षार्थी उपस्थित रहें। जिसमें 1,16072 छात्र एवं 101165 छात्रायें थी। 7638 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। जिसमें 5100 छात्र एवं 2538 छात्रायें थी। 4 अभ्यर्थी अनुचित साधन प्रयोग में पकड़े गये। विश्वविद्यालय परीक्षा सातों जनपदों में सम्पन्न हुई।

किसानों को बताए दुष्प्रभाव

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर ब्लॉक स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को फसल अवशेष जलाने से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि फसल अवशेष जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है, मृदा के सूक्ष्म जीव नष्ट हो जाते हैं।

दादानगर में दिक्कत

कानपुर। मेट्रो के काम के कारण नया बना दादानगर पुल रोज रात को बंद कर दिया जाता है। सहालग के मौके पर शहर से लौटने वाले हजारों यात्री रात में पुल बंद होने पर परेशान होते हैं। पुराने पुल पर जाम लग जाता है।

सीएसजेएमयू के यूआईईटी व आईआईटी के बीच एमओयू

शैक्षणिक सहयोग, अनुसंधान भागीदारी और छात्रों के आदान-प्रदान पर साझेदारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान (यूआईईटी) व भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। यह साझेदारी मुख्य रूप से शैक्षणिक सहयोग, अनुसंधान भागीदारी और छात्रों के आदान-प्रदान पर केंद्रित होगी। जिसमें आईआईटी कानपुर का रसायन इंजीनियरिंग विभाग और यूआईईटी के संबंधित विभाग शामिल हैं।

सीएसजेएमयू की डीन एकेडमिक प्रो. बृष्टि मित्रा ने बताया एमओयू की मुख्य विशेषताओं में यूआईईटी के मेधावी द्वितीय और तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए आईआईटी कानपुर में ग्रीष्मकालीन अनुसंधान इंटर्नशिप, अंतिम वर्ष के स्नातक छात्रों के लिए हाइब्रिड मोड में संयुक्त शोध परियोजनाओं पर सह-पर्यवेक्षण, और पीएमआरएफ विद्वानों द्वारा उन्नत व्याख्यान और मेंटरिंग सत्र शामिल हैं। जिनका प्राथमिक उद्देश्य छात्रों को विश्वस्तरीय अनुसंधान के माहौल में एक्सपोजर देना और उनके कौशल विकास को बढ़ाना है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि यह एमओयू हस्ताक्षर की तिथि से आगामी पांच वर्षों के लिए प्रभावी रहेगा। जिससे दोनों संस्थानों के बीच ज्ञान और अनुभव के आदान-प्रदान को सुगम बनाया जा सके। यह समझौता आईआईटी कानपुर में डीन अकादमिक अफेयर्स प्रो.अशोक दे, हेड केमिकल इंजीनियरिंग प्रो. नितिन कैसथा, डीन एकेडमिक्स (सीएसजेएमयू) प्रो. बृष्टि मित्रा, हेड केमिकल इंजीनियरिंग डॉ. अभिषेक कुमार चंद्रा और डॉ. अरुण कुमार गुप्ता की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया।

एमओयू के दौरान डीन एकेडमिक्स सीएसजेएमयू प्रो. ब्रष्टि मित्रा व अन्य। अमृत विचार

गणना प्रपत्र जमा करने में सम्मानित होंगे बीएलए

कानपुर। सपा कार्यालय में समीक्षा बैठक हुई। नगर अध्यक्ष फजल महमूद ने कहा कि सभी विधानसभाओं के अध्यक्षों, कमेटी के पदाधिकारी, युवा टीम गणना प्रपत्र भरने और बीएलओ के पास जमा कराने में अग्रणी रहे। सात प्रमुख बीएलए को सम्मानित किया जाएगा, जिसमें कैंट विधानसभा अध्यक्ष मंसूरी प्रथम होंगे। पूर्व सांसद व एसआईआर के प्रभारी और सपा के राष्ट्रीय सचिव राजा रामपाल ने प्रपत्र गणना पर सभी से जानकारी प्राप्त की। बीएलओ और बीएलए की कठिनाइयों की स्थिति का अवलोकन कर गंभीर चिंता व्यक्त की। इस दौरान प्रदेश सचिव केके शुक्ला, महासचिव संजय सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव, विधायक अमिताभ बाजपेई, विधायक मोहम्मद हसन रुमी, सम्राट विकास, आनंद शुक्ला समेत आदि लोग रहे।

इंडियन पवेलियन का उद्घाटन करते अधिकारी।

मिस्र में जीआईएल के उत्पादों की धूम मची

कानपुर। मिस्र में सोमवार से शुरू हुई अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी एडेक्स 2025 में इण्डियन पवेलियन की शुरुआत हो गई है। यह शुरुआत रक्षा मंत्रालय के पीएसयू ग्लाइडर्स इण्डिया लिमिटेड (जीआईएल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एमसी बालासुब्रमणियम ने की। बताया गया कि मिस्र में चल रही इस अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में जीआईएल के उत्पादों के प्रति खासा आकर्षण देखने को मिल रहा है। मिस्र के डिफेन्स अटैची ने जीआईएल के द्वारा बनाये गये पैराशूट आदि रक्षा उत्पादों को देखा और सराहना की। इस प्रदर्शनी में दुनिया भर के चार सौ से भी अधिक रक्षा एवं सुरक्षा से संबंधित प्रतिष्ठित कंपनियां हिस्सा ले रही हैं। इण्डिया पैवेलियन में लगे जीआईएल के स्टाल पर रक्षा उत्पादों के बारे में जानकारी के लिए कई कंपनियों के प्रतिनिधियों ने उत्साह दिखाया। जीआईएल ब्रेक पैराशूटों एवं अन्य उत्पाद आकर्षण हैं।

पोस्टर प्रतियोगिता से जागरुकता फैलाई

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में विश्व एड्स दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य एचआईवी की रोकथाम जागरूकता बढ़ाना था। इस दौरान पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान के विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सभी बच्चों को एड्स के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के निदेशक डा मुनीश रस्तोगी ने किया। इस दौरान संस्थान की सहायक निदेशिका डा हिना वैश्य तथा सहायक निदेशक धीरज कुमार, आमिना जैदी, विश्वदीप मिश्रा, दयाशंकर रस्तोगी सहित अन्य मौजूद रहे। अमृत विचार

क्रांतिकारियों को दी श्रद्धांजलि

कानपुर। नगर निगम मुख्यालय में सोमवार को कर्मचारी संयुक्त संघ ने शहीद शिरोमणी मातादीन व अमर शहीद गंगू बाबा का जन्मदिन मनाया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। यूनियन के महामंत्री हरीओम बाल्मीकि ने बताया कि1857 में पहली क्रान्ति की शुरूआत शहीद मातादीन ने की थी। उन्होने ही अंग्रेजी सिपाही मंगल पाण्डे को बताया था कि जिस कारतूस को लोग दांतो से खोल रहे है, वह गोवंश व सुअर की चर्बी से बना है। इसकी जानकारी होने पर मंगल पांडेय आन्दोलन में कूद गए थे और इस कारण अंग्रेजों ने सबसे पहली फांसी शहीद मातादीन को दी थी। वही, चमन खन्ना ने बताया कि कानपुर के मशहूर पहलवान गंगू बाबा ने 300 से अधिक अंग्रेजो को चुन्नी गंज में बने सूबेदार तालाब में मारा था। अंग्रेजो द्वारा पकड़े जाने पर उनको चुन्नीगंज में पेड़ से लटका कर फांसी दी गई।

सेंट्रल से स्वदेशी के बीच ट्रैक ढलाई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के कॉरिडोर-1 के बैलेंस सेक्शन कानपुर सेंट्रल - नौबस्ता के अंतर्गत लगभग 3 किमी लंबे अंडरग्राउंड सेक्शन सेंट्रल से स्वदेशी कॉटन मिल रैम्प की अप - लाइन टनल में रेल पटरी बिछाने और वेल्डिंग का कार्य पूरा होने के बाद अब ट्रैक स्लैब की ढलाई प्रक्रिया की शुरुआत कर दी गई। सेक्शन के अप-लाइन टनल में रेल (पटरी) बिछाने का कार्य अक्टूबर माह के अंत में शुरू किया गया था। इसके लिए स्वदेशी कॉटन मिल के निकट स्थित रैम्प से 18 मीटर लंबी रेल पटरियों एवं फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट को नीचे उतारकर वेल्डिंग प्रक्रिया की शुरुआत की गई थी। वेल्डिंग का कार्य पूरा होने के बाद इन रेल पटरियों के नीचे ट्रैक स्लैब की ढलाई का काम आरंभ कर दिया गया है। ट्रैक में डिरेलमेंट गार्ड एवं थर्ड रेल लगाने की व्यवस्था भी की जाएगी। यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने कहा, अप-लाइन टनल में रेल बिछाने और वेल्डिंग प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब ट्रैक की ढलाई होगी।

सेंट्रल से स्वदेशी कॉटन मिल रैम्प में पटरी बिछाने और वेल्डिंग का काम करते मेट्रो कर्मी।

मेट्रो ट्रैक की विशेषताएं

- कानपुर मेट्रो में ट्रेन परिचालन के लिए बैलास्ट-लेस (गिट्टी-रहित) ट्रैक प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है। इस प्रकार के ट्रैक में रखरखाव की आवश्यकता न्यूनतम होती है तथा इनका जीवन-चक्र भी लंबा होता है। ट्रैक की रेलें हेड-हार्डेड तकनीक से निर्मित हैं, जिनका उपयोग उच्च गति वाले फ्रेट कॉरिडोरों में भी किया जाता है।

उपकरण मिलने से दिव्यांग बच्चों को मिली 'उड़ान'

संवाददाता, बिल्हौर

- सहायक उपकरण पाकर बच्चों के चेहरों पर दिखी खुशी
- उपजिलाधिकारी और बीईओ ने किया आयोजन

अमृत विचार। बिल्हौर में सोमवार को खंड शिक्षा कार्यालय में समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत आयोजित विशेष कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों को निःशुल्क सहायक उपकरण वितरित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ उप जिलाधिकारी संजीव दीक्षित ने किया। उन्होंने बच्चों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप आधुनिक उपकरण सौंपे। निःशुल्क सहायक उपकरण पाकर दिव्यांग बच्चों के चेहरों पर खुशी देखी गई।

191 बच्चों को मिले सहायक उपकरण: कार्यक्रम में क्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत 191 दिव्यांग छात्रों को त्रिचक्रीय साइकिल, व्हीलचेयर, सीपी चेयर, रोलेटर, टीएलएम किट, ब्रेल किट और हियरिंग ऐड सहित कई उपकरण दिए गए। उपकरण पाकर बच्चों के चेहरों पर उत्साह और आत्मविश्वास झलक उठा।

दिव्यांग बच्चों के साथ मौजूद अधिकारी। अमृत विचार

खंड शिक्षा अधिकारी ने दी जानकारी

- कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का संचालन खंड शिक्षा अधिकारी रवि कुमार सिंह ने किया। उन्होंने बताया कि यह पहल दिव्यांग छात्रों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ने में बेहद सहायक साबित होगी। समग्र शिक्षा जिला समन्वयक डिंपल रानी ने अभियान के उद्देश्यों को विस्तार से समझाया और कहा कि इस प्रकार के सहयोग से बच्चों की सीखने की गति और बेहतर होती है।

शिक्षकों की टीम ने संभाली जिम्मेदारी

- इस अवसर पर स्पेशल एजुकेटर अनिल कुमार, संजय पांडेय, राकेश, जूलियट ने कार्यक्रम संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं अंकित किन्नौरी, धर्मेंद्र कटियार, प्रशांत, नियाज, ताहिर, शशांक किन्नौरी और पुष्पेंद्र यादव का भी कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष योगदान रहा। उपकरण पाकर बच्चे और उनके अभिभावक बेहद प्रसन्न नजर आए। उन्होंने कहा कि इससे बच्चों की दैनिक दिनचर्या और शिक्षा दोनों में सुधार आएगा। कार्यक्रम का समापन सभी बच्चों को शुभकामनाओं और उज्ज्वल भविष्य की कामनाओं के साथ किया गया। इस मौके पर कई लोग मौजूद रहे।

थाना ककवन को मिली नई जीप

बिल्हौर। थाना ककवन को विभाग की ओर से एक नई पुलिस जीप (पेट्रोलिंग वाहन) मिली है।

नई जीप मिलने से पुलिस को गश्त (पेट्रोलिंग) करने और आपातकालीन स्थितियों में तेजी से कार्रवाई करने में मदद मिलेगी। थाने को नई जीप मिलने से ककवन थाना क्षेत्र में अब पुलिस की उपस्थिति (विजिबिलिटी) अधिक बढ़ेगी, जिससे अपराधियों में भय व्याप्त होगा और अपराध नियंत्रण में सहायता मिलेगी। थाना प्रभारी जितेंद्र राजपूत ने बताया कि पेट्रोलिंग वाहन से पुलिसकर्मी दूर-दराज के इलाकों और कठिन रास्तों पर भी आसानी से गश्त कर पाएंगे, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी सुरक्षा का माहौल बनेगा।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

रैन बसेरों की व्यवस्थायें रखें दुरुस्त

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। कड़ाके की ठंड से बेघर और असहाय लोगों को बचाने के लिए स्थानीय प्रशासन हरकत में आ गया है। इसी क्रम में, बिल्हौर नगर पालिका क्षेत्र में सोमवार को अधिशासी अधिकारी (ईओ) अंजनी मिश्रा ने बिल्हौर स्थित रैन बसेरा (शेल्टर होम) का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने रैन बसेरे में उपलब्ध सुविधाओं और उनके रखरखाव का जायजा लिया।

ईओ अंजनी मिश्रा ने कर्मचारियों को हिदायत दी कि मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए सभी जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक आश्रय दिया जाए। उन्होंने कहा, रैन बसेरा सिर्फ एक भवन नहीं है, यह असहाय और बेघर लोगों के लिए जीवन रक्षक आश्रय है। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी इंतजाम दुरुस्त होने चाहिए।

रैन बसेरा की जांच पड़ताल करते ईओ अंजनी मिश्रा। अमृत विचार

ईओ अंजनी मिश्रा ने रैन बसेरे के निरीक्षण करते हुए बिस्तरों, गद्दों और कंबलों की साफ-सफाई और पर्याप्त संख्या की जांच की। साथ ही उन्होंने पीने के पानी की व्यवस्था शौचालय और स्नानघर को देखा और वहां पर गंदगी पाए जाने पर तत्काल सफाई के निर्देश दिए। साथ ही रात के समय किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए उन्होंने परिसर में प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों को दुरुस्त रखने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि रैन बसेरे में सभी कंबल व बिस्तर साफ-सुथरे हों और कंबलों की कमी न होने पाये। उन्होंने कहा कि रैन बसेरे में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति का नाम और पता अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाए, ताकि व्यवस्था में पारदर्शिता बनी रहे। उन्होंने निर्देश दिये कि अधिक सर्दी पड़ने की स्थिति में रैन बसेरे के बाहर अलाव जलाने की व्यवस्था की तैयारी शुरू कर दी जाए।

मनोरंजन

संत जेवियर्स स्कूल, नारामऊ में वार्षिकोत्सव का हुआ आयोजन

बच्चों ने नृत्य, नाटक और मार्शल आर्ट का किया प्रदर्शन

संवाददाता, बिठूर

अमृत विचार। मन्धना स्थित संत जेवियर्स स्कूल में बुधवार को बड़े ही धूमधाम से वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. लुइस मास्केरन्हास , विशिष्ट अतिथि राजेश साइमन व के.के एंथनी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में छात्रों ने रंगारंग प्रस्तुतियों से उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना और स्वागत गीत से हुई। इसके बाद विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने आकर्षक नृत्य की प्रस्तुतियां दीं, जिनकी सभी ने जमकर प्रशंसा की। छात्रों ने भारत की विविध सांस्कृतिक छटाओं को दर्शाती मनमोहक प्रस्तुतियां पेश कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सामाजिक मुद्दों पर आधारित नाटिका, शास्त्रीय और आधुनिक नृत्य, देशभक्ति गीत, योग व मार्शल आर्ट की प्रस्तुतियां समारोह की मुख्य आकर्षण रहीं।

वार्षिकोत्सव में नृत्य पेश करते बच्चे। अमृत विचार

- बच्चों ने अपनी प्रतिभा से बड़ों का मन मोहा
- महर्षि दयानंद बब्बूलाल इंटर कॉलेज में भी हुआ वार्षिक उत्सव

विद्यालय के प्रिंसिपल अनिल कुमार ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए वर्षभर की गतिविधियों एवं उपलब्धियों का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने अभिभावकों का आभार जताते हुए कहा कि छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास में अभिभावकों का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्य अतिथि ने भी विद्यालय की कार्यशैली की प्रशंसा की और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण करते कैबिनेट मंत्री राकेश सचान।

कार्यक्रम का संचालन अभिनव त्रिपाठी और सृष्टि कैथल द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में दिनेश प्रसाद, प्रतीक कुमार, ध्यानवती, ऋचा श्रीवास्तव, निशा, कृतिका,शिवम् कटियार, आरती शुक्ला समेत सभी शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

प्रतिभाशाली छात्रों को किया पुरस्कृत

- घाटमपुर। तहसील क्षेत्र के अंतर्गत महर्षि दयानंद बब्बूलाल इंटर कॉलेज एवं जूनियर हाई स्कूल उमरी में वार्षिक उत्सव एवं विद्यालय का स्थापना दिवस मनाया गया। इस मौके पर मुख्य अथिति के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान पहुंचे। उन्होंने विद्यालय के संस्थापक स्व .ओम प्रकाश आर्य व स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्र एवं छात्राओं को पुरस्कृत किया। इस दौरान श्री सचान ने कहा कि घाटमपुर के उमरी गांव का महर्षि दयानंद बब्बूलाल इंटर कॉलेज तहसील नहीं बल्कि जनपद कानपुर की शान हैं।

शिवराजपुर में शिवली मार्ग पर तीन दिन से पलटा पड़ा डंपर। अमृत विचार

डंपर पलटने से तीन दिन से जाम

शिवराजपुर। कस्बे के मुख्य व्यस्ततम शिवली मार्ग पर तीन दिन पूर्व गिट्टी लदा हुआ डंपर पलट गया था। इसे सोमवार तक नहीं हटाया गया, जिसके कारण पूरे दिन शिवराजपुर शिवली रोड पर भयंकर जाम लगता रहा। इस जाम से आने जाने वाले वाहनों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

शिवराजपुर शिवली मार्ग के किनारे लगभग 3 महीने से पानी निकासी के लिए नाले का निर्माण नगर पंचायत विभाग द्वारा कराया जा रहा है, जिसके कारण बराबर जाम की स्थिति बनी हुई है। अभी नाले का निर्माण कार्य चल रहा है। इसी के चलते वहां से निकल रहे एक गिट्टी लदे डंपर का पहिया धंस गया और पलट गया था। पहिया धंसने से नाला भी टूट गया। वहीं इस मामले में कस्बा वासियों अनिल, पप्पू ,गुड्डू ,विनोद राजू आदि का कहना है कि नाले का निर्माण मानक के अनुरूप मजबूत ढंग से नहीं किया गया है जिसके कारण डंपर पलट गया और नाला भी टूट गया है। लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अश्लीलता का विरोध करने पर कर्मचारी को पीटा

घाटमपुर। रेउना थाना क्षेत्र के गांव मदनपुर- बिच्छीपुर स्थित प्राचीन बाबा भूतेश्वर मंदिर प्रांगण में काम कर रही कुछ लड़कियों से मंदिर परिसर में पहुंचे दूसरे धर्म के युवकों ने अश्लीलता कर दी। इसपर उक्त लड़कियों ने वहां के व्यवस्थापक टेलर से उक्त युवकों की शिकायत की। इसका विरोध उक्त टेलर द्वारा किया गया है। इस पर इन लड़कों ने टेलर के साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

टेलर ने बताया कि कस्बा रेउना निवासी निजाम व उसका चचेरा भाई जो अक्सर मंदिर परिसर में आ कर लड़कियों से अश्लीलता करते रहते हैं। जब इसका मेरे द्वारा विरोध किया गया तो उन्होंने गाली गलौज व मारपीट की और जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। सूचना पर पहुंची रेउना पुलिस ने बताया कि जांच पड़ताल चालू कर आरोपी युवकों की तलाश की जा रही है।

कुमार के समोसे : 2 पैसे से लेकर 10 रुपये तक का सफर

सिनेमा प्रेमियों को शायद अब भी याद होगा... एक समय था जब शहर के तमाम सिनेमा हालों में इंटरवल के समय आवाज लगा करती थी-कुमार के समोसे, ले लो भाई कुमार के समोसे....आज वक्त बदल गया, सिनेमा हाल खामोश हैं, एक-एक कर लगभग सभी हाल बंद हो चुके हैं और वहां नए-नए व्यवसाय खुल गए हैं या खुलने की तैयारी में हैं। लेकिन कुमार के समोसे आज भी मौजूद हैं और जो इसके मुरीद हैं वह आज भी कुतुबखाना आते हैं तो समोसे खाए बिना नहीं रहते।

इन समोसों की यात्रा भी कम रोचक नहीं है। जगह वही, भट्टी वही और मसाले वही, लेकिन समोसों की यात्रा अभी भी अनवरत जारी है। इसके प्रेमी आज भी हैं। आज इस दुकान को तीसरी पीढ़ी के दीपक गुप्ता संभाल रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज से लगभग 70 साल पहले नंदूलाल गुप्ता ने तख्त और एक छोटी सी भट्टी के साथ दुकान खोली थी। 2 पैसे में एक समोसे के साथ यह लोगों की पसंद बना और आज 10 रुपये में एक समोसा हाथों-हाथ बिक रहा है। इस समोसे की खासियत यह है कि इसमें तीन तरह के मसाले इस्तेमाल होते हैं जिन्हें घर पर ही तैयार किया जाता है। आम नमक की जगह काले नमक का इस्तेमाल होता है जो इसे नया लुक देता है। इन मसालों का राज दीपक गुप्ता ने नहीं बताया लेकिन मसालों की शुद्धता की गारंटी जरूर दी।

सुबह करीब 11.30 से रात 8.30 तक आप यहां आकर समोसों का आनंद ले सकते हैं। दुकान आज भी कुमार सिनेमा परिसर में ही है और नंदूलाल गुप्ता के सपनों को उनकी यह पीढ़ी बखूबी संभाल रही है। यहां यह बताना जरूरी है कि एक समय दुकान पर इतनी भीड़ रहती थी कि लोगों को समोसों के लिए लाइन लगानी पड़ती थी। तंग गलियों में मौजूद जगत सिनेमा और हिंद सिनेमा तक कुमार के समोसे बेचे जाते थे। लोग इंटरवल के समय कुमार के समोसों का इंतजार करते थे। बड़ी सी भट्टी पर बढ़ी सी कढ़ाई चढ़ी रहती थी और समोसे लगातार सिकते रहते थे। भट्टी आज भी वही है और समोसे आज भी लगातार सिकते रहते हैं। समय का चक्र बदला लेकिन आज भी लोग कुमार के समोसों के मुरीद हैं और थैलियां भर-भर कर घर भी ले जाते हैं। अगर आप भी इन समोसों का आनंद लेना चाहते हैं तो आपको भी कोतवाली के पास कुमार सिनेमा तक आना होगा।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अजंता स्वीट्स:1986 से अब तक एक ही स्वाद

बरेली शहर अपने पारंपरिक व्यंजनों की समृद्ध विरासत को संजोए हुए है, साथ ही आधुनिक खान-पान के तौर-तरीकों को भी खुले हाथों अपना रहा है। बरेली की गलियों में आज भी वही पुरानी खुशबू मिलती हैं, जो पीढ़ियों से लोगों को अपनी ओर खींचती रही हैं। बड़ा बाज़ार और जनरलगंज की गलियों में मिलने वाली चटपटी चाट, आलू टिक्की और पानी-पूरी का मज़ा लेने के लिए शाम होते ही भीड़ उमड़ पड़ती है। परंपरा की बात आती है तो यहाँ के कबाब सिर्फ एक व्यंजन नहीं, बल्कि मुगलई और अवधी व्यंजनों की सदियों पुरानी विरासत का हिस्सा हैं। बरेली के पारंपरिक कबाब अपनी अनूठी खुशबू, मसालों के संतुलन के लिए जाने जाते हैं। इसके साथ साथ युवा वर्ग की पसंद ने अपनी अलग पहचान बनायी है। युवाओं को लुभाने के लिए बरेली में कई नए और ट्रेंडी रेस्तरां और कैफे खुल गए हैं। डोमिनोज, पिज्जा हट और केएफसी जैसे बड़े फास्ट-फूड चेन ने शहर में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। पाम बिस्ट्रो, क्वालिटी रेस्टोरेंट, पिंड बलूची, कासा डिवाइन, कार्विंग 24X 7 जैसे नए रेस्टोरेंट युवा वर्ग की पसंद बन रहे हैं।

अजंता स्वीट्स, बस नाम ही काफी है। 1986 में राम अवतार आहूजा ने एक बड़ा सपना लेकर शहामतगंज के कालीबाड़ी रोड पर पुलिस चौकी के सामने छोटी सी दुकान खोली थी। उस वक्त उन्हें भी इसका अंदाजा नहीं रहा होगा कि आगे चलकर इसकी जड़ें इतनी गहरी हो जायेंगी कि मिठाइयों की दुनिया में इसकी ख्याति चारों ओर फैल जायेगी। आज यह शहर ही नहीं बल्कि देशभर में एक जाना पहचाना नाम है। शुरु में यह बेकिंग उद्योग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। आज यह दुकान अपनी स्वादिष्ट मिठाइयों और बेकरी उत्पादों के लिए जानी जाती है। राम अवतार आहूजा के बेटे अमित आहूजा से आज विकास भवन के सामने रामपुर गार्डन में उनकी आलीशान दुकान में मुलाकात हुई। उन्होंने बताया कि छोटे स्तर से काम शुरु करते वक्त उनके पिता को कई साल तक संघर्ष करना पड़ा। लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और आज इसी का फल है जो अजंता स्वीट्स लोगों में अपनी पहचान बना चुका है। उनका कहना है कि अगर लक्ष्य साफ हो और उसमें मजबूत इच्छा शक्ति हो तो राह आसान होती चली जाती है। इसी का नतीजा है जो आज यह करोड़ों के सालाना टर्नओवर के साथ अजंता स्वीट्स से इंड्स अजंता प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बन चुकी है।

अमित ने बताया कि अजंता स्वीट्स के आउटलेट लखनऊ और रामपुर में भी हैं। इसके अलावा पीलीभीत व पूरनपुर में फ्रेंचाइजी के साथ ही बरेली में 15 विभिन्न जगहों पर आमजन की पहुंच अजंता स्वीट्स तक है। इसकी मदर यूनिट आज भी शहामतगंज वाली ही है। रामपुर और लखनऊ के अलावा बरेली में इसके तीन आउटलेट हैं। उन्होंने बताया कि हम गुणवत्ता और शुद्धता का पूरा ध्यान रखते हैं। शहर में मिठाइयों आदि की आपूर्ति के लिए हमने एक बेस किचन डोहरा रोड पर स्थापित किया है। यहीं से सभी जगह मिठाइयां और नमकीन की आपूर्ति की जाती है।

अमित आहूजा ने जब से कंपनी की बागडोर संभाली है वह इसे नई उंचाइयों की ओर ले जाने को नित नई सोच के साथ प्रयास करते रहते हैं। अजंता की सबसे प्रसिद्ध मिठाइयों में देसी घी की सोन पापड़ी और बेसन की बनी पतीसा सोन पापड़ी है। इसकी काफी डिमांड रहती है। नमकीन में हींग वाली देसी घी से बनी काजू दालमोंठ भी लोगों की पसंद बन चुकी है। स्थानीय स्तर पर जमेटो से आप इन्हें घर पर भी मंगा सकते हैं। आनलाइन मंगाने के लिए कंपनी ने अमेजन से टाईअप किया है। अजंता के दो लोकप्रिय आइटम और हैं इनमें से एक जूली नाम की बंगाली मिठाई तो दूसरी गुजराती डिस ढोकला है। बेकरी और कन्फेक्शनरी में भी अजंता के पास ढेरों उत्पाद हैं। अब तो अजंता ने कई जगह चाट कार्नर भी खोल लिए हैं।

अजंता स्वीट्स की दुकान में सबसे कम रेट वाली मिठाई पेठा है जो 340 रुपये प्रति किलो में उपलब्ध है। यहां की सबसे महंगी मिठाई पिस्ते वाली लौज है जो 4500 रुपये प्रति किलो में उपलब्ध है। इसका स्वाद लाजवाब है। नार्मल मिठाई मिक्स में 640 रुपये प्रति किलो आप खरीद सकते हैं। दुकान पर कई प्लेवर की आइसक्रीम का भी आप आनंद ले सकते हैं। गिफ्ट पैक भी यहां उपलब्ध हैं। अजंता स्वीट्स पर अभिनेता विक्रम कोचर, आयुष्मान खुराना के भाई अपार शक्ति खुराना और कुमुद मिश्रा भी आ चुकी हैं। कुल मिलाकर अजंता स्वीट्स का सफर अभी जारी है और इनके मौजूदा के डायरेक्टर अमित आहूजा इसकी पहचान पूरे देश और विदेश में भी पहुंचाने की मंशा के साथ काम कर रहे हैं।

दीनानाथ की कुल्हड़ वाली लस्सी

दूध-दही नहीं, सीधे लस्सी और वह भी दीनानाथ की। आप नावल्टी आएं और दीनानाथ की लस्सी का स्वाद न लें यह तो हो नहीं सकता। 1962 में स्थापित यह ठिकाना नॉवल्टी चौराहा, सिविल लाइंस में पुराने बस अड्डे के पास है और अपनी पारंपरिक लस्सी के लिए जाना जाता है। दुकान में कई प्रकार की लस्सी हमेशा उपलब्ध रहती है। इसमें सादा और स्पेशल लस्सी तक शामिल हैं। अब तो यहां शुगर-फ्री लस्सी तक उपलब्ध है। इसकी शुरुआत 1962 में दीनानाथ जायसवाल ने की थी और अब यह तीसरी पीढ़ी द्वारा चलाया जा रहा है। लाजवाब लस्सी को दूध से दही जमाकर, चीनी और चिरौंजी के साथ फेंटकर और फिर ड्राई फ्रूट्स के साथ कुल्हड़ में परोसा जाता है।

बरेली के अलावा, आसपास के शहरों और यहां तक कि उत्तराखंड से भी लोग भी जब भी बरेली आते हैं इस दुकान पर इसकी लस्सी पीने आते हैं। आप यहां सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक लस्सी का आनंद ले सकते हैं। यहां तीन वैरायटी की लस्सी मिलती है, जिसमें साधारण लस्सी 50 की, नमकीन लस्सी 60 और स्पेशल लस्सी 70 रुपये की मिलती है, जिसे लोग काफी पसंद करते हैं

ये दुकान लगभग 63 साल पुरानी है। वर्तमान में दुकान के मालिक तीसरी पीढ़ी के निशांत जायसवाल ने बताया कि उनसे पहले उनके पिताजी और दादा दुकान संचालित करते थे। लगातार तीन पीढ़ियों से दीनानाथ की मशहूर लस्सी अपने ग्राहकों को लुभा रही है। निशांत का कहना है कि लस्सी को बनाते समय दूध से लेकर ड्राई फ्रूट तक सभी चीजें अच्छी क्वालिटी की इस्तेमाल होती हैं। इस दुकान को चलाने में निशांत जायसवाल के साथ ही इनके ताऊ के बेटे आशु और चाचा का बेटा प्रियांशु जायसवाल भी पूरे मनोयोग से जुटे रहते हैं। निशांत के दादा ने जब यह दुकान खोली थी तो उस समय यह पांच रुपये में उपलब्ध रहती थी।

चटपटी चाट का ठिकाना चमन चाट भंडार

अगर आप चटपटी चाट के शौकीन हैं और तरह-तरह की चाट का मजा लेना चाहते हैं तो पहुंच जाएं चमन चाट भंडार पर। सिविल लाइंस में हनुमान मंदिर के सामने यह वही जगह है जो आज भी अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की पसंदीदा चाट की दुकान बनी हुई है। प्रियंका जब कभी भी बरेली आती हैं तो यहां चाट का मजा लेने जरूर आती हैं। यह दुकान कई तरह की स्वादिष्ट चाट के लिए मशहूर है, जो घर के बने मसालों से तैयार की जाती हैं। आज यह सिर्फ एक ठेला नहीं, बल्कि सुरमे और झुमके की तरह बरेली की पहचान बन चुका है। इसे जमैटो पर ऑनलाइन ऑर्डर कर भी मंगाया जा सकता है। रोजाना करीब 3 बजे से लेकर रात 11 बजे तक यह काउंटर खुला रहता है।

चमन चाट भंडार सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बना हुआ है। शाम के समय यहां अपनी बारी के लिए चाट के शौकीनों को लंबी कतारें लगानी पड़ी है। इस दुकान पर चाट के अलावा आलू की टिक्की, पापड़ी चाट, भल्ला पापड़ी, चाउमीन, बर्गर, पाव भाजी, दही भल्ला, भल्ला पपड़ी और आटे व सूजी के गोलगप्पे जैसी कई प्रकार की चाट मिलती हैं। चाइनीज़ फ्यूजन जैसे आलू बर्गर और चाऊमीन भी आकर्षण का केंद्र है।

वर्तमान में जितेन्द्र तलवाड़ और विशाल तलवाड़ की पिता-पुत्र की जोड़ी चमन चाट भंडार के कर्ता-धर्ता हैं। जितेन्द्र तलवाड़ ने बताया कि उनके पिता चमन लाल तलवाड़ ने 1960 में एक छोटे से ठेले पर इसकी शुरुआत की थी। उस वक्त उन्हें अंदाजा नहीं था कि आज उनकी यह छोटी सी ठेली शहर ही नहीं बल्कि बाहर से आने वाले लोगों के जुबान पर चढ़कर बोलने लगेगी। शुरू में वह कुमार सिनेमा के पास ठेला लगाते थे। समय बदला और शहर में भीड़ बढने के साथ ही चाट के शौकीन भी बढ़ने लगे तो 1970 में उन्होंने हनुमान मंदिर के सामने नया ठिकाना बना लिया। इसके साथ ही चाट की वैरायटी भी बढ़ने लगी। आज हालत यह है कि चाहे कितनी भीड़ हो चमन चाट भंडार से कोई ग्राहक खाली नहीं लौट सकता। यहां 20 रुपये से लेकर 80 रुपये तक की चाट का स्वाद आप ले सकते हैं।

चौरसिया पान भंडार

अगर आप बरेली में रहते हैं और कुतुबखाना जाते वक्त सिविल लाइंस में चौरसिया पान भंडार से पान का स्वाद नहीं लेते हैं तो आप भूल कर रहे हैं। गुणवत्तापूर्ण सामग्री और स्वादिष्ट स्वाद के लिए प्रतिबद्ध यह ठिकाना पान के शौकीनों के लिए एक ऐसी जगह है जहां दिल को एक ठंडक सी मिलती है। यह स्थान सिविल लाइंस में स्थित एक प्रसिद्ध और 55 साल पुराना पान भंडार है, जो अपने अनोखे स्वाद वाले पान और वर्तमान में स्ट्रीट फूड के लिए भी जाना जाता है। यह अपनी पारंपरिक सामग्री, स्वादिष्ट स्वाद और ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवा देने के लिए प्रसिद्ध है। यहां कई प्रकार के पान मिलते हैं, जिनमें चॉकलेट पान, बटरस्कॉच पान, मीठा पान, तम्बाकू पान और फायर पान जैसी कई वैरायटी उपलब्ध हैं। यहां आप दोपहर 12 बजे से लेकर रात एक बजे तक पान का आनंद ले सकते हैं।

वर्तमान में इस पान भंडार को चला रहे राकेश चौरसिया उर्फ गुड्डे भाई ने बताया कि आज से करीब 55 वर्ष पहले उनके पिता मुन्ना लाल चौरसिया ने 1971 में इसकी नींव रखी थी। शुरुआत में यहां 25 से लेकर 50 पैसे तक में लोग पान का आनंद लेते थे।

तोलाराम की मशहूर मटका कुल्फी

कभी बांस बरेली के नाम से मशहूर अपना बरेली आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है। झुमका और सुरमा वाली बरेली आज की तारीख में देश के बड़े-बड़े शहरों की कतार में खड़ी है। कुल 4120 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैले बरेली की अपनी अलग पहचान है। चाहें कोई भी क्षेत्र हो बरेली के लोगों ने अपनी अलग छाप छोड़ी है। यहां का रहन-सहन और खान-पान भी किसी से कम नहीं है। पुराने और नए खान-पान को लेकर बरेली ने लोगों के दिलों में अपनी खास जगह बना ली है। बरेली के किसी न किसी कोने में सुबह से लेकर रात तक आप खान-पान की विशेष चोजों का आनंद ले सकते हैं।

बात शहर की हो तो कोतवाली के सामने ही तोलाराम की मटका कुल्फी के स्वाद को तो हजारों ही नहीं लाखों लोग जानते ही होंगे। तोलाराम की फालूदा कुल्फी का तो कोई जवाब नहीं है। सिविल लाइंस कोतवाली के सामने स्थित तोलाराम कुल्फी की दुकान वर्ष 1950 में, वर्तमान में इसे संचालित कर रहे तीसरी पीढ़ी के जवाहर लाल तनेजा के दादा तोलाराम जी ने भविष्य के बड़े सपनों के साथ खोली थी। उन्होंने अपनी देखरेख में दूध, मेवा और चीनी को मिलाकर शुद्ध मटका कुल्फी बनाना शुरू किया था।

पहचान बन चुकी अंग्रेजों के समय की फर्न्स बेकरी

सिविल लाइन्स इलाके में बलवंत सिंह मोटर मार्ग पर अंग्रेजों के जमाने की फर्न्स बेकरी किसी पहचान की मोहताज नहीं है। बेकरी की शुरुआत आजादी से पहले एक अंग्रेज फर्नान्डीज ने अपनी बेटी फर्न्स फर्नान्डीज के नाम से की थी। बताया गया कि 90 साल की हो चुकीं फर्न्स आज भी जीवित हैं और लंदन में कहीं रह रही हैं। 1950 तक कोई ईसाई फैमली इस बेकरी को चला रही थी। बाद में केयरटेकर को सौंप यह फैमली भी लंदन चली गई। समय गुजरा और अब खां फैमली के हाथों यह बेकरी है।

मौजूदा समय में चार भाई जाहिद अली खां, मुशाहिद उर्फ दिलशाद, शाहबाज और फरात इस बेकरी के कर्ताधर्ता हैं। बड़े भाई जाहिद अली ने बताया कि उनके पिता मुबारक अली खां और ताऊ मोहम्मद अली ने 1972 में इस बेकरी को खरीद एक नई शुरुआत की और बेकरी नाम फर्न्स बेकरी ही रखा। फर्न्स बेकरी में आज आप कई वैरायटी की पेस्टी और पेटीज का आनंद ले सकते हैं। पेस्टी में चाकलेट-बटर पेस्टी काफी लोकप्रिय है जो 30 रुपये प्रति पीस में उपलब्ध है। पाइन एप्पल और ब्लैक फारेस्ट पेस्टी के ग्राहक भी बहुत हैं। इसके अलावा चिकन, वेज और पनीर से भरी पेस्टी की भी काफी डिमांड रहती है। आलू भरी पेटीज 20 रुपये प्रति पीस में आप ले सकते हैं। जाहिद अली का कहना है कि उनके यहां बनने वाले सारे आइटम फ्रेस क्रीम से ही बनते हैं।

किप्स स्वीट्स: तख्त से आलीशान दुकान तक

किप्स ऑन द लिप्स

लोकप्रिय मिठाइयां

बरेली की बर्फी, मूंग की दाल और घी से बनी रसभरी, ड्राईफ्रूट्स वाले लड्डू खोये से बने और चाशनी में डूबे गुलाब जामुन, मोतीचूर लड्डू, सोहन पापड़ी और विभिन्न प्रकार के खोया और छेना से बनी मिठाइयां। इनके अलावा, किप्स कई अन्य प्रकार की मिठाइयां भी बेचता है जैसे बालूशाही, डोडा बर्फी, खीर कदम, और बेसन लड्डू। किप्स की मिठाइयों की लोकप्रियता इतनी है कि विदेशों तक से लोग आनलाइन आर्डर करके मंगाते हैं।

एक तख्त से शुरु हुआ किप्स स्वीट्स का सफर किसी परीकथा से कम नहीं है। आज के संदर्भ में देखें तो इनका स्लोगन-किप्स आन द लिप्स अपने नाम को सार्थक करते हुए देश-विदेश में एक पहचान बना चुका है। आज किप्स की मिठाई बरेली में एक पहचान है जो अपनी पारंपरिक मिठाइयों के लिए जाना जाता है। इनकी सबसे प्रसिद्ध मिठाई बरेली की बर्फी है जो मुलायम बनावट और भरपूर स्वाद के लिए जानी जाती है। इनके अन्य लोकप्रिय उत्पादों में काजू बर्फी, रसभरी, ड्राई फ्रूट लड्डू, और सोहन पापड़ी आदि शामिल हैं। मक्खन समोसा तो इनका इतना लाजवाब है कि देखते ही मन खाने को ललचा जाए। बेहतर स्वाद और शुद्धता वाला काजू दालमोठ का पैकेट तो इनका खास है जिसके लोग दीवाने हैं।

सुरमे और झुमके की तरह ही किप्स की मिठाई भी आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है। 1972 में तख्त पर एक छोटी सी दुकान से इसकी शुरुआत देवेन्द्र खंडेलवाल ने की थी। यह अब बरेली ही नहीं देशभर में एक प्रसिद्ध मिठाई की दुकान के रूप में विकसित हो गई है। विदेशों में भी जो लोग यहां से जाकर बस गए हैं वह भी यदा-कदा मिठाइयां मंगाते रहते हैं या फिर कभी बरेली आते हैं तो ढेर सारी मिठाइयां ले जाते हैं। किप्स के आउटलेट माडल टाउन और राजेन्द्रनगर में भी हैं। वर्तमान में सिर्फ बरेली की जनता के लिए ही नहीं बल्कि बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा, परिणीति चोपड़ा, दिशा पाटनी समेत कई बड़े-बड़े कलाकार और राजनेताओं के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यहां के स्पेशल ड्राईफ्रूट्स लड्डू मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी काफी पसंद हैं। उनके लिए हर माह या विशेष अवसरों पर ड्राईफ्रूट्स लड्डू भेजे जाते हैं। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी भी किप्स की मिठाइयों के मुरीद रहे हैं। वर्तमान में प्रसाद सिनेमा के सामने स्थित किप्स स्वीट शॉप के संचालक राहुल खंडेलवाल के अनुसार यहां प्रत्येक दिन सभी मिठाइयां ताजी मिलती हैं। इन मिठाइयों को बनाने के लिए बेहतर क्वालिटी का सामान प्रयोग किया जाता है। अपने ग्राहकों को वह शुद्ध उत्पाद देने में विश्वास करते हैं, जिससे उनका भरोसा हम पर इसी प्रकार बना आ रहा है। राहुल खंडेलवाल ने बताया कि अभी दिसंबर में पूर्व कंट्रीय मंत्री और वर्तमान में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार के बेटे की शादी होनी है लेकिन मिठाइयों के आर्डर अभी से मिलने लगे हैं।

कुछ खास है त्यागी रेस्टोरेंट की कचौड़ी वाली थाली

अगर आप कचौड़ी खाने के शौकीन हैं और कुतुबखाना पहुंचकर नावल्टी चौराहा के पास पुराने बस अड्डे की तरफ मुड़ते हैं तो अचानक कचौड़ी की खुशबू आपको अनायस त्यागी रेस्टोरेंट में जाने के लिए मजबूर कर सकती है। यह दुकान करीब 61वर्षों से संचालित हो रही है। इसकी शुरुआत 1964 में वीके शर्मा ने की थी। उनके बाद वीके त्यागी ने इसकी कमान संभाली। वर्तमान में त्यागी परिवार के एक करीबी रिश्तेदार इसे चला रहे हैं। त्यागी रेस्टोरेंट में चार कचौड़ी, कद्दू की सब्जी, छोले की सब्जी, आलू टमाटर की सब्जी और अचार के साथ आप भरपेट भोजन का आनंद ले सकते हैं। आप घर बैठे स्विगी के माध्यम से भी आर्डर कर खाद्य सामग्री मंगा सकते हैं।

इसका मैन्यू पुराना है जो आज तक चला आ रहा है। आलू की सब्जी जरूर चटपटी है लेकिन कद्दू की सब्जी मीठी मिलेगी जिसे यहां बड़े चाव से खाया जाता है। सब कुछ गरमा-गरम और ताजा मिलेगा। वर्तमान में अब इस रेस्टोरेंट के बगल में छोले-भटूरे और छोले समोसे का भी आनंद लिया जा सकता है। पूरा त्यागी परिवार इन दोनों सिस्टम को चला रहा है. उनका कहना है कि 12 महीने हमारा स्वाद आपको एक जैसा ही मिलेगा।

प्रस्तुति-एल.एस. भंडारी, अनिल पटेल

अमृत विचार

मंगलवार, 2 दिसंबर 2025

ज्ञान वह हथियार है जो हारने वाले को विजेता बनाता है। एक व्यक्ति को जीवन भर कुछ न कुछ सीखते रहना चाहिए।
–चाणक्य, राजनीतिज्ञ

चाहिए समग्र समाधान

उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की समय-सीमा को निर्वाचन आयोग द्वारा एक सप्ताह बढ़ा दिया जाना केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि उस दबाव की स्वीकारोक्ति भी है, जो इस अत्यंत विस्तृत प्रक्रिया पर शुरू से ही साफ दिख रहा था। मतदाता सूची पुनरीक्षण अपने आप में एक विशाल अभियान है। हर घर जा कर सत्यापन, नए मतदाताओं का पंजीकरण, मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं का विलोपन और त्रुटियों का सुधार, जिसके लिए समय और संसाधनों की पर्याप्त आवश्यकता होती है। ऐसे में समय वृद्धि का यह निर्णय पूरे अभियान की गति, विश्वसनीयता और पारदर्शिता पर प्रत्यक्ष प्रभाव डालने वाला है। निर्वाचन आयोग की यह स्वीकारोक्ति कि कम समय सीमा जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं, बीएलओ और अधिकारियों के लिए भारी समस्या पैदा कर रही थी, अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यह बात समझना कठिन नहीं कि उत्तर प्रदेश जैसा जनसंख्या और भौगोलिक विस्तार वाला राज्य किसी भी राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए एक अलग कार्ययोजना और अपेक्षाकृत अधिक समय की मांग करता है। ऐसे में प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आयोग को यह पूर्वानुमान पहले क्यों नहीं था? क्या यह अदूरदर्शिता नहीं कही जाएगी कि इतनी बड़ी प्रक्रिया को शुरू से ही सीमित समय में बांधा गया और फिर दबाव बढ़ने पर पुनः संशोधन की जरूरत पड़ गई? समय वृद्धि का सबसे बड़ा लाभ निःसंदेह बीएलओ और आम मतदाताओं को मिलेगा। बीएलओ पर वर्षों से काम का अतिरिक्त बोझ, अपर्याप्त प्रशिक्षण तथा जटिल एसआईआर रिपोर्टिंग की बाध्यता लगातार मानसिक और शारीरिक तनाव बढ़ाती रही है। मुरादाबाद में एक बीएलओ की दुखद मृत्यु और विपक्ष के इस आरोप कि भारी दबाव के चलते 20 बीएलओ अब तक आत्महत्या कर चुके हैं, एक गंभीर चेतावनी है। इस स्थिति में निर्वाचन आयोग को केवल खंडन या औपचारिक बयान भर नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर कठोर सुधारात्मक कार्रवाई करनी चाहिए। कार्यभार का संतुलित बंटवारा, तर्क संगत डेडलाइन, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां तथा मनोवैज्ञानिक सहायता जैसे कदम अत्यंत आवश्यक हैं।

आज भी मतदाता सूची में संशोधन अथवा नए मतदाता के रूप में पंजीकरण करना, कागजी फॉर्म हो या ऑनलाइन प्रक्रिया- आम लोगों के लिए चुनौतीपूर्ण है। देश में आधार, पैन, पासपोर्ट और बैंकिंग जैसी सेवाओं का व्यापक डिजिटलीकरण हो चुकने के बाद निर्वाचन आयोग अगर इन नियामक संस्थाओं के डाटा का प्रामाणिक उपयोग कर एक सरल, एकीकृत सत्यापन प्रणाली विकसित करता, तो मतदाता पंजीकरण न केवल सहज होता, बल्कि पुनरीक्षण प्रक्रिया भी अधिक कुशल और लगभग त्रुटिरहित बन सकती थी। फिलहाल केवल एक सप्ताह की समयवृद्धि से यह उम्मीद कि यह प्रक्रिया पूरी तरह सटीक और त्रुटिरहित हो जाएगी, व्यावहारिक नहीं। इससे इतना भर होगा कि कार्यकर्ताओं पर तात्कालिक दबाव घटेगा और कुछ हद तक गुणवत्ता में सुधार संभव है। बीएलओ की आत्महत्याओं पर रोक के लिए केवल समय बढ़ाना पर्याप्त नहीं, कार्यप्रणाली की समग्र समीक्षा और मानवीय दृष्टिकोण से बदलाव आवश्यक है।

प्रसंगवश

मौसम का पूर्वाकलन व नैतिकता का सवाल

इस बार बहुत ज्यादा सर्दी पड़ने वाली है, ऐसी खबरें मीडिया-सोशल मीडिया पर तैर रही हैं। गलत सूचनाओं से न सिर्फ लोगों का जीवन बल्कि इससे बाजार भी प्रभावित होता है। आने वाला मौसम कैसा होगा, इसकी सटीक भविष्यवाणी कर पाना इतना आसान नहीं है। ला-नीना फिनॉमीना का विगत का प्रीडिक्शन चार्ट और इसके बाद का घटनाक्रम देखने से मालूम होता है कि इसमें भविष्याकलन के बाद असली प्रभाव तीन-चौथाई या मिश्रित रहा है, जिसमें इलाका अथवा प्रभावित क्षेत्र बदल गया। प्रीडिक्शन के बारे में बताने के लिए एथिकल गाइडलाइन्स का ध्यान रखना जरूरी है। इसके पश्चात-प्रभावों पर किसी की नज़र नहीं पड़ती।

इस बार भीषण शीत रहेगी या नहीं रहेगी, यह जो जनवरी महीना

रनबीर सिंह
विज्ञान लेखक

बताएगा, जिसमें अभी एक महीने बाद का समय है। जो होगा वह 15 दिसंबर 2025 से 15 जनवरी 2026 के बीच मालूम हो जाएगा। हिमालय और इससे परे सुदूर उत्तर में रूस और चीन के इलाकों, हिमालय के हिमाच्छादित क्षेत्रों और भारत के मैदानी इलाकों के मौसम संबंधी असली आंकड़े देखने के बाद भारत में ला-नीना के असर के प्रकट होने के बाद ही इस बारे में कुछ कहना उचित होगा।

अभी से कह देना कि इस बार बहुत सर्दी पड़ेगी, उचित नहीं है। इस बार की सर्दी की ऋतु में कड़ाके की ठंढ होने या असल में हाड़ कंपाने वाली सर्दी पड़ने और नॉर्दन मोस्ट लैटिट्युड्स में इसके असर के बारे में ताज़ा वेदर रिपोर्ट्स का इंतजार करना नैतिकता का तकाज़ा है। मौसम के अल्पकालीन मिजाज़ के बारे में एक आकलन के बारे में कह देना काफी नहीं है, बल्कि वह एकदम से सत्य जैसा नहीं दिखना चाहिए बल्कि संभावना जैसा होना चाहिए। मास-मीडिया में सामान्य संभावना को बढ़ा-चढ़ा कर, अलंकारयुक्त शब्दों का प्रयोग करते हुए भय और रोमांच पैदा करना एक खबरनुमा टेक्स्ट को कथा-कहानी बना देता है। ब्लो-अप करने के प्रयास की इकॉनोमिक और सोशल कॉस्ट बहुत होती है। एथिक्स का उल्लंघन नहीं करना चाहिए।

मौसम के बारे में विदेश से आई सूचना को आधार बना कर वस्तुस्थिति को जस का तस भारतीय मीडिया में चस्पा करना उचित नहीं है, बल्कि लोकल एक्सपर्ट्स और साइंटिस्ट्स से जान लेना जरूरी होता है। खेद है कि ऐसी ख़बरों के बारे में भारत का मौसम विज्ञान विभाग कोई टिप्पणी डिफेमेशन से बचने के लिए नहीं करता। उनकी अपनी वेबसाइट पर भी विदेशी जानकारी चस्पा रहती है, जिस पर उनकी कोई टिप्पणी नहीं होती।

ला-नीना के बारे में जानकारी को कुछ-कुछ देर बाद अप-डेट किया जाता है, जिससे मध्य और पश्चिमी प्रशांत महासागर और तापमान और इसके ऊपर के मौसम के मिजाज़ पर 24X7 निगरानी की जा रही है। सतत् निगरानी से ही मालूम होता है कि हालात बुरे या सामान्य हो सकते हैं। विदेश की खबर में, जिसे अनेक भारतीय चैनल्स ने उठाया है कि ऊपर की हवा मे 'रिवर्स गीयर' लग गया है, वह पहले भी अनेक बार लग चुका है। पृथ्वी की सतह से ऊपर होने वाली एक विशाल मशीनरी का यह नियमित व्यवहार है, जिसमें पोलर एयर करेंन्ट्स के भूमध्य रेखा के ऊपर उमड़ना-घुमड़ना एक सामान्य चर्या होती है। अमेरिका संचालित नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के आंकड़ों के अनुसार, जिसे भारत मौसम विभाग का अनुमोदन भी प्राप्त है, हवाएं पश्चिमी से पूर्वी दिशा में तेजी से उलट रही हैं, जो सामान्य से दो-तीन महीना पहले हो रहा है। खासतौर से इसकी वजह से ला-नीना भी प्रभावित होगा।

खर्चीली शादियां दिखावे की आखिर इंतेहा क्या है!

अनिल त्रिगुणायत
लखनऊ

समय के साथ सामाजिक परिवर्तन एक निरंतर प्रक्रिया है। जो कल था वह अतीत। जो आज है वह समयानुकूल और संभावित कल ही भविष्य। परिवार, कुनबा, समुदाय व समाज की सोच में समयानुरूप बदलाव समीचीन भी। समुचित आय व धन प्रवाह ने बाजार की रूपरेखा भी परिवर्तित कर दी है, लेकिन भारतीय बाजार का अवलंब की मान्यता वाला मध्यम वर्ग जीवन के कुछ उद्देश्यों से कदाचित भटक सा गया है। नई पीढ़ी जिसने दिखावे को अपना 'जीवन दर्शन' मान लिया है। विशेषतया खर्चीली शादियों को, जो 'अंतहीन होड़' की ओर चल पड़ी है।

विवाह हमारी संस्कृति का अतिआवश्यक संस्कार माना जाता है, लेकिन वर्तमान में होने वाले शादी-विवाह एक संस्कार न होकर 'सेलिब्रेशन व फैशन' की भेंट चढ़ता दिख रहा है। वैवाहिक आयोजन आज पूर्णतया बाजारवाद की गिरफ्त में आ चुका है। टीवी सीरियल और सोशल माडिया के 'रील्स' में दिखाए जाने वाले वैवाहिक 'चोंचलेबाजी' आज अधिकांश घरों में देखने को मिल रही है। विवाह की रस्मों अर्थात हल्दी, मेहंदी, संगीत, जयमाला, सप्तपदी, फेरे व सिंदूर-दान आधुनिक दिखावे की भेंट चढ़ चुके हैं। ऐसे नितांत पारिवारिक आयोजनों को बाजार ने एक बड़ा इवेंट बना दिया है। वैवाहिक बंधन में बंधने के पूर्व प्री-वेडिंग व डेस्टिनेशन वेडिंग के नाम पर अंधाधुंध खर्च किया जाने लगा है। नृत्य-संगीत, महंगे ड्रेसेज, नाना प्रकार के व्यंजनों वाले लंच-डिनर और उपहारों के आदान-प्रदान से मध्यम वर्ग के 'पांव चादर से बाहर' हो रहे हैं।

समाज में दिखावे का जज्बा यह कि संबंधित परिवार कर्ज लेकर हैसियत से अधिक खर्च कर रहे हैं। अधिकांश गार्जियन तो अपने जीवन की पूरी जमा-पूंजी शादी के दिखावे में 'हवन' कर दे रहे हैं। दिखावटी विवाहोपरांत इस वर्ग में पारिवारिक कलह, बिखराव व भांति-भांति की परेशानियां घर कर जा रही हैं। कई परिवार तो कर्ज के दलदल में ऐसे धंस रहे, जहां से वे जीवनपर्यंत नहीं निकल पा रहे हैं। प्रतिष्ठा का प्रतीक बनती दिखावे वाली शादियां समाज के लिए 'नासूर' बनती जा रही हैं। सोशल मीडिया पर ट्रेंड करते वैवाहिक वीडियोज तो आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। ऐसा केवल शहरों में ही नहीं हो रहा, बल्कि अब गांवों में भी देखने को मिल रहा है।

स्मरण करें, 1970 के दशक की शादियां प्रायः परंपरागत ही होती थीं। उस दौर की शादियां आपसी प्रेम व सादगी का पर्याय मानी जाती थीं। शहरों में न तो रिसार्ट होते थे, न ही अनगिनत मैरेज हाल। अधिकांश वैवाहिक कार्यक्रम वधू पक्ष के घरों में या उसके आसपास टेंट लगाकर कम से कम खर्च में संपन्न हो जाया करते थे। अधिकांश वैवाहिक कार्यकम एक रात में ही संपन्न होते थे। हां, ग्रामीण क्षेत्रों में उस वक्त दो दिन के बरात का चलन अवश्य था, जिसमें वर-वधू पक्ष एक-दूसरे के प्रति आदर भाव और सहयोगात्मक रवैया अपनाते थे। रिश्तों में मर्यादा सर्वोपरि व अपनत्व का भाव स्तरीय था। कम खर्च में शादियां हो जाया करती थीं। वर-वधू के रिश्तों में स्थिरता होती थी, दांपत्य जीवन अनचाही है, मुश्किलों से परे दिखता था। वर्ष 1980 के दशक की शादियां औपचारिकता व भव्यता का मिश्रण थीं।

वर्तमान में होने वाली शादियां संस्कार नहीं, वरन इवेंट का स्वरूप धारण करती जा रही हैं। समाज में अनावश्यक दिखावे का प्रचलन बढ़ गया है। धनाढ्य वर्ग की तरह ही मध्यमवर्गीय भी उसी प्रकार का दिखावा कर अपने बच्चों की शादियां कर रहे हैं। ऐसी शादियों में तथाकथित 'इवेंट मैनेजरों' की तो चांदी हो गई है। वर-वधू को अनेकानेक रस्मों में कब और क्या करना है, वही निर्णय ले रहे हैं। अब अधिकांश वैवाहिक कार्यक्रम एक रात का न होकर दो से तीन दिन तक का हो गया है। हल्दी, मेंहदी, द्वारचार, जयमाल, फेरों व विदाई के मामलों में इवेंट मैनेजर ही निर्णायक भूमिका निभाते दिख रहे हैं।

वर-वधू का मेकअप, पहनावा, तात्कालिक रहन-सहन, इवेंट वाले ही तय कर रहे हैं। डेस्टिनेशन वेडिंग का चलन तो अत्यंत खर्चीला हो चला है। शादियों में लकदक डेकोरेशन व जानदार आतिशबाजी के बीच राजसी वैभव, कैटरिंग के पर्दों से लेकर बर्तन तक भव्यतम हो चले हैं। सोशल मीडिया ने तो सामान्य परिवारों के लोगों को मानसिक रूप से धनाढ्य वर्ग के समीप ला खड़ा किया है। आज का वर-वधू 'नामचीन सेलिब्रिटी' की भांति ही विवाह करने का सपना देखता है। शादी के मंडप को फिल्मी सेट सरीखा बनाने को लालायित वह भूल जा रहा कि उक्त सेलिब्रिटी स्वयं के कमाए धन से खर्चीली शादियां कर रहे, अपना शौक पूरा कर रहे हैं। ब्याजखोरों, बैंक्स से महंगे ब्याज पर धन उधार लेकर अपनी शादी नहीं कर रहे।

शादी के स्थान की बात करें तो शहरों में छोटे बैंक्वेट, फाइव-स्टार हॉल से लेकर फार्महाउस तक, जगहों की कीमत अलग-अलग होती है। किसी बड़े होटल बैंक्वेट स्थल की कीमत सामान्यतया न्यूनतम सजावट, कैटरिंग आदि के साथ 20 से 30 लाख रुपये के मध्य तक तो होती ही है। कपड़ों व गहनों पर भी अमूमन 20 लाख रुपये खर्च हो ही जा रहे हैं। मध्यमवर्गीय परिवार अपने 'चादर का आकार' कदाचित भूलता जा रहा। परिणामस्वरूप 'मीडिया क्रेजी' शादियों में अनाप-शनाप खर्च कर कर्ज के जाल में फंस रहा है।

उन्हें खेती की जमीन, मकान, गहने तक को बेचना पड़ जा रहा है। शादी-विवाह पारिवारिक आयोजन होता है। इसे सादगीपूर्ण तरीके से ही संपन्न किया जाना चाहिए। रोज की जिंदगी में धन नितांत आवश्यक है, इसे बचाने की आवश्यकता है। इवेंट बनती शादियों में फिजूलखर्ची बुद्धिमानी तो कदापि नहीं है। मध्यमवर्गीय परिवारों को फिजूलखर्ची रोकने को चिंतन-मनन करना ही होगा। खास तौर पर संबंधित वर्ग के भावी वर-वधुओं को।

1970 के दशक की शादियां प्राय: परंपरागत ही होती थीं। उस दौर की शादियां आपसी प्रेम व सादगी का पर्याय मानी जाती थीं।

आमने

सभी से रिक्वेस्ट करूंगा कि जो मुद्दे हैं, उन पर सोचें। ड्रामा करने के लिए बहुत जगहें हैं। जो कोई भी ड्रामा करना चाहता है, कर सकता है। यहां ड्रामा नहीं, डिलीवरी होनी चाहिए। यहां नारों पर नहीं, पॉलिसी पर जोर होना चाहिए।
–नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

सामने

चुनाव की स्थिति, एसआईआर और प्रदूषण बहुत बड़े मुद्दे हैं। पार्लियामेंट किस लिए है? मुद्दे उठाना ड्रामा नहीं है। ड्रामा का मतलब है, चर्चा न होने देना। ड्रामा का मतलब है उन मुद्दों पर डेमोक्रेटिक चर्चा न करना जो जनता के लिए मायने रखते हैं। –प्रियंका गांधी
कांग्रेस सांसद

हास्य का विषय नहीं हो सकते हैं दिव्यांग

रमेश सर्राफ
स्वतंत्र पत्रकार

देश की सर्वाच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से दिव्यांगों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी से निपटने के लिए कड़े कानून बनाने पर विचार करने को कहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने एसएमए क्योर फाउंडेशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार से दिव्यांगों और दुर्लभ आनुवंशिक विकारों से ग्रस्त व्यक्तियों का उपहास करने वाली अपमानजनक टिप्पणियों को अनुसूचित जाति-अनुसूचित जन जाति अधिनियम की तर्ज पर दंडनीय अपराध बनाने के लिए एक कानून बनाने को कहा है। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायामूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉय माल्या बागची की पीठ ने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अभद्र, आपत्तिजनक और अवैध सामग्री को नियंत्रित करने के लिए एक तटस्थ, स्वतंत्र और स्वायत्त निकाय की आवश्यकता है।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने इस बारे में पीठ को सूचित किया कि सरकार कुछ दिशा-निर्देश बनाने पर विचार कर रही है। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हास्य किसी की गरिमा की कीमत पर नहीं हो सकता। याचिका में इंडियाज गॉट लेटेंट के हॉस्ट समय रैना और सोशल मीडिया पर प्रभावशाली लोगों, विपुन गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर और निशांत जगदीश तंवर के चुटकुलों की निंदा की गई थी। अदालत ने उन्हें भविष्य में अपने आचरण के प्रति सावधान रहने का निर्देश दिया। पीठ ने हास्य कलाकार रैना और अन्य को दिव्यांग व्यक्तियों, विशेष रूप से स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी से पीड़ित लोगों के इलाज के लिए धन जुटाने के लिए दिव्यांग व्यक्तियों की सफलता की कहानियों पर प्रत्येक माह दो कार्यक्रम या शो आयोजित करने का भी निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि शारीरिक रूप से अशक्त लोगों के पास एक 'दिव्य क्षमता' है और उनके लिए 'विकलांग' शब्द की जगह दिव्यांग शब्द का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने विकलांगों को दिव्यांग कहने की अपील की थी। इसके पीछे उनका तर्क था कि शरीर के किसी अंग से लाचार व्यक्तियों में ईश्वर प्रदत्त कुछ खास विशेषताएं होती हैं। विकलांग शब्द उन्हें हतोत्साहित करता है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर देश के लोगों ने विकलांगो को दिव्यांग तो कहना शुरू कर दिया, लेकिन लोगों का उनके प्रति नजरिया आज भी नहीं बदल पाया है। तीन दिसंबर को विकलांग दिवस मनाया जाता है। विश्व विकलांग दिवस पर इस वर्ष का विषय है, सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए विकलांगता समावेशी समाजों को बढ़ावा देना। यह विकलांग व्यक्तियों को अपने भाग्य को आकार देने और समाज में योगदान देने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाने के महत्व को रेखांकित करता है।

दुनिया में बहुत से ऐसे दिव्यांग हुए हैं, जिन्होंने अपने साहस, संकल्प और उत्साह से विश्व के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अपना नाम लिखवाया है। शक्तिशाली शासक तैमूर लंग हाथ और पैर से शक्तिहीन था। मेवाड़ के राणा सांगा तो बचपन में ही एक आंख गंवाने तथा युद्ध में एक हाथ एक पैर तथा 80 घावों के बावजूद कई युद्धों में विजेता रहे थे। महाराजा रणजीत सिंह की एक आंख बचपन से ही खराब थी। सुप्रसिद्ध नृत्यांगना सुधा चंद्रन के दांई टांग नहीं है। फिल्म गीतकार कृष्ण चंद्र डे तथा संगीतकार रविंद्र जैन देख नहीं सकते थे। पूर्व क्रिकेटर अंजन भट्टाचार्य मूक-बधिर थे। वर्ल्ड पैरा चैम्पियनशिप खेलों में झुंझुनू जिले के दिव्यांग खिलाड़ी संदीप कुमार और जयपुर के सुंदर गुर्जर ने भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत कर भारत का मान बढ़ाया है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के पांचवें दौर का पहला चरण 2019-20 में आयोजित किया गया था। एनएफएचएस जनसंख्या, परिवार नियोजन, बाल और मातृ स्वास्थ्य, पोषण, वयस्क स्वास्थ्य और घरेलू हिंसा से संबंधित प्रमुख संकेतकों पर अनुमान प्रदान करता है। एनएफएचएस-5 सर्वेक्षण से एकत्र किए गए द्वितीयक डेटा के भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद प्रकाशन के विश्लेषण के अनुसार भारत में विकलांग लोगों की कुल व्यापकता जनसंख्या का 4.52 प्रतिशत है। यह डेटा दर्शाता है कि भारत में लगभग छह करोड़ 32 लाख 80 हजार लोग किसी न किसी प्रकार की विकलांगता के साथ जीवन यापन करते हैं। लोकोमोटर (गतिशील) विकलांगता सभी विकलांगताओं में सबसे आम है, इसके बाद मानसिक और वाक् (बोलने से संबंधित) विकलांगताएं हैं।

भारत में आज भी दिव्यांगता प्रमाण पत्र हासिल करना किसी चुनौती से कम नहीं है। सरकारी कार्यालयों और अस्पतालों के कई दिनों तक चक्कर लगाने के बाद भी लोगों को मायूस होना पड़ता है। हालांकि सरकारी दावे कहते हैं कि इस प्रक्रिया को काफी सरल बनाया गया है, लेकिन हकीकत इससे काफी दूर नजर आती है। दिव्यांगता का प्रमाणपत्र जारी करने के सरकार ने जो मापदंड बनाए हैं। अधिकांश सरकारी अस्पतालों के चिकित्सक, उनके अनुसार दिव्यांगों को दिव्यांग होने का प्रमाण पत्र जारी ही नहीं करते हैं, जिसके चलते दिव्यांग व्यक्ति सरकारी सुविधाएं पाने से वचिंत रह जाते हैं। दिव्यांग लोगों के प्रति अपनी सोच बदलने का समय आ गया है।

समय रैना एक बार फिर विवादों में है। यह विवाद शुरू हुआ एक कार्यक्रम में दिव्यांगों का मजाक बनाए जाने पर। सुप्रीम कोर्ट ने उनसे भविष्य में अपने आचरण के प्रति सावधान रहने को कहा है।

सोशल फोरम

पांडव पुत्रों का पालन और आज की पैरेंटिंग

महाभारत में एक गहरा प्रसंग आता है। पांडु की मृत्यु के बाद कुंती और माद्री दोनों सती होना चाहती थीं, पर माद्री ने कहा, "यदि आप सती हो गईं और मैं रह गई, तो मैं आपके तीनों बच्चों का पालन वैसे

नीलेश गुप्ता
ब्लॉगर

नहीं कर पाऊंगी, जैसे आप कर सकती हैं। अगर मैं सती हो जाऊं और आप रहें, तो आप मेरे दोनों बच्चों- नकुल और सहदेव को भी अपने ही बच्चों की तरह पाल लेंगी। दुनिया यही मानेगी कि कुंती के पांच पुत्र हैं।"

हुआ भी यही। एक स्त्री, अभाव, जंगल, संघर्ष और विधवापन, इन सभी परिस्थितियों में पांच ऐसे पुत्र तैयार करती है, जो आगे चलकर 'धर्म के स्तंभ' कहलाते हैं। जिस दिन भगवान को यह निर्णय करना पड़ा कि वे किसके पक्ष में खड़े होंगे, भगवान ने पांडवों का पक्ष चुना, क्योंकि एक स्त्री ने कठिनाइयों में भी सही 'लालन–पालन' किया था। दूसरी ओर हस्तिनापुर में धृतराष्ट्र जन्मांध थे और गांधारी ने भी अपने पति की परिस्थिति देखकर अपनी आंखों पर स्वेच्छा से पट्टी बांध ली। जब घर में पिता पहले से नेत्रहीन हो और मां भी पट्टी बांधने का निर्णय ले ले तो, यह भी लालन–पालन का ही परिणाम है। महाभारत यह सिखाती है कि पालन-पोषण केवल शरीर पालना नहीं, बल्कि चरित्र, विवेक और भविष्य बनाना है।

यही बात आज हमें समझ नहीं आती। जब मैं क्लास 3–4 में था, हमें सिर्फ एक पेंसिल दी जाती थी। दूसरी पेंसिल तभी मिलती थी, जब पहली पूरी खत्म हो जाए और उसका फिज़िकल प्रूफ दिखाना पड़े। अगर पेंसिल खो जाए, तो नई पेंसिल नहीं मिलती, उल्टा डांट मिलती। इसी से हमने कम में मैनेज करना, पेंसिल बचाकर चलाना, दोस्तों से शेयर करना और हर चीज़ का मूल्य समझना सीखा। हम धीरे-धीरे रिसोर्सफुल बनते गए।

और आज? बच्चे रोज़ पेंसिल खो देते हैं और माता-पिता बिना पूछे रोज़ नई पेंसिल थमा देते हैं। बच्चे को न यह पता है कि चीज़ कहां से आती है? न इसका मूल्य क्या है? न जिम्मेदारी क्या होती है? अगर एक दिन पैरेंट कह दे, "आज नई पेंसिल नहीं मिलेगी"

महाभारत आज भी यही सिखाती है, पैरेंटिंग भविष्य बनाती है। कुंती ने अभावों में भी पांच धर्म–पुत्र बनाए। गांधारी ने आंखें बंद कर लीं। आज हम क्या कर रहे हैं? हम बच्चों को हर मुश्किल से बचा रहे हैं और इसी में उन्हें कमजोर बनाते जा रहे हैं। पैरेंटिंग का मतलब सुविधाएं देना नहीं, संस्कार, जिम्मेदारी और संघर्ष–क्षमता देना है।

सामयिकी

इन्हें काम नहीं कलम और किताब चाहिए

यूनीसेफ के एक सर्वे के अनुसार विश्वभर में 150 मिलियन बाल श्रमिक हैं। विश्व में बाल श्रमिकों की सबसे अधिक संख्या भारत में है। एक आकलन के अनुसार भारत में लगभग 33 मिलियन बाल श्रमिक हैं। फैक्टरियों, होटलों, रेस्टोरेंट, बागानों में काम करते, बोझा ढोते तथा जूते साफ करते बच्चे क्या बन पाते हैं-अशिक्षित, असमर्थ और साधनविहीन नागरिक, जो दूसरों की मर्जी के मुताबिक काम करने को मजबूर हैं। घर की जिम्मेदारी उठाने के लिए विभिन्न जोखिम भरे कार्यों में लगे दस-बारह वर्षीय बालक हमारे प्रजातंत्र के समानता के अधिकार को खुली चुनौती हैं। यह बाल श्रमिक हमारी आर्थिक प्रगति के खोखलेपन को भी सिद्ध करते हैं।

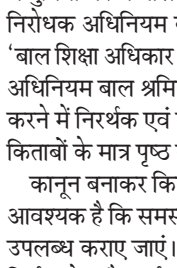

सुरेश बाबू मिश्रा
साहित्यकार

अनेकों मजदूर दिवस आए और चले गए। बाल श्रम को रोकने के लिए कानून बने। बाल श्रमिकों के लिए अनेकों कल्याणकारी योजनाएं बनीं। परंतु ग्यारह वर्षीय भोला के जीवन में इन सबसे कोई परिवर्तन नहीं आया। उसके नन्हे-नन्हे हाथ पूरे दिन लोगों के सैंडिल एवं जूते चमकाते रहते हैं। कभी-कभी अधिक रुपये पाने की लालसा में वह अपनी इकलौती कमीज से ही बाबू लोगों के जूते चमकाने लगता है। पांच रुपये के स्थान पर दस रुपये मिल जाने पर भोला के चेहरे पर ऐसी चमक आ जाती है, मानो उसे दुनिया भर की दौलत मिल गई हो।

प्रेस किए हुए कपड़े घर-घर पहुंचाने के लिए दस वर्षीय हरनाम गली-गली चक्कर काटता रहता है। तीसरी कक्षा के बाद ही उसके पिता ने उसकी पढ़ाई छुड़वा कर उसे काम में लगा दिया। रंग-बिरंगे चमकदार कपड़ों को हरनाम बड़ी हसरत भरी निगाहों से छू-छू कर देखता है। उसके बालमन में भी अच्छे कपड़े पहनने की इच्छाएं मचलती हैं, मगर उसका मजबूर बाप उसे साल में केवल दो जोड़ सस्ते कपड़े ही बनवा पाता है। कई बार तो उसे दूसरे लोगों की उतरन से ही काम चलाना पड़ता है।

घरेलू कार्यों के अतिरिक्त देश में बीड़ी, दियासलाई, सूती वस्त्रों के कारखानों, जूट मिलों, चाय के बागानों, पीतल उद्योग, कलई उद्योग, चूड़ी उद्योग, कालीन उद्योग तथा कार एवं आटो रिपेयर सेंटरों में लाखों बाल श्रमिक काम करते हैं। इन उद्योगों में बाल श्रमिक बुरी तरह शोषित होते हैं। अल्प वेतन, अत्याधिक कार्य, दोषपूर्ण वातावरण, अनैतिक एवं अमानवीय शोषण बाल श्रमिकों की मुख्य समस्याएं हैं।

भारत सरकार द्वारा बाल श्रम को नियंत्रित करने तथा बाल श्रमिकों को अधिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए सन् 1953 में 'बाल अधिनियम' तथा सन् 1958 में 'कारखाना अधिनियम' बनाए गए। सन् 1975 में बंधुआ मजदूरी पर प्रतिबंध लगा दिया गया। सन् 2002 में दुनिया भर में बालश्रम को रोकने के लिए यूनीसेफ द्वारा बाल श्रम निरोधक अधिनियम बनाया गया। भारत सरकार द्वारा सन् 2009 में 'बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम पूरे देश में लागू किया गया। परंतु यह अधिनियम बाल श्रमिकों की दशा सुधारने एवं बाल श्रम को नियन्त्रित करने में निरर्थक एवं खोखले सिद्ध हुए हैं। यह अधिनियम कानून की किताबों के मात्र पृष्ठ बनकर रह गए हैं।

कानून बनाकर किसी समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता। आवश्यक है कि समस्या के समाधान के लिए पर्याप्त आर्थिक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। बाल श्रम की मुख्य समस्या इनके मां-बाप का निर्धन होना है। वर्तमान समय में भारत विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है, परंतु इसके बावजूद देश के 29 करोड़ लोग गरीबी की रेखा से नीचे का जीवन यापन करने को मजबूर हैं। आर्थिक विषमता की बढ़ती खाई भी बाल श्रम का प्रमुख कारण है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

परमसत्ता से जुड़ने की प्रक्रिया है अध्यात्म

अध्यात्म पथ स्वयं को समग्र रूप से जानने की, उस परमसत्ता से जुड़ने की तथा आत्म परिष्कार एवं आत्म विस्तार की प्रक्रिया है। कितने ही लोग इस पथ पर चल पड़ते हैं। बड़े उत्साह के साथ शुरुआत करते हैं। फिर रास्ते में ही कुछ हिम्मत हार बैठते हैं। कुछ सांसारिक राग-रंग को ही सब कुछ मान बैठते हैं। कुछ संकीर्ण स्वार्थ-अहंकार के धंधे में उलझकर, जीवन के आदर्श से समझौता कर बैठते हैं। कुछ आलस्य-प्रमाद में भ्रमित होकर बहुमूल्य जीवन को यों ही बर्बाद कर देते हैं। इसमें प्रायः इस समझ का अभाव मुख्य कारक रहता है कि अध्यात्म चेतना के परिष्कार का विज्ञान है, जिसमें जन्म-जन्मांतरों से मलिन चित्त एवं भ्रमित मन के साथ वास्ता पड़ रहा होता है। अचेतन मन के महासागर को पार करते हुए चेतना के शिखर का आरोहण करना होता है। आगे बढ़ना होता है।

निःसंदेह मार्ग कठिन है। दुरूह है। पूर्व में कृत कर्मराशि जब पहाड़ जैसा चट्टानी अवरोध बनकर राह में खड़ी हो जाती है, तो साधक की आस्था डांवाडोल हो जाती है। सस्ती पूजा-पत्री, भोग-चढ़ावे व चिह्न पूजा के सहारे धर्म-आध्यात्म के पथ पर बहुत कुछ बटोरने के फेर में चला पथिक मार्ग में ही धराशाई हो जाता है। यहां तक कि नास्तिक हो जाता है और भगवान तथा समर्थ गुरु तक को कोसने लगता है। जबकि धर्म-अध्यात्म पथ का अपना विधान है, विज्ञान है। इसकी थोड़ी सी भी समझ साधक को राजमार्ग से विचलित नहीं होने देती। वह पगडंडियों में नहीं उलझता। धर्म-अध्यात्म की शुरुआत धार्मिकता की प्राथमिक कक्षा से होती है, जिसमें पूजा-पाठ से लेकर कर्मकांड का सहारा लिया जाता है, लेकिन स्वाध्याय एवं आत्मचिंतन के साथ साधक की समझ भी सूक्ष्म होती जाती है। आस्तिकता के भाव के जाग्रत के साथ, श्रद्धा-निष्ठा परिपक्व होती है। इसी तैयारी के बाद अध्यात्म की कक्षा में प्रवेश मिलता है।

डॉ. प्रदीप द्विवेदी 'रमण'
आध्यात्मिक लेखक

आश्चर्य नहीं कि अध्यात्म पथ पर चलने वाले ऋषियों ने इसे छुरे की धार पर चलने के समान दुस्साध्य बताया है, लेकिन इस विकट पथ का वरण करने वाले मुमुक्षु पथिकों ने भी कब हार मानी है। मार्ग की दुरूहता को जानते हुए भी अंतस की पुकार के बल पर वे हर युग में इस पथ का संधान करते रहे हैं। किसी समर्थ के अवलंबन के साथ अपार धैर्य, अनंत श्रद्धा और अनवरत प्रयास के साथ अभीष्ट को सिद्ध करते रहे हैं। निःसंदेह समर्थगुरु (पूर्णगुरु) का अवलंबन कार्य को और सरल बना देता है। हमारा परम सौभाग्य है कि अवतारी गुरुसत्ता का सानिध्य हमें मिला। हमारे गुरुवर के सिद्धसूत्रों के साथ अध्यात्म का व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक स्वरुप हमारे लिए सहज सुलभ है, लेकिन इनको जीवन में वरण करने, धारण करने के लिए साहस, निष्ठा एवं तैयारी की न्यूनतम मांग है। आखिर हर मांग अपनी कीमत मांगता है, जो चीज जितनी कीमती होती है, उसका उतना ही मूल्य भी चुकाना होता है। एक किसान, व्यापारी व विद्यार्थी तन-मन व धन की सारी पूंजी झोंक देता है। तब कहीं जाकर समस्त सुख-सुविधाओं को त्यागते हुए एकांतिक प्रयास एवं निष्ठा के बल पर अभीष्ट मंजिल तक पहुंचता है। इसी प्रकार आध्यात्म पथ भी अपनी कीमत मांगता है, जिसमें चित्त-चेतना की शुद्धि एवं परिष्कार मुख्य है। स्वयं को गलाकर-मिटाकर सब कुछ पाने की कला अध्यात्म है। इसमें सबसे पहले चित्त का परिष्कार करना होता है। इसी के साथ जन्मों से अज्ञान के परदे में ढका आत्मज्ञान का सूर्य प्रकाशित होता है और अपने ईश्वरीय अस्तित्व का बोध कराता है। वैसे तो समर्थगुरु (पूर्णगुरु) एवं परमात्मा की कृपा तो सदा ही उनकी सभी संतानों पर अनवरत रुपों में बरसती रहती है। इसको ग्रहण करने व धारण करने की क्षमता का अभाव ही मुख्य कारण है कि अधिकांशतया जीवन इनसे रीता रह जाता है। जिस मात्रा में साधक-शिष्य इसको धारण कर पाता है, उसी अनुपात में उसका आत्मिक विकास होता है। अध्यात्म विज्ञान का कार्य अंततः जीवन का कायाकल्प है। मनुष्य में देवत्व का उदय है। यह उसकी अंतर्निहित दिव्य संभावनाओं व क्षमताओं का जागरण एवं विकास है।

आत्मकल्याण के साथ लोक-कल्याण

चित्त के प्रक्षालन के साथ इसका परिष्कार प्रारंभ होता है, जो स्वयं में समयसाध्य एवं कष्टसाध्य प्रक्रिया है। अपार धैर्य, अटूट श्रद्धा एवं निरंतर प्रयास के साथ यह कार्य संपन्न होता है। बार-बार असफलता के बाद भी साधक हिम्मत नहीं हारता और बार-बार प्रयास करता है। हजार असफलताओं के बाद हजार बार प्रयास करने का जीवट और हर हार के बाद पुनः उठकर आगे बढ़ने का अदम्य साहस अध्यात्म पथ को परिभाषित करता है। अध्यात्म पथ पर अभीष्ट को उपलब्ध सभी साधकों के जीवन दृष्टांत इसी सत्य की गवाही देते हैं। परमपूज्य गुरुदेव ने इसके निमित्त आत्मनिरीक्षण, आत्मसमीक्षा, आत्मसुधार व आत्मनिर्माण की प्रक्रिया का प्रतिपादन किया है। दैनिक जीवन में आत्मबोध से लेकर तत्वबोध की व्यावहारिक साधना को बताया है, जिसमें संयम, स्वाध्याय और सेवा के साथ उपासना, साधना, आराधना की त्रिवेणी में अवगाहन करना पड़ता हैं। परमपूज्य गुरुदेव का यह मार्गदर्शन साधक को अपनी स्थिति के अनुरूप सीखने को प्रेरित करता है और देर-सवेर आध्यात्म पथ पर चलते हुए आत्मकल्याण के साथ लोक-कल्याण के महान उद्देश्य को पूर्ण करता है।

गुरुदेव व दैवी कृपा साथ रहते हुए भी साधक को एकाकी ही इस पथ को पार करना होता है। अपनी अंतरात्मा की पुकार पर आध्यात्म पथ पर आरूढ़ साधक इस मार्ग का सहर्ष वरण भी करता है। इसके लिए पथ के काटों की चिंता नहीं करनी। लोग क्या कहते हैं और क्या करते हैं, इसकी चिंता कौन करे? गुरुकृपा से अपनी आत्मा ही मार्गदर्शन के लिए पर्याप्त है। लोग अंधरे में भटकते हैं। भटकते रहें। हम अपने विवेक के प्रकाश का अवलंबन कर स्वतः ही आगे बढ़ेंगे। कौन विरोध करता है, कौन समर्थन इसकी गणना क्या करनी हमें? अपनी अंतरात्मा, अपना साहस अपने साथ है और हम वही करेंगे, जो करना अपने जैसे सजग साधकों के लिए उचित और उपयुक्त है।

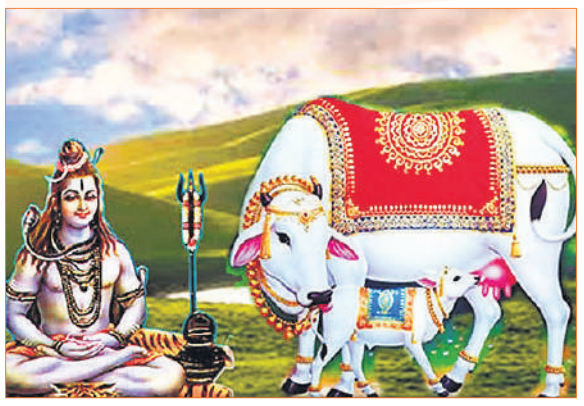

पौराणिक कथा

वृषभध्वज और गौ माता

महाभारत अनुशासन पर्व में वृषभ ध्वज की कथा आती है। एक बार गौ माता सुरभि का बछड़ा दूध पी रहा था। दूध पीते हुए बछड़े के मुख पर दूध की झाग लग गई। वही झाग हवा से उड़कर भगवान शंकर के मस्तक पर जा गिरी। ऐसा होने पर भगवान शिव कुछ क्रोधित हो गए। उस समय प्रजापति जी ने भगवान शंकर से कहा, "हे प्रभु! आपके मस्तक पर, जो दूध का छींटा पड़ा है। वह अमृत है। बछड़ों के पीने से गाय का दूध जूठा नहीं होता। जैसे अमृत का संग्रह करके चंद्रमा उसे बरसा देता है, वैसे ही रोहणी गायें भी अमृत से उत्पन्न दूध को बरसाती हैं। जैसे वायु, अग्नि, सुवर्ण, समुंद्र और देवताओं का पिया हुआ अमृत, कभी जूठे नहीं होते, वैसे ही बछड़ों को पिलाती हुई गौ भी कभी दूषित नहीं होती। ये गौमाता अपने दूध-घी से समस्त जगत का पोषण करती हैं। सभी लोग इन गौओं के अमृतमय पवित्र दूध रुपी ऐश्वर्य की इच्छा करते हैं।" तत्पश्चात प्रजापति जी ने महादेव जीको बहुत सी गौ और एक बैल दिया। इस पर शिवजी ने प्रसन्न होकर वृषभ अर्थात बैल को अपना वाहन बनाया और अपनी ध्वजा को उसी वृषभ के चिह्न से सुशोभित किया। इसी से उनका नाम 'वृषभ ध्वज' पड़ा। फिर देवताओं ने महादेव जी को पशुओं का स्वामी बना दिया और गौओं के बीच में उनका नाम 'वृषांक' रखा गया। **-फीचर डेस्क**

संस्कार: आध्यात्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यबोध

'संस्कार' मात्र धार्मिक कर्मकांड ही नहीं अपितु मानव जीवन के सर्वांगीण विकास का आधार है। यह मानव जीवन के सामाजिक, धार्मिक, नैतिक एवं शैक्षिक मूल्यों को एक दिशा प्रदान करता है, जिसके आधार पर व्यक्ति दैहिक एवं भौतिक विकास के साथ ही सुव्यवस्थित एवं सुसंस्कृत जीवनयापन करता है। संस्कारों का विधान अलौकिक पृष्ठभूमि में किया गया है तथा इनकी उत्पत्ति में मानवीय प्रवृत्तियों का विशेष येगदान माना गया है, जिनका आधार आध्यात्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यबोध है।

डॉ. रज्जन कुमार
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

संस्कार अपनी प्रकृति के अनुसार पूर्वभव, वर्तमान जीवन एवं मृत्यु के पश्चात् भी गतिशील रहते हैं। संस्कृत साहित्य में मानव जीवन के इन विविध क्रमों से संबंधित संस्कार के कई प्रकार मिल जाते हैं। यद्यपि संस्कारों के भेद एवं उनके नामों के लेकर विद्वानों मे मतैक्य नहीं है फिर भी इस दिशा में एक रुपता लाने के प्रयास विद्वानों द्वारा समय-समय पर अवश्य हुए हैं। विद्वानों का इस दिशा में किया गया यह प्रयास ही संस्कारों को सुनियोजित एवं व्यावहारिक मूल्य प्रदान कर सका है। वर्तमान में मुख्य संस्कारों की संख्या कुछ नाम भेद के साथ 16 बताई गई हैं, जैसे-गर्भाधान, पुंसवन, सीमन्तोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, चूड़ाकरण, अन्नप्राशन, कर्णवेध, विद्यारम्भ, उपनयन, वेदारम्भ, केशान्त, समावर्तन, विवाह एवं अन्त्येष्टि-श्राद्ध। इन षोडश संस्कारों में कुछ संस्कार आज भी भारतीय जनमानस में अपना महत्वपूर्ण स्थान बनाए हुए हैं। जातकर्म, नामकरण, अन्नप्राशन, कर्णवेध, उपनयन, विवाह एवं अंत्येष्टि-श्राद्ध आदि संस्कारों में से उपनयन एवं विवाह संस्कार का सामाजिक जीवन के लिए तो महत्व अधिक है, परंतु इसके पीछे धार्मिक एवं आध्यात्मिक मूल्य का अभाव दृष्टिगोचर होता है। मृत्यु अथवा अन्त्येष्टि संबंधी संस्कार के पीछे धार्मिक एवं आध्यात्मिक मूल्य की प्रधानता होती है। अतः यह कहा जा सकता है कि संस्कार संबंधी क्रियाओं को स्वीकार करने के पीछे भारतीय जनमानस में धार्मिक संचेतना के साथ-साथ आध्यात्मिक एवं सामाजिक मूल्य की पृष्ठ भूमि भी गतिमान रही है। अतः हमें यह स्वीकार करने में कोई संशय नहीं रह जाता है कि आज भी संस्कार पहले की भांति धार्मिक एवं सामाजिक धरातल पर अपना अस्तित्व बनाए हुए है।

व्यक्ति के जीवन की संपूर्ण शुभ तथा अशुभवृत्ति उसके संस्कारों के अधीन है। इनमें से कुछ संस्कार तो जातक अपने पूर्वभव के साथ लाता है तथा कुछ को वर्तमान जीवन की परिस्थितियों के वशीभूत होकर प्राप्त करता है एवं कुछ संस्कार उसकी मृत्यु के बाद भी कार्यरत रहते हैं।

व्यक्ति के जीवन की संपूर्ण शुभ तथा अशुभवृत्ति उसके संस्कारों के अधीन है। इनमें से कुछ संस्कार तो जातक अपने पूर्वभव के साथ लाता है तथा कुछ को वर्तमान जीवन की परिस्थितियों के वशीभूत होकर प्राप्त करता है एवं कुछ संस्कार उसकी मृत्यु के बाद भी कार्यरत रहते हैं। इस प्रकार हम यह कह सकते हैं कि संस्कार पूर्वभव, वर्तमान जीवन एवं मृत्यु के पश्चात् भी गतिशील रहते हैं, जिनका मानव जीवन में अपना महत्व एवं मूल्य बना हुआ है। भारतीय संस्कृति में तीन प्रकार के शरीरों का वर्णन हुआ है-सूक्ष्म शरीर, स्थूल शरीर एवं कारण या लिंग शरीर। इनमें स्थूल शरीर के द्वारा कृत कार्यों का समापन मृत्यु के उपरांत सूक्ष्म शरीर के द्वारा भी किया जाता है। तात्पर्य यह है कि सूक्ष्म शरीर प्राप्त होने पर भी स्थूल शरीर द्वारा कृतकर्म क्षय को प्राप्त नहीं होते तथा पुनः जन्म लेने के बाद सूक्ष्म शरीरस्थ संस्कारों को व्यक्ति अपने क्रिया क्षेत्र में लाता है। क्योंकि प्रकृति के सूक्ष्म तत्वों से सभी प्रकार के शरीर बनते हैं, जो स्वरूपतः भौतिक हैं। अतः भौतिक पदार्थों से निर्मित शरीर को भैतिक सुखों की आवश्यकता होती है। सूक्ष्म शरीर द्वारा किए गए कार्यों का संबंध स्थूल शरीर से होता है, जो हमारे मस्तिष्क में तथा स्थूल शरीर में व्याप्त हो जाते हैं, जो कि अन्य जन्मांतरों में साथ-साथ होने के कारण स्थूलशरीर द्वारा भोगे जाते हैं। सूक्ष्मशरीर की सत्ता का प्रमाण शास्त्रों में बहुधा प्राप्त होता है तथा बिना स्थूलशरीर के हम सब कुछ जान लेते हैं। उदाहरण स्वरूप जैसे नासिका के सामने कोई पुष्प लाया जाए तथा घ्राणेन्द्रिय का निरोध करके कान से यदि हम सूंघने का प्रयास करते हैं, तो कान रूपी इंद्रिय उस पुष्प की सुगंध को ग्रहण नहीं कर सकती। योगी लोग सूक्ष्म शरीर के स्थूल शरीर से पृथक कर सकते हैं तथा पुनः नए शरीर में भी प्रवेश कर सकते हैं। इस प्रकार वह स्वभावतः संस्कारों के भी बदल देते हैं। संस्कृत साहित्य में संस्कारों से संबद्ध परंपराओं एवं मान्यताओं का यथा स्थान विवेचन हुआ है, जिनसे यह संकेत मिलता है कि इस संसार में लौकिक एवं अलौकिक शक्तियां हैं, जिनके मध्य अटूट संबंध है, जो मानव जीवन को एक प्रेरणा प्रदान करता हैं। संस्कार यहां एक प्रेरकतत्व के रूप में विकसित हुआ है, जो मनुष्य को कई प्रकार की लौकिक एवं अलौकिक शक्तियों से युक्तकर उसके जीवन में सुख-शांति का आधान करता है। संस्कार जीवन के विभिन्न अवसरों पर संपन्न एवं आयोजित किए जाते हैं। तदनुसार ये अवसर एवं जीवन को महत्व एवं पवित्रता प्रदान करते हैं। संस्कार कदाचित् जीवन की घटनाओं के प्रति मनुष्य के भीतर व्याप्त उदासीनता को कम करने की प्रेरणा प्रदानकर जीवन के विकास के क्रम को महत्व प्रदान करउसे एक सामाजिक मूल्य प्रदान करते हैं। मनुष्य को इस बात का बोध हो जाता है कि जीवन की घटनाएं मात्र शारीरिक क्रियाओं का नाम नहीं अपितु एक चिरंतन प्रवाह है, जिनमें सामाजिक संचेतना है, आध्यात्मिक उत्क्रांति है तथा सांस्कृतिक मूल्य के संरक्षण का भाव है।

बोधकथा

ज्ञान कक्षा का मोहताज नहीं

एक समय की बात है, एक विद्यार्थी पढ़ाई में अत्यंत होशियार माना जाता था। उसकी लगन और समझदारी की चर्चा पूरे विद्यालय में थी, लेकिन अचानक वह एक गंभीर बीमारी की चपेट में आ गया। कई दिनों तक बिस्तर पर रहने के कारण उसकी विद्यालय में उपस्थिति बहुत कम हो गई। स्थिति ऐसी बन गई कि वह परीक्षा में बैठने की शर्त भी पूरी न कर सका।

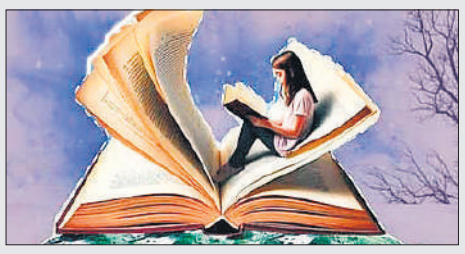

यह बात उसके लिए अत्यंत चिंता का विषय बन गई। उसे लगने लगा कि अब एक साल पीछे रह जाना तय है। उसका मन घबराहट और निराशा से भर गया। अंततः अपने मन का बोझ हल्का करने के लिए वह प्रख्यात विद्वान और मार्गदर्शक मदन मोहन मालवीय जी के पास पहुंचा। विद्यार्थी ने कांपती आवाज में अपनी व्यथा रखी, "बाबूजी, मैं बीमारी के कारण परीक्षा में नहीं बैठ पाऊंगा। लगता है मुझे एक साल और उसी कक्षा में रहना पड़ेगा।" मालवीय जी बड़े ध्यान से उसकी बातें सुनते रहे। फिर अत्यंत शांति से बोले, "एक बात बताओ बेटा, पढ़ना अच्छी चीज है या बुरी?"

विद्यार्थी ने तुरंत उत्तर दिया, "अच्छी चीज है।" मालवीय जी मुस्कुराए और बोले, "तो फिर पढ़ने से डर कैसा? विद्यार्थी को दर्जे का, कक्षा का, साल का इन सबका विचार छोड़कर पूरे मन से सीखने पर ध्यान देना चाहिए। ये दर्जे तो मनुष्य ने अपने सुविधा के लिए बना दिए हैं, ज्ञान इन्हें नहीं मानता।" उनकी बात सुनकर भी विद्यार्थी का चेहरा उदास बना रहा। उसकी मायूसी देखकर मालवीय जी ने गहरी आवाज़ में समझाया, "मेरा विश्वास मानो, असली पढ़ाई स्कूल और कॉलेज की चार दीवारों में सीमित नहीं रहती। जिन्हें सचमुच पढ़ना होता है, वे हर परिस्थिति में सीखते हैं। विद्या पाने के लिए तपस्या करनी पड़ती है और यह तपस्या जीवनभर चलती है। दुनिया के अनुभव, परिस्थितियां, कष्ट- यही सबसे बड़े गुरुकुल हैं, जिसे सीखने की आग होती है, उसके लिए साल पीछे रह जाना कोई बाधा नहीं।" वे आगे बोले, "जीवन में हमें बहुत-सी बातें किताबों से नहीं, बल्कि परिस्थितियों से सीखने को मिलती हैं। बीमारी, कठिनाइयां, संघर्ष-ये सब भी शिक्षक हैं। इसलिए यदि तुम सचमुच विद्वान बनना चाहते हो, तो दर्जे की चिंता छोड़कर ज्ञान का पथ पकड़े रहो।" मालवीय जी के इन शब्दों ने विद्यार्थी के मन का बोझ हल्का कर दिया। उसे समझ आ गया कि पढ़ाई सिर्फ परीक्षा पास करने का साधन नहीं, बल्कि जीवन को सही दृष्टि देने वाली साधना है। वह नए उत्साह से भरकर वापस लौटा। सच यही है, जो सीखने वाला हृदय रखता है, उसके लिए हर दिन, हर अनुभव, हर संघर्ष एक नई पाठशाला बन जाता है। यही इस कथा का संदेश है।

-नृपेन्द्र अभिषेक नृप

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	85,641.90	26,175 .75
गिरावट	64 .77	27 .20
प्रतिशत में	0 .08	0 .10

सोना 1,33,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,77,000 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

जीएसटी संग्रह 1.70 लाख करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली। सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह नवंबर में 0 .7% की मामूली वृद्धि के साथ 1 .70 लाख करोड़ रुपये रहा है। घरेलू राजस्व में गिरावट से संग्रह कम हुआ है। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जीएसटी संग्रह गत वर्ष नवंबर में 1 .69 लाख करोड़ से कुछ अधिक रहा था। आलोच्य महीने में सकल घरेलू राजस्व 2 .3% घटकर 1 .24 लाख करोड़ रुसे अधिक रहा। यह गिरावट 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कमी के बाद आई है। वस्तुओं के आयात से राजस्व 10 .2%बढ़कर 45,976 करोड़ रुपये रहा।

एसडब्लूआरईएल को 1,381 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली। स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एसडब्ल्यूआरईएल) को गुजरात में अडाणी ग्रीन एनर्जी से 1,381 करोड़ का ठेका मिला है। एसडब्लूआरईएल ने सोमवार को शेयर बाजार को बताया कि उसने गुजरात के खावड़ा अक्षय ऊर्जा पार्क में आने वाली तीन सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) से 1,381 करोड़ का बैलेंस ऑफ सिस्टम (बीओएस) ठेका हासिल किया है। खावड़ा अक्षय ऊर्जा पार्क दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा केंद्रों में से एक है। एसडब्लूआरईएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (वैश्विक) चंद्र किशोर ठाकुर ने इसकी जानकारी दी।

मीशो आईपीओ की राशि से देगी वेतन

नई दिल्ली। सॉफ्टबैंक समर्थित ई-कॉमर्स कंपनी मीशो की योजना आईपीओ से प्राप्त 480 करोड़ का उपयोग कृत्रिम मेधा (एआई) एवं प्रौद्योगिकी टीमों के वेतन के भुगतान के लिए करने की है। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से जुड़े दस्तावेजों से इसकी जानकारी मिली। इस खुलासे के बाद सोशल मीडिया पर इस बात पर बहस छिड़ गई है कि क्या आईपीओ से हासिल राशि का ऐसा (कर्मचारियों के वेतन पर खर्च) उपयोग चिंताजनक होना चाहिए या यह प्रौद्योगिकी प्रतिभा पर दीर्घकालिक दांव लगाने का संकेत है। आईपीओ से प्राप्त राशि के उपयोग का विवरण देते हुए कंपनी ने बताया कि 480 करोड़ हमारी अनुषंगी कंपनी मीशो टेक्नोलॉजीज द्वारा एआई व प्रौद्योगिकी विकास को मशीन लर्निंग तथा एआई एवं प्रौद्योगिकी दलों के कर्मचारियों को वेतन के लिए निर्धारित किए गए हैं।

आईआईपी में वृद्धि दर 13 माह के निचले स्तर पर

अक्टूबर में औद्योगिक उत्पादन वृद्धि सुस्त पड़कर 0.4% पर आई

- एनएसओ के अनुसार, आईआईपी में वृद्धि दर सालाना आधार पर घटी

नई दिल्ली, एजेंसी

विनिर्माण, खनन एवं बिजली क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन से अक्टूबर में देश की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि सुस्त पड़कर 13 महीनों के निचले स्तर 0.4% पर आ गई। सोमवार को आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) से जारी आंकड़ों के मुताबिक, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में वृद्धि दर सालाना आधार पर घटी है। एक साल पहले की समान अवधि में औद्योगिक उत्पादन 3.7% बढ़ा था। आईआईपी का पिछला निचला स्तर सितंबर, 2024 में दर्ज किया गया था जब यह स्थिर रहा था। इएनएसओ ने सितंबर, 2025 के आंकड़ों को संशोधित करते हुए वृद्धि दर को 4 से बढ़ाकर 4.6% किया है।

आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर घटकर 1.8% पर आ गई, जबकि साल भर पहले यह 4.4% रही थी। आलोच्य महीने में खनन क्षेत्र के उत्पादन में 1.8% की गिरावट आई, जबकि गत वर्ष यह 0.9% बढ़ा था। इस दौरान बिजली उत्पादन में भी 6.9% की गिरावट दर्ज की गई जबकि पिछले साल यह दो प्रतिशत बढ़ा था। वित्त वर्ष 2025-26 के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) में देश के औद्योगिक उत्पादन में कुल 2.7% की वृद्धि दर्ज की गई जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 4% थी। विनिर्माण क्षेत्र में शामिल 23 में से नौ उद्योग खंडों ने अक्टूबर में सालाना आधार पर सकारात्मक वृद्धि रही।

उपयोग-आधारित वर्गीकरण के मुताबिक, पूंजीगत उत्पाद खंड में 2.4% की बढ़ोतरी हुई जबकि एक साल पहले यह 2.9% थी। टिकाऊ उपभोक्ता खंड में आलोच्य माह के दौरान 0.5% की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसमें 5.5% की बढ़ोतरी हुई थी। अक्टूबर, 2025 में गैर-टिकाऊ उपभोक्ता खंड में उत्पादन 4.4% गिर गया जबकि एक साल पहले इसमें 2.8% की वृद्धि हुई थी। ढांचागत क्षेत्र/ निर्माण उत्पादों के खंड में उत्पादन बढ़कर 7.1% हो गया जबकि पिछले साल की समान अवधि में 4.7% बढ़ोतरी रही थी। आंकड़ों से पता चला कि प्राथमिक वस्तुओं का उत्पादन अक्टूबर माह में 0.6% घटा है जबकि एक साल पहले यह 2.5% बढ़ा था। मध्यवर्ती उत्पाद खंड में इस महीने 0.9% की बढ़त रही जबकि एक साल पहले इसमें 4.8%की वृद्धि हुई थी।

विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां नौ माह के निचले स्तर पर

नई दिल्ली। देश की विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां नवंबर में नौ महीने के निचले स्तर पर आ गईं। चुनौतीपूर्ण बाजार स्थितियों की खबरों के बीच बिक्री एवं उत्पादन में धीमी वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही। सोमवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अक्टूबर के 59 .2 से नवंबर में 56 .6 पर आ गया। यह फरवरी के बाद से परिचालन स्थितियों में सबसे धीमी गति का संकेत देता है। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का अंक विस्तार जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि नवंबर के पीएमआई आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि अमेरिकी शुल्क के कारण विनिर्माण विस्तार धीमा हुआ है। इसमें कहा गया कि कंपनियों ने हालांकि सुझाव दिया कि अंतर्राष्ट्रीय बिक्री का रुझान अनुकूल बना हुआ है जो अफ्रीका, एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया में ग्राहकों को अधिक बिक्री को दर्शाता है।

- पीएमआई अक्टूबर के 59.2 से घटकर नवंबर में 56.6 पर आया

कोयला व लिग्नाइट की खोज की अनुमोदन प्रक्रिया हुई सरल

- कारोबार सुगमता और कुशल एवं टिकाऊ अन्वेषण को बढ़ावा देने के लिए उठाया कदम

नई दिल्ली, एजेंसी

कोयला मंत्रालय ने कोयला एवं लिग्नाइट ब्लॉक से संबंधित अन्वेषण कार्यक्रमों व भूवैज्ञानिक रिपोर्ट के लिए अनुमोदन प्रक्रिया को सरल बनाया है। इस कदम का मकसद कारोबार सुगमता को बढ़ाना और कुशल एवं टिकाऊ अन्वेषण को बढ़ावा देना है। नई प्रक्रिया में अब 2022 में इस उद्देश्य के लिए गठित सरकारी समिति से मंजूरी की आवश्यकता नहीं है।

मंत्रालय के अनुसार, कोयला मंत्रालय ने पहले की कार्यप्रणाली की समीक्षा की है। क्यूसीआई-एनएबीईटी द्वारा मान्यता प्राप्त एवं अन्य एपीए द्वारा समकक्ष समीक्षा प्राप्त अधिसूचित मान्यता प्राप्त अन्वेषण एजेंसियों (एपीए) द्वारा तैयार कोयला एवं लिग्नाइट ब्लॉक के लिए अन्वेषण कार्यक्रमों व भूवैज्ञानिक रिपोर्ट (जीआर) के अनुमोदन के लिए तंत्र को सरल बनाया है। देश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए कोयला एवं लिग्नाइट संसाधनों का तेज, अधिक कुशल और प्रौद्योगिकी रूप से मजबूत अन्वेषण आवश्यक है।

कोल इंडिया का उत्पादन घटकर 45.35 करोड़ टन

नई दिल्ली। सरकारी कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का कोयला उत्पादन चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान 3 .7% घटकर 45 .35 करोड़ टन रह गया। सरकार देश में कोयला उत्पादन बढ़ाने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए कई कदम उठा रही है, इसके बावजूद यह गिरावट आई। देश के कुल कोयला उत्पादन में 80% से अधिक हिस्सा रखने वाली कोल इंडिया ने पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 47 .1 करोड़ टन का कोयला उत्पादन किया था।

सोने में आया 3,040 रुपये का उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी

- मजबूत वैश्विक रुख और शादियों के मौसम से आभूषणों की मांग से कीमती धातु को मिला समर्थन

मजबूत वैश्विक रुख और कमजोर डॉलर के कारण सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें 3,040 रुपये उछलकर 1,33,200 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि चल रहे शादियों के मौसम के बीच आभूषणों की सतत मांग से कीमती धातु को समर्थन मिला।

व्यापारियों ने कहा कि सोना अब अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 1,34,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (99.9% शुद्धता) और 1,34,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (99.5%) के करीब है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि सोने ने पिछले हफ्ते की तेजी को आगे बढ़ाया, जिसे डॉलर के कमजोर होने, अगले हफ्ते फेडरल रिजर्व के द्वारा ब्याज दर कटौती की बढ़ती उम्मीदों, बड़े बैंकों के अच्छे अनुमानों और सेंट्रल बैंक की मजबूत खरीदारी से समर्थन मिला, ये सभी बाजार को ऊपर ले जाने में मदद कर रहे हैं।

सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी पांचवें दिन ऊपर चढ़ती रही, जो 5,800 रुपये बढ़कर 1,77,000 रुपये प्रति किग्रा (सभी टैक्स) हो गई। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 42.29 डॉलर या 1% बढ़कर 4,261.52 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि डॉलर सूचकांक 0.19% घटकर 99.27 रह गया, जिससे सर्राफा कीमतों को समर्थन मिला। साल की शुरुआत से सोने की कीमत 63.6%बढ़ गई है। लगातार छठे दिन बढ़ते हुए, हाजिर चांदी 2% बढ़कर वैश्विक बाजारों में 57.85 डॉलर प्रति औंस के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गई। पिछले हफ़्ते चांदी 15.7% उछली और 2025 में अब तक दोगुनी गई गई। ऑगमोंट में शोध प्रमुख रेनिशा चैनानी ने कहा कि चांदी की कीमत सिर्फ़ 11 महीनों में दोगुनी हो गई है और सोने से ज्यादा बढ़ी है, भले ही वर्ष 2025 में सोना सबसे लोकप्रिय जिंस था।

शेयर बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे फिसला

- वित्तीय शेयरों में मुनाफावसूली से दोनों सूचकांक में आई गिरावट
- सत्र के दौरान सेंसेक्स 452.35 और निफ्टी 122.85 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार सोमवार को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद अंत में मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। उच्चस्तर पर मुनाफावसूली और विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी से दोनों मानक सूचकांक... बीएसई सेंसेक्स में 65 अंक की गिरावट आई जबकि एनएसई निफ्टी 27 अंक के नुकसान में रहा।

बीएसई का सेंसेक्स शुरुआती बढ़त गंवाकर 64.77 अंक की गिरावट के साथ 85,641.90 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, 452.35 अंक चढ़कर 86,159.02 अंक के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंचा था। वहीं, एनएसई का निफ्टी 27.20 अंक की गिरावट के साथ 26,175.75 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 122.85 अंक चढ़कर 26,325.80 अंक के उच्चस्तर पर पहुंचा था। विशेषज्ञों के अनुसार, दूसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर जीडीपी वृद्धि के बाद इस सप्ताह आरबीआई के प्रमुख ब्याज दर में कटौती की उम्मीद कम होने से बाजार में उच्चस्तर पर गिरावट देखी गई। जीएसटी संग्रह में धीमी वृद्धि और उच्चस्तर पर मुनाफावसूली से भी बाजार नुकसान में रहा। बाजार शुरुआती कारोबार में अपने रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंचा था। इसका कारण जुलाई-सितंबर में भारत की अर्थव्यवस्था के अनुमान से अधिक 8.2% की दर से बढ़ने के बाद निवेशकों की धारणा सकारात्मक थी। यह छह तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है।

मिडकैप नीचे, स्मॉलकैप में मामूली बढ़त

मझोली कंपनियों से संबंधित बीएसई मिडकैप सूचकांक 0 .19% नीचे आया जबकि छोटी कंपनियों से संबंधित स्मॉलकैप सूचकांक मामूली 0 .05% की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। एशिया के अन्य बाजारों में, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए थे।

डीआईआई ने 4,148.48 करोड़ के शेयर खरीदे

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 3,795 .72 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,148 .48 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1 .96 प्रतिशत बढ़कर 63 .60 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शुक्रवार को सेंसेक्स 13 .71 अंक की मामूली गिरावट के साथ 85,706 .67 अंक पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी 12 .60 अंक के नुकसान में रहा था।

राष्ट्रीय

वक्फ संपत्ति विवरण पर समय सीमा बढ़ाने से सुप्रीम इन्कार

उम्मीद पोर्टल पर विवरण अपलोड करने संबंधित याचिका पर हुई सुनवाई

- पीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा- समय सीमा से पहले संबंधित न्यायाधिकरणों से करें संपर्क

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 'उम्मीद' पोर्टल पर 'वक्फ बाय यूजर' सहित सभी वक्फ संपत्तियों के अनिवार्य पंजीकरण के लिए समय बढ़ाने से इन्कार कर दिया। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि वे समय सीमा से पहले संबंधित न्यायाधिकरणों से संपर्क करें।

हमारा ध्यान धारा 3बी के प्रावधान की ओर आकर्षित किया गया है। चूंकि आवेदकों के पास न्यायाधिकरण के समक्ष उपाय उपलब्ध है इसलिए हम सभी आवेदनों का निपटारा करते हुए उन्हें छह महीने की अवधि की अंतिम तिथि तक न्यायाधिकरण का रुख करने की स्वतंत्रता प्रदान करते हैं।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) के अलावा ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) नेता असदुद्दीन ओवैसी और कई अन्य ने सभी वक्फ संपत्तियों के अनिवार्य पंजीकरण के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध करते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया है। इससे पहले एक वकील ने कहा था कि वक्फ के अनिवार्य पंजीकरण की छह महीने की अवधि समाप्त होने वाली है। उच्चतम न्यायालय ने 15 सितंबर को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के कुछ प्रावधानों पर रोक लगा दी, जिनमें यह भी है कि केवल वे लोग ही किसी संपत्ति को वक्फ के रूप में दे सकते हैं जो पिछले पांच साल से इस्लाम का पालन कर रहे हैं। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा था कि केंद्र ने दुरुपयोग को देखते हुए 'वक्फ बाय यूजर' प्रावधान को हटा दिया और प्रत्याशित रूप से यह 'मनमाना' नहीं था। वक्फ बाय यूजर से आशय ऐसी संपत्ति से है, जहां किसी संपत्ति को औपचारिक दस्तावेज के बिना भी धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए उसके दीर्घकालिक उपयोग के आधार पर वक्फ के रूप में मान्यता दी जाती है, भले ही मालिक द्वारा वक्फ की औपचारिक, लिखित घोषणा न की गई हो।

असम में विशेष संक्षिप्त संशोधन कराने के चुनाव आयोग के फैसले को दी चुनौती

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें असम में चुनाव नामावली का केवल विशेष संक्षिप्त संशोधन करने का निर्णय लिया गया है, जबकि बिहार सहित 12 अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष गहन संशोधन कराया जा रहा है। यह याचिका गुवाहाटी हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मृणाल चौधरी ने दायर की है। याचिका में 17 नवंबर को जारी चुनाव आयोग के आदेश पर सवाल उठाया गया है। याचिका में कहा गया है कि जहां एक ओर छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप और पुडुचेरी में विशेष गहन संशोधन का निर्देश दिया गया है, वहीं असम में कम स्तर का संशोधन चुना गया है। यह फैसला आयोग के अपने ही रुख के खिलाफ है।

आपदा तैयारियों के मुद्दे पर केंद्र व अन्य को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र और अन्य से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें अग्निशमन सेवाओं, सड़क आपातकालीन प्रतिक्रिया और आपदा तैयारी में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और कर्मियों की कमी का आकलन करने और उसे पूरा करने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और संदीप मेहता की पीठ ऐसे व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसने 2019 में सूरत में आग लगने की घटना में अपनी बेटी को खो दिया था। शीर्ष न्यायालय ने केंद्र और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) सहित अन्य को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा। पीठ ने कहा कि नोटिस जारी करें, जिसका जवाब चार हफ़्तों के भीतर दिया जाए। याचिकाकर्ता व्यक्तिगत रूप से पेश हुआ और उसने दावा किया कि भारतीय राष्ट्रीय भवन संहिता, 2016 का सख्ती से पालन नहीं किया जा रहा है और देश भर में आग लगने की घटनाएं हो रही हैं।

बिश्नोई गिरोह से सुरक्षा पर विचार से इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के व्यक्ति की याचिका पर विचार से इन्कार कर दिया, जिसने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से धमकी मिलने का दावा करते हुए 24 घंटे सुरक्षा मुहैया देने मांग की गई थी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से पूछा, आपको कौन धमकी दे रहा है? लॉरेंस बिश्नोई उत्तर प्रदेश में भी काम करता है? वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता 24 घंटे सुरक्षा की मांग कर रहा है। जब पीठ ने कहा कि बिश्नोई गिरोह राजस्थान और पंजाब में सक्रिय है, तो वकील ने कहा, वह हर जगह सक्रिय है।

ईडी ने मसाला बॉण्ड मामले में सीएम विजयन व इसाक को भेजा नोटिस

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम। ईडी ने केआईआईएफबी मसाला बॉण्ड मामले में केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन, पूर्व वित्त मंत्री थॉमस इसाक और मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. एम. अब्राहम को 467 करोड़ के फेमा उल्लंघन से संबंधित कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

अधिकारियों ने बताया कि ईडी ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत यह नोटिस 12 नवंबर को जारी किया था। उन्होंने बताया कि यह नोटिस केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) व उसके प्राधिकारियों द्वारा फेमा प्रावधानों और आरबीआई के मुख्य निर्देशों के कथित उल्लंघन से संबंधित है, जिसकी राशि 466.91 करोड़ है। केआईआईएफबी के अध्यक्ष के रूप में विजयन, बोर्ड के उपाध्यक्ष पूर्व वित्त मंत्री इसाक व केआईआईएफबी के सीईओ अब्राहम के अलावा संस्थान को भी नोटिस जारी किए गए हैं। केरल सरकार ने मामले में गड़बड़ी से इन्कार किया है।

नए सभापति सभी को दें बोलने का अवसर

नई दिल्ली, एजेंसी

राज्यसभा में सोमवार को प्रधानमंत्री, सदन के नेता, नेता प्रतिपक्ष सहित विभिन्न दलों के नेताओं ने नये सभापति सी पी राधाकृष्णन को यह दायित्व संभालने के लिए बधाई देते हुए उम्मीद जतायी कि सांसद के रूप में उनके अनुभव से सदन के कुशल संचालन में मदद मिलेगी। कई दलों के सदस्यों ने सदन के सभी पक्षों को बोलने का समान अवसर देने का अनुरोध किया।

राधाकृष्णन का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि साधारण पृष्ठभूमि से उठकर सी. पी. राधाकृष्णन का उपराष्ट्रपति पद तक पहुंचना भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति को प्रदर्शित करता है।

सितंबर में चंद्रपुरम पोनुसामी (सी. पी.) राधाकृष्णन देश के 15वें उपराष्ट्रपति चुने गए थे। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं आपको बधाई देता हूं और भरोसा है कि इस सदन का हर सदस्य इसकी परंपराओं का सम्मान करेगा और आपकी गरिमा को बनाए रखेगा।

संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन राधाकृष्णन का स्वागत करते हुए सदन के नेता जेपी नड्डा ने उम्मीद जतायी वह संसद के उच्च सदन का कुशलतापूर्वक संचालन करेंगे।

विपक्ष की ओर से खरगे ने सभापति का स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस संवैधानिक मूल्यों और सदन की परंपराओं के साथ दृढ़ता से खड़ी है और कार्यवाही के सुचारू संचालन में सहयोग करेगी। पूर्व प्रधानमंत्री एवं जनता दल (एस) के एचडी देवेगौड़ा ने उम्मीद जतायी कि वह इस सदन की लम्बी परंपरा के अनुसार इसका संचालन करेंगे। टीएमसी के डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि विपक्ष को सदन में अपनी बात रखने का मौका दिया जाना चाहिए। द्रमुक के तिरुचि शिवा, आप के राघव चड्ढा, माकपा के जान ब्रिटास, जद(यू) के रामनाथ ठाकुर, सपा के जावेद अली खान, राकंपा के प्रफुल्ल पटेल और राकंपा (एसपी) की फौजिया खान ने सभापति से सदन में बोलने देने की उम्मीद जताई।

डब्ल्यूएमओ को हवाईअड्डे पर जीपीएस स्पूफिंग के स्रोत का पता लगाने का सरकार ने दिया निर्देश

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को कहा कि दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, अमृतसर, हैदराबाद, बैंगलोर और चेन्नई हवाई अड्डों पर 'जीपीएस स्पूफिंग' होने की खबर है, और वायरलेस निगरानी संगठन (डब्ल्यूएमओ) को 'स्पूफिंग' के स्रोत का पता लगाने का निर्देश दिया गया है। नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने राज्यसभा को बताया कि कुछ उड़ानों ने नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के आस-पास जीपीएस स्पूफ़िंग की सूचना दी, जब वे रनवे 10 पर पहुंच रहे थे, और जीपीएस आधारित विमान उतारने की प्रक्रिया का इस्तेमाल कर रहे थे। नायडू ने कहा, दूसरे रनवे पर, जहां पारंपरिक नौवहन प्रणाली चालू थी, उड़ानों के परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ा। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा देश का सबसे हवाई अड्डा है।

चुनाव सुधारों पर चर्चा की मांग को लेकर संसद परिसर में प्रदर्शन की तैयारी में विपक्षी दल

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन के घटक दल संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र के दौरान चुनाव सुधारों के विषय पर चर्चा की मांग करते हुए मंगलवार को संसद परिसर में प्रदर्शन कर सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि विपक्षी दलों के सांसद मंगलवार सुबह संसद भवन के मकर द्वार के निकट एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन की तैयारी में हैं। विपक्षी सदस्यों ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर सोमवार को लोकसभा में हंगामा किया जिससे सदन की कार्यवाही बाधित हुई। विपक्षी दलों के नेताओं ने सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र के लिए अपनी रणनीति पर चर्चा की।

प्रेमी के शव से शादी करने वाली युवती ने पुलिस पर मढ़े आरोप

नांदेड, एजेंसी

- कहा- प्रेमी की हत्या के लिए उसके भाई को पुलिस ने ही उकसाया था

महाराष्ट्र के नांदेड जिले में प्रेमी के शव से शादी करने के एक दिन बाद 21 वर्षीय युवती ने सोमवार को इतवारा थाने के दो पुलिसकर्मियों पर युवक की हत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया। युवती के दावे पर पुलिस की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

मृतक के घर पहुंची आंचल ममीदवार ने प्रेमी की हत्या के लिए अपने भाई को फांसी देने की अपील की। आंचल ने बताया कि हत्या वाले दिन, मेरा भाई हिमेश मुझे सुबह इतवारा थाने ले गया और सक्षम के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने को कहा। उसके इन्कार करने के बाद पुलिस के दो अधिकारियों ने उसके भाई को यह कहकर उकसाया कि उसे दूसरे लोगों से लड़ने के बजाय उस आदमी को मार देना चाहिए जिससे मैं प्यार करती हूं। हिमेश ने सक्षम की हत्या के बाद थाने वापस आने की चुनौती दी थी। उसने पुलिस से कहा कि वह सक्षम की हत्या करने के बाद थाने आएगा। फिर उसने उसे (सक्षम को) मार डाला। मेरी बस यही मांग है कि आरोपियों (उसके भाई और पिता) को भी उसी तरह मारा जाए जैसे सक्षम को मारा गया।

प. बंगाल : बीएलओ के प्रदर्शन के बीच सीईओ कार्यालय के बाहर तनाव

कोलकाता, एजेंसी

प. बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में लगे बीएलओ के एक वर्ग ने गणना प्रक्रिया के दौरान कथित अत्यधिक कार्यभार को लेकर सोमवार को सीईओ कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद अधिकारियों को प्रदर्शन स्थल पर पुलिस की तैनाती बढ़ानी पड़ी। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा का प्रतिनिधिमंडल चुनाव अधिकारियों के साथ बैठक के लिए वहां पहुंचा तो प्रदर्शनकारियों ने विरोध में नारे लगाए और पुलिस बैरिकेड तोड़ने का प्रयास किया। हालांकि, अधिकारी और कई अन्य भाजपा विधायकों ने अधिकारियों के साथ बैठक जारी रखी।

बैरिकेड तोड़ने का प्रयास करते प्रदर्शनकारियों को रोकती पुलिस।

पुलिस ने शुभेंदु के दौरे से पहले कई स्तर पर बैरिकेड लगाए थे और अतिरिक्त बल तैनात किया था। भाजपा प्रतिनिधिमंडल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय परिसर में प्रवेश करने के कुछ ही मिनट बाद प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की और इस बात पर जोर दिया कि उन्हें भी ज्ञापन सौंपने के लिए अंदर जाने दिया जाए। समिति के सदस्य बीएलओ के लिए बेहतर कार्य स्थितियों की मांग को लेकर कुछ दिनों से सीईओ कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं।

यहां बर्फ ही बर्फ...

सर्दियां शुरू होने के साथ ही जम्मू-कश्मीर की वादियों में बर्फ भी पड़ने लगी है। पेड़ों और घरों पर यह बर्फ मनोहारी दृश्य भी उपस्थित कर रही है। शोपियां में एक ठंडे दिन में पड़े पाले ने सूखे पत्तों को इस तरह ढक लिया जैसे किसी ने चित्रकारी की हो।

जीपीएस स्पूफिंग : विमानों की सुरक्षा से खिलवाड़

जीपीएस स्पूफिंग की ताजा घटना इसी महीने के शुरू में भारत में हुई थी। इसकी वजह से दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आठ सौ से ज्यादा घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें प्रभावित हुई थीं। इस घटना से भारतीय उड्डयन उद्योग के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी। दरअसल, जीपीएस स्पूफिंग के कारण कई बार आधुनिक नेविगेशन सिस्टम भी निष्क्रिय साबित हो जाते हैं। आसमान में पायलट को रनवे ढूंढने में भी दिक्कत होती है। जाहिर है कि ऐसे में हजारों यात्रियों की जिंदगी दांव पर लग जाती है। कई बार यात्रियों की सुरक्षा के लिए फ्लाइट को डाइवर्ट करना पड़ता या लंबा इंतजार करना पड़ता है। जीपीएस स्पूफिंग स्मार्टफोन एप्स और लोकेशन डाटा में भी गड़बड़ी कर सकता है। इसके अलावा जीपीएस डाटा पर निर्भर नेटवर्क सिस्टम और महत्वपूर्ण ढांचों पर भी इसके जरिए साइबर हमले किए जा सकते हैं।

जीपीएस स्पूफिंग कितना बड़ा खतरा

जीपीएस स्पूफिंग एक साइबर हमला है जिसमें नकली जीपीएस सिग्नल का उपयोग करके नेविगेशन सिस्टम को गुमराह किया जाता है। इससे विमान को गलत स्थान, दिशा या समय की जानकारी मिलती है, ऐसे में विमानों के लिए यह एक बेहद गंभीर सुरक्षा खतरा बन जाता है। जीपीएस स्पूफिंग के कारण विमान को लगता है कि वह किसी दूसरी जगह है। हालांकि वह हकीकत में असल जगह से कई किमी दूर होता है। जीपीएस स्पूफिंग विमानों के नेविगेशन को गड़बड़ कर सकता है, इनर्शियल रेफरेंस सिस्टम जैसे बैकअप ऐसी स्थिति में मददगार होते हैं।

क्या है जीपीएस स्पूफिंग

यह एक साइबर हमला है जिसमें जीपीएस रिसीवर को गलत उपग्रह संकेत भेजकर धोखा दिया जाता है। यह जीपीएस सिग्नल को जाम करने से अलग है, इसमें सिग्नल रोकने के बजाय गलत जानकारी दी जाती है। जीपीएस स्पूफिंग के परिणामस्वरूप विमान, जहाज और वाहन गलत स्थान पर होने की रिपोर्ट दे सकते हैं।

कैसे की जाती है स्पूफिंग

अमेरिका का जीपीएस सिस्टम (नेवस्टार) 31 सैटेलाइट के समूह से बना है, ये सैटेलाइट पीआरएन कोड नागरिकों और अमेरिकी सेना दोनों को प्रसारित करते हैं। सेना के लिए भेजे जाने वाले कोड एन्क्रिप्टेड होते हैं, लेकिन नागरिकों को भेजे जाने वाले कोड एन्क्रिप्टेड नहीं होते। इसी वजह से वे साइबर हमले के शिकार हो जाते हैं। सबसे पहले हैकर यह पता लगता है कि किस जीपीएस सैटेलाइट का सिग्नल स्पूफिंग के समय आसपास होगा। इसके लिए सैटेलाइट की ऑर्बिट को देखा जाता है।

विमानों की सुरक्षा में भूमिका

- स्पूफिंग विमानन सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है क्योंकि यह नेविगेशन सिस्टम को भ्रमित कर सकता है, जिससे विमान गलत रास्ते पर जा सकता है।
- विमानों में इनर्शियल रेफरेंस सिस्टम जैसे बैकअप सिस्टम स्वतंत्र रूप से काम करते हैं। जीपीएस विफल होने पर इनका इस्तेमाल किया जाता है।
- स्पूफिंग केवल वाणिज्यिक विमानों को ही नहीं बल्कि निगरानी विमानों को भी प्रभावित कर सकता है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा होता है।
- जीपीएस जैमिंग के विपरीत स्पूफिंग का पता लगाना कठिन होता है क्योंकि इसमें रिसीवर को यकीन दिलाया जाता है कि सब कुछ ठीक है।

वार जोन में भी इस्तेमाल

स्पूफिंग और जैमिंग वार जोन में भी होती है, मिडिल ईस्ट में यह कई बार हो चुका है। युद्धरत देश स्पूफिंग में महंगी और शक्तिशाली मशीनों का इस्तेमाल करते हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

अतीत की गलतियों पर आत्ममंथन करे जापान

बीजिंग। चीन ने जापान से अपने अतीत पर गहराई से आत्मनिरीक्षण करने, अपनी अनाप-शनाप टिप्पणियों को वापस लेने और ठोस कार्रवाई के माध्यम से चीन के प्रति अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धताओं को प्रदर्शित करने का आग्रह किया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने सोमवार को एक नियमित समाचार ब्रीफिंग में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, अत्यधिक महत्व के मुद्दों पर, जापानी पक्ष को यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि वे टाल-मटोल कर सकते हैं।

तेल टैंकरों पर यूक्रेन के हमलों की निंदा की

मास्को। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने काला सागर में दो तेल टैंकरों और एक बंदरगाह पर हाल ही में हुए यूक्रेनी हमलों की निंदा की। मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार ज़खारोवा ने कहा कि गाम्बिया के झंडे तले रूसी बंदरगाह नोवोरोस्सिएस्स्क जा रहे दो टैंकरों पर शुक्रवार और शनिवार को हमले में मानवरहित नावों का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी खुफिया सेवाओं ने इन हमलों की ज़िम्मेदारी ली है। प्रवक्ता ने कहा कि लक्षित नागरिक ऊर्जा अवसंरचना वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

सैन्य बल मुख्यालय पर हमले की कोशिश

कराची। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में अर्धसैनिक बल के मुख्यालय पर हमले की कोशिश को सुरक्षाकर्मियों ने नाकाम करते हुए प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के तीन चरमपंथियों को ढेर कर दिया। अर्धसैनिक बल के एक प्रवक्ता ने बताया कि रविवार रात चगाई जिले के नोकुंडी कस्बे में फ्रंटियर कोर के मुख्यालय पर एक आत्मघाती हमलावर द्वारा हमला किए जाने के बाद चरमपंथियों ने वहां घुसने का प्रयास किया।

खालिदा जिया को वेंटिलेटर पर रखा

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत बहुत खराब है और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है तथा स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा विशेषज्ञ उनके इलाज की निगरानी कर रहे हैं। यह जानकारी उनकी पार्टी के नेताओं ने सोमवार को दी। बीएनपी की अध्यक्ष जिया को 23 नवंबर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

जैविक हथियार: चुनौती से निपटने को खाका तैयार करने की जरूरत

जैविक हथियार संधि की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित सम्मेलन में बोले जयशंकर

- बीडब्ल्यूसी में अब भी बुनियादी ढांचे की कमी : विदेश मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने सोमवार को अनिश्चित अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा माहौल को देखते हुए जैविक हथियारों के संभावित दुरुपयोग पर रोक लगाने के लिए एक वैश्विक तंत्र की जरूरत बताई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि सरकार से इतर तत्वों द्वारा जैविक हथियारों का दुरुपयोग किया जाना अब दूर की बात नहीं है और ऐसी चुनौती से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग जरूरी है। उन्होंने जैविक हथियार संधि (बीडब्ल्यूसी) की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जैविक आतंकवाद एक गंभीर चिंता का विषय है, जिसके लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को पूरी तरह से तैयार रहना होगा।

हालांकि, बीडब्ल्यूसी में अब भी बुनियादी संस्थागत ढांचे की कमी है। विदेश मंत्री ने कहा कि इसमें कोई अनुपालन प्रणाली नहीं है, कोई स्थायी तकनीकी संस्था नहीं है और नए वैज्ञानिक घटनाक्रमों पर नजर रखने के लिए कोई तंत्र नहीं है। भरोसा मजबूत करने के लिए इन खामियों को दूर करना आवश्यक है। मंत्री ने कहा कि भारत ने लगातार बीडब्ल्यूसी के अंदर मजबूत अनुपालन उपायों की मांग की है, जिसमें आज की दुनिया के अनुरूप सत्यापन भी शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत शांतिपूर्ण इस्तेमाल के उद्देश्य से सामग्री और उपकरणों के आदान-प्रदान को संभव बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एवं मदद का समर्थन करता है। विदेशमंत्री ने कहा कि हमने वैज्ञानिक और तकनीकी विकास की व्यवस्थित समीक्षा की मांग की है ताकि शासन वास्तव में नवाचार की गति के साथ तालमेल बिठा सके। जयशंकर ने कहा कि भारत ने लगातार बीडब्ल्यूसी के भीतर मजबूत अनुपालन उपायों का आह्वान किया है, जिसमें आज की दुनिया के लिए तैयार की गयी सत्यापन व्यवस्था भी शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत शांतिपूर्ण उपयोग के लिए सामग्रियों और उपकरणों के आदान-प्रदान को संभव बनाने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सहायता का समर्थन करता है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने एक राष्ट्रीय कार्यान्वयन मसौदा प्रस्तावित किया है जिसमें उच्च जोखिम वाले किरदारों की पहचान, दोहरे उपयोग वाले अनुसंधान की निगरानी, घटना प्रबंधन और निरंतर प्रशिक्षण शामिल है। उन्होंने कहा कि बीडब्ल्यूसी 50 वर्षों से एक साधारण विचार पर कायम है कि मानवता इसे अस्वीकार करे। लेकिन मानदंड तभी जीवित रहते हैं जब राष्ट्र उनका नवीनीकरण करते हैं। अगले 50 वर्षों में ठोस कार्रवाई की आवश्यकता होगी। विदेशमंत्री ने कहा कि हमें संधि को वर्तमान के अनुरूप बनाना होगा, हमें विज्ञान के साथ तालमेल रखना होगा और वैश्विक क्षमता को मजबूत करना होगा ताकि सभी देश जैविक जोखिमों का पता लगा सकें, उन्हें रोक सकें और उनका जवाब दे सकें।

नई दिल्ली में जैविक हथियार संधि की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते विदेश मंत्री एस जयशंकर।

भारत अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार

जयशंकर ने कहा कि भारत ग्लोबल साउथ के लिए एक विश्वसनीय भागीदार और वैश्विक जैव सुरक्षा के प्रतिबद्ध समर्थक की भूमिका के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा वातावरण अधिक अनिश्चित हो गया है और प्रौद्योगिकी में तीव्र विकास के कारण परिष्कृत जैव प्रौद्योगिकी उपकरणों की उपलब्धता और सामर्थ्य में वृद्धि हुई है तथा निर्माण की लागत में कमी आई है। जयशंकर ने कहा कि कोविड-19 महामारी सहित हाल के प्रकोपों ने सभी को प्रभावित किया है।

श्रीलंका में ऑपरेशन सागर बंधु के तहत चक्रवात प्रभावित क्षेत्र से लोगों को निकालते हुए भारतीय वायुसेना के जवान।

सकारात्मक रही अमेरिका-यूक्रेन के बीच बातचीत

हॉलैंडेल बीच। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के समाधान की संभावनाओं को तलाशने के लिए अमेरिका और यूक्रेन के अधिकारियों ने रविवार को लगभग चार घंटे तक बातचीत की। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बाद में बताया कि बातचीत सकारात्मक रही लेकिन शांति समझौते को अमल में लाने के लिए अब भी काम किया जाना बाकी है। रुबियो ने कहा, यह केवल उन शर्तों की बात नहीं है जो लड़ाई को खत्म करती हैं। बल्कि यह उन शर्तों की भी बात है जो यूक्रेन को दीर्घकालिक समृद्धि के लिए तैयार करती हैं। मुझे लगता है कि हमने आज उस दिशा में प्रगति की है, लेकिन अभी और काम किया जाना बाकी है। फ्लोरिडा में यह उच्च स्तरीय बातचीत हुई।

श्रीलंका में फंसे भारतीयों को निकाला, राहत कार्य में तेजी

कोलंबो, एजेंसी

- तिरुवनंतपुरम पहुंचा 104 भारतीयों का अंतिम समूह

भारत ने श्रीलंका में चक्रवात दितवा के कारण मची तबाही के बाद कोलंबो में बचाव अभियान में तेजी लाते हुए वहां फंसे भारतीय नागरिकों के आखिरी समूह को सोमवार को निकाल लिया। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि भंडारनायके अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंसे 104 भारतीयों का आखिरी समूह 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत भारतीय वायु सेना के विमान से सुबह करीब साढ़े छह बजे तिरुवनंतपुरम पहुंचा।

उच्चायोग ने कहा कि श्रीलंका के बचाव प्रयासों में भारत ने अपनी मदद तेज कर दी है और अभियान का विस्तार कई प्रभावित क्षेत्रों तक किया है। अधिकारियों के अनुसार चेतक हेलीकॉप्टर ने कई लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जबकि वायु सेना के कई हेलीकॉप्टर ने कोटमाले में तलाश अभियान संचालित किया जो सबसे ज्यादा प्रभावित मध्य पर्वतीय क्षेत्र है तथा भूस्खलन एवं बाढ़ के कारण यहां सड़क संपर्क टूट गया है। कहा कि खोज एवं बचाव अभियानों के लिए भारत की विशेषीकृत आपदा प्रतिक्रिया एजेंसी एनडीआरएफ और एचएडीआर की टीम कल कोलंबो पहुंची। उन्होंने श्रीलंका के अधिकारियों के साथ मिलकर कोच्चिकाडे में बचाव अभियान संचालित किया।

ईसा मसीह पर बनी पेंटिंग 27 लाख डॉलर में बिकी

वर्सलीज। बारोक काल के महान चित्रकार पीटर पॉल रूबेन्स की एक लंबे समय से खोई हुई पेंटिंग रविवार को वर्सलीज में हुई नीलामी में 27 लाख डॉलर में बिकी। यह पेंटिंग चार सदी से अधिक समय बाद हाल में पेरिस के एक निजी टाउनहाउस में मिली थी। इसमें ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाए जाने का दृश्य दर्शाया गया है। यह एक फ्रांसीसी संग्रह का हिस्सा थी और शुरू में यह माना जा रहा था कि यह उस समय मौजूद रूबेन्स की कई कार्यशालाओं में से किसी एक में बनाई गई कृति है। नीलामीकर्ता जीन-पियरे ने बताया कि पेंटिंग को रुबेनियानम से प्रमाणित कराया।

जमीन घोटाला मामले में हसीना को 5 साल की सजा

ढाका, एजेंसी

- बांग्लादेश की पूर्व पीएम की बहन और भांजी को भी सुनाई सजा

बांग्लादेश की एक अदालत ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को जमीन घोटाला मामले में सोमवार को पांच साल की जेल और उनकी भांजी एवं ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीक दो साल जेल की सजा सुनाई। ढाका के विशेष न्यायाधीश की अदालत-4 के न्यायाधीश मोहम्मद रबीउल आलम ने हसीना की बहन शेख रेहाना को भी सात साल जेल की सजा सुनाई। भ्रष्टाचार के इस मामले में 17 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। कोर्ट ने तीन आरोपियों की गैरमौजूदगी में यह फैसला सुनाया। शेष 14 आरोपियों में से प्रत्येक को पांच साल की जेल हुई। अदालत ने हसीना, रेहाना और सिद्दीक समेत सभी 17 दोषियों में से प्रत्येक पर एक लाख टके का जुर्माना भी लगाया और जुर्माना नहीं भरने पर उन्हें छह महीने की अतिरिक्त जेल काटनी होगी।

पाकिस्तान में एक आत्मघाती हमले में पुलिसकर्मी की मौत

पेशावर। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा में सोमवार को एक पुलिस वाहन के पास हुए आत्मघाती हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह घटना लक्की मारवात जिले में हुई। ताजोरी पुलिस थाने की एक पुलिस वैन के समीप एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को विस्फोट से उड़ा लिया। विस्फोट में हेड कांस्टेबल अलाउद्दीन की मौत हो गई जबकि घायल हुए अन्य पुलिसकर्मियों को अस्पताल ले जाया गया। हमलावर का साथी भागने में सफल रहा।

भारतीयों से अमेरिका को हुआ फायदा

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- मस्क बोले-एच1बी वीजा बंद करने से यूएस को होगा नुकसान

अमेरिका की एयरोस्पेस कंपनी 'स्पेसएक्स' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने एच1बी वीजा का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि अमेरिका को भारत से आए प्रतिभाशाली लोगों का अत्यंत फायदा मिला है और चेतावनी दी कि यदि इसे बंद कर दिया गया तो यह अमेरिका के लिए बहुत बुरा होगा।

अमेरिका के प्रौद्योगिकी क्षेत्र के अरबपति कारोबारी ने एक पॉडकास्ट के दौरान यह टिप्पणी की, जो रविवार को प्रसारित हुआ। मस्क ने कहा कि हां, मुझे लगता है कि अमेरिका को उन प्रतिभाशाली भारतीयों से बहुत

लाभ हुआ है जो अमेरिका आए... अमेरिका, भारत की प्रतिभा से अत्यंत लाभान्वित हुआ है। एच-1बी वीजा को लेकर टेस्ला के सीईओ ने कहा कि भले ही इस कार्य वीजा कार्यक्रम का कुछ दुरुपयोग हुआ है लेकिन इसे बंद नहीं किया जाना चाहिए।

अवैध आव्रजन से नकारात्मक प्रभाव

मस्क ने आरोप लगाया कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में बड़े पैमाने पर अवैध आव्रजन हुआ, जिसने नकारात्मक प्रभाव पैदा किया। उन्होंने कहा अगर अमेरिका में अवैध रूप से आने और सरकारी लाभ पाने का बड़ा आर्थिक प्रलोभन होगा, तो स्वाभाविक रूप से लोग अमेरिका आने की कोशिश करेंगे। यह पूरी प्रोत्साहन संरचना ही गलत थी। जब उनसे पूछा गया कि भारत के युवा उद्यमियों के लिए उनका संदेश क्या है, तो मस्क ने कहा कि वह उन सभी का सम्मान करते हैं जो कुछ बनाना चाहते हैं। कहा कि आप जो पाना चाहते हैं, उससे अधिक देने का लक्ष्य रखें।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 2 दिसंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 03 .57 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

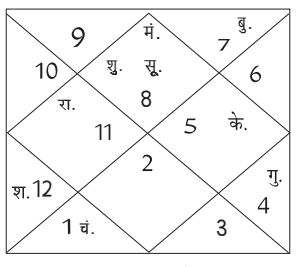

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुम्भ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-अश्विनी 08 .51 तक तत्पश्चात भरणी।

मेष — आज आप कारोबार को लेकर मित्रों से सहायता ले सकते हैं। रुके हुए कार्य पुनः से प्रारम्भ होंगे। छात्र पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। बेरोजगार लोगों को नई नौकरी मिल सकती है। किसी मांगलिक उत्सव में आप सम्मिलित हो सकते हैं।

वृष — आज कार्यक्षेत्र को लेकर मन में उत्साह की कमी देखने को मिलेगी। नजदीकी लोगों के साथ आपके रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं। आज आपको धैर्य और संयम के साथ अपने काम पर ध्यान देना चाहिये। दूसरों की सलाह पर अधिक ध्यान न दें।

मिथुन — आज कार्यक्षेत्र में आपको पदोन्नति मिल सकती है। संतान के विवाह में आ रही बाधा दूर होगी। जीवनसाथी और बच्चों से आपको प्रेम और सम्मान दोनों ही प्राप्त होंगे। आपके विचारों से लोग प्रभावित रहेंगे। सरकारी मामलों में आपको सफलता मिलने की संभावना है।

कर्क — आज परिवार में उत्सव का वातावरण रहेगा। सहकर्मियों की तुलना में आपका प्रदर्शन विशेष और अच्छा रहेगा। किसी बहूमूल्य वस्तु को खरीद सकते हैं। कच्चे माल के आयात-निर्यात में उत्तम धन लाभ हो सकता है। आपकी भावनाओं का अनादर हो सकता है।

सिंह — आज आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। निजी समस्याओं का निराकरण होगा। कुछ कठिन काम आसानी से अचानक बनने से मन प्रसन्न होगा। गैस और एसिडिटी की समस्या हो सकती है। सामाजिक कार्यों में आपकी प्रशंसा होगी।

कन्या — आज पारिवारिक आयोजन किसी कारणवश टल सकते हैं। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें। किसी के उकसावे में आकर काम न करें। अन्य दिनों की अपेक्षा दिन कुछ कमजोर रहेगा। अधीनस्थ कर्मचारियों पर नाराज हो सकते हैं।

तुला — आज आपकी कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। कोई भी बड़ा काम शुरू करने से पहले बड़ों की राय अवश्य लें। भोग-विलास का भरपूर आनंद उठायेंगे। आपका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। व्यवसाय में सारी परिस्थितियां आपके अनुकूल रहने वाली हैं।

वृश्चिक — आज आपके व्यक्तित्व में तीव्र आकर्षण रहेगा। इसके कारण आप लोकप्रिय रहेंगे। खर्च करने से पहले बजट का ध्यान अवश्य रखें। गले में खराश और बुखार जैसी समस्या हो सकती है। अनुसंधान संबंधी कार्यों में सफलता मिल सकती है।

धनु — आज कार्यक्षेत्र में आप अत्यधिक व्यस्त रहेंगे। प्रेम संबंधों में कुछ अनबन हो सकती है। लोग आपकी बातों को अत्यन्त गंभीरता से लेंगे। विद्वान लोगों से भेंट हो सकती है। शाम के समय मित्रों के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

मकर — आज नई परियोजनाओं में सफलता देर से मिलेगी। मानसिक स्थिति नकारात्मक हो सकती है। व्यर्थ में अपने शुभचिंतकों पर संदेह न करें। अधिक भागदौड़ से आपको बचना चाहिए। धन को लेकर दिक्कतें उत्पन्न हो सकती हैं।

कुंभ — आज कारोबारी यात्राओं से आपको लाभ मिलेगा। दूसरों की बातों में आकर अपना समय बर्बाद न करें। रचनात्मक गतिविधियों में सुखद समय बीतेगा। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। परिवार में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन के अवसर मिलेंगे।

मीन — आज नए व्यावसायिक संपर्क विकसित होने के योग बन रहे हैं। आपके विनम्र व्यवहार से विपरीत लिंगी लोग आपसे आकर्षित रहेंगे। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। घर में कुछ रिश्तेदार आ सकते हैं। विदेश में व्यापार कर रहे लोगों को कारोबार में विस्तार के अवसर मिल सकते हैं।

सुडोकू -178

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			1			2		
		1						
8								3
7								
				9				
		2					6	
	4							

सुडोकू - 177 का हल

1	2	8	6	5	3	4	9	7
5	7	4	1	8	9	2	3	6
6	9	3	7	2	4	8	1	5
4	1	5	8	9	6	3	7	2
9	8	2	3	7	1	5	6	4
7	3	6	5	4	2	1	8	9
8	6	9	4	3	5	7	2	1
2	5	7	9	1	8	6	4	3
3	4	1	2	6	7	9	5	8

कप्तान के रूप में रोहित हमेशा टीम को यह दिखाते रहे हैं कि वह उनसे क्या चाहते हैं। टी20 और वनडे क्रिकेट में भारत जिस आक्रामक अंदाज की बल्लेबाजी से गुजरा है उसका बहुत सारा श्रेय रोहित और राहुल भाई को जाता है।

-आर अश्विन

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

कानपुर नगर, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025

हाईलाइट

पीएनबी की ब्रांड एंबेसडर बनीं हरमनप्रीत

नई दिल्ली : पब्लिक सेक्टर के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने सोमवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को अपना पहला महिला ब्रांड एंबेसडर बनाया है। यह घोषणा बैंक के कॉरपोरेट कार्यालय में 'बैंकिंग ऑन चैंपियंस' थीम के तहत समारोह में हुई। इस अवसर पर हरमनप्रीत कौर को उनके नाम और नंबर वाली एक फ्रेमयुक्त पीएनबी जर्सी, साथ ही एक कस्टम-उत्कीर्णित पीएनबी बैट भेंट किया गया।

राष्ट्रीय निशानेबाजी में 16 हजार प्रतिस्पर्धी

नई दिल्ली : 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप प्रतियोगिता (एनएससीसी) की राइफल, पिस्टल और शॉटगन स्पर्धाओं की अलग-अलग कैटेगरी में क्वालीफाई करने वाले 16 हजार से अधिक निशानेबाज सोमवार से डॉ. कर्णी सिंह रेंज में शुरु हुई प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं। दोहा में चार से नौ दिसंबर तक चलने वाले आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल को ध्यान में रखते हुए इस चैंपिनशिप को महत्वूपर्ण माना जा रहा है। आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल के लिए 15 भारतीयों ने क्वालिफाई किया है।

इंडियन पिकेलबॉल लीग में लखनऊ जीता

नई दिल्ली : लखनऊ लैपर्ड्स, हैदराबाद रॉयल्स और चेन्नई सुपर वारियर्स ने सोमवार को यहां पहली इंडियन पिकेलबॉल लीग (आईपीबीएल) के शुरुआती दिन जीत दर्ज की। लखनऊ की टीम ने बेंगलुरु ब्लास्टर्स को 4-1 से हराया जबकि हैदराबाद रॉयल्स ने कैपिटल्स वारियर्स गुड़गांव को 4-2 से शिकस्त दी। चेन्नई सुपर वारियर्स ने भी मुंबई स्मैशर्स को 5-1 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। आईपीबीएल को द टाइम्स समूह ने लॉन्च किया है और इसे भारतीय पिकेलबॉल संघ से मान्यता प्राप्त है।

फुटबॉल में रुकावट खत्म होने की उम्मीद

नई दिल्ली : खेल मंत्रालय ने फुटबॉल की मौजूदा रुकावट को खत्म करने के लिए इंडियन सुपर लीग और आई-लीग क्लबों समेत सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ तीन दिसंबर को बैठक बुलाई हैं। माना जा रहा है कि खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया इन बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। इसको लेकर खेल मंत्रालय ने सोमवार को एक पत्र जारी किया है।

भारत ने नामीबिया को 13-0 से हराया

सैंटियागो (चिली) : हिना बानो और कनिका सिवाच की हैट्रिक की बदौलत भारत ने सोमवार को यहां नामीबिया को 13-0 से हराकर जूनियर महिला हॉकी विश्व कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। हिना (35 वां, 35 वां, 45 वां मिनट) और कनिका (12 वां, 30 वां, 45 वां मिनट) के गोलों के अलावा साक्षी राणा (10 वां, 23 वां मिनट) ने दो गोल किए, जबकि बिनीमा धान (14 वां मिनट), सोनम (14 वां मिनट), साक्षी शुक्ला (27 वां मिनट), इशिका (36 वां मिनट) और मनीषा (60 वां मिनट) ने भी गोल किए। इस जीत के साथ भारत तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होगा गिल की फिटनेस का आकलन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय टीम के उप कप्तान शुभमन गिल अनिवार्य फिटनेस आकलन के लिए सोमवार को बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पहुंचेंगे। इस आकलन के नतीजे के आधार पर नौ दिसंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैच की सीरीज में उनकी वापसी पर फैसला किया जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन बल्लेबाजी करते हुए गिल की गर्दन में चोट लगी थी और इसके बाद वह दूसरे टेस्ट और मौजूदा एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सीरीज में नहीं खेल पाए। भारत की टी20 अंतर्राष्ट्रीय टीम में किसी हैरान करने वाले नाम को जगह मिलने की उम्मीद नहीं है, बशर्ते कोई खिलाड़ी चोटिल नहीं हो। अजित अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की खेल विज्ञान टीम से गिल की फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर पीटीआई को बताया, ''गिल को इंजेक्शन लगाया गया था और उन्हें 21 दिन के आराम और रिहैबिलिटेशन की सलाह दी गई थी जिसमें चोट से प्रभावित मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए विशिष्ट व्यायाम शामिल थे। सूत्र ने कहा ट्रेनिंग के दौरान खेल विज्ञान टीम के उनकी मूवमेंट का आकलन करने तक कुछ नहीं कहा जा सकता। यह भी नहीं पता कि बल्लेबाजी करते हुए वह बिल्कुल भी असहज नहीं है। मौजूदा स्थिति को देखते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए गिल की वापसी की संभावना 50 प्रतिशत है।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चीजों की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया 21 अक्टूबर से 30 नवंबर तक हार्दिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से बाहर भी नहीं निकले और उन्होंने अपना रिहैब और 'रिटर्न टू प्ले' प्रोटोकॉल पूरे किए। उन्हें टी20 में खेलने की पूरी स्वीकृति (बल्लेबाजी और गेंदबाजी करने की) मिली है और वह पंजाब के खिलाफ मैच के लिए बड़ौदा टीम से जुड़ भी गए हैं। वह चार दिसंबर को गुजरात के खिलाफ खेलेंगे और अगर भारतीय टीम प्रबंधन उन्हें पहले नहीं बुलाता है तो वह छह दिसंबर को हरियाणा के खिलाफ मैच में खेलने की भी योजना बना रहे हैं।

टी-20 प्रारूप में खेलेंगे हार्दिक पंड्या

भारतीय प्रशंसकों के लिए हालांकि अच्छी खबर भी है क्योंकि हार्दिक पंड्या को टी20 प्रारूप में खेलने की स्वीकृति मिल गई है और वह मंगलवार को हैदराबाद में बड़ौदा के लिए पंजाब के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मुकाबले के साथ लगभग ढाई महीने बाद अपना पहला मैच खेलेंगे। उनके चार दिसंबर को बड़ौदा और गुजरात के बीच होने वाले मैच में भी खेलने की संभावना है। राष्ट्रीय चयनकर्ता प्रज्ञान ओझा दोनों मैच के दौरान उपस्थित रहेंगे जिसके कि टीम की घोषणा से पहले उनकी फिटनेस को परख सकें।

विराट कोहली की तारीफों के बांधे पुल

बल्लेबाजी कोच ने कहा- विराट के भविष्य को लेकर सवाल ही नहीं उठता, उनकी फिटनेस और फॉर्म बरकरार

रांची, एजेंसी

भारतीय बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक का मानना है कि विराट कोहली के वनडे में भविष्य को लेकर अटकलें नहीं लगनी चाहिए क्योंकि इस दिग्गज खिलाड़ी की 50 ओवर के क्रिकेट में फिटनेस, फॉर्म और प्रभाव पहले की तरह बरकरार है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैच की सीरीज से पहले सवाल उठाए जा रहे थे कि क्या कोहली और रोहित शर्मा 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए मुख्य कोच गौतम गंभीर की योजना में शामिल हैं या नहीं। कोटक ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि कोहली के भविष्य को लेकर बहस क्यों हो रही है।

कोटक ने रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में भारत की 17 रन की करीबी जीत के बाद कहा मुझे वास्तव में नहीं पता कि हमें इन सब बातों पर गौर करने की जरूरत क्यों है। वह बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और हमें उनके भविष्य के बारे में बात करने की क्या जरूरत है। वह जिस तरह से प्रदर्शन कर रहे हैं, उनकी फिटनेस जिस तरह से है उसे देखकर किसी भी चीज को लेकर कोई सवाल ही नहीं उठता। कोटक ने कहा कि भूमिकाओं को लेकर स्पष्टता, वास्तविक समय में सीख और सीनियर खिलाड़ियों का अनुभव इस समय भविष्य की योजनाओं से कहीं ज्यादा मायने रखते हैं।

उन्होंने कहा वह वाकई शानदार है यार। जब तक वह इसी तरह बल्लेबाजी करता रहेगा, किसी और चीज़ के बारे में बात करने का कोई मतलब नहीं है। बल्लेबाजी कोच ने जोर देकर कहा कि न तो खिलाड़ी और न ही टीम प्रबंधन विश्व कप के बारे में सोच रहे हैं और सीनियर खिलाड़ियों के बारे में इस संदर्भ में चर्चा करने की तो बात ही छोड़ दीजिए। मुझे नहीं लगता कि इस बारे में चर्चा होनी चाहिए। रोहित और कोहली दोनों शानदार हैं। वे अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और टीम में योगदान दे रहे हैं। एक बार जब टीम आ जाती है और अभ्यास शुरू हो जाता है, तो हम बस उसका आनंद लेते हैं। हम 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के बारे में कोई बात नहीं कर रहे हैं।

कोटक ने कहा कि रविवार को कोहली का वनडे करियर का 52वां शतक न केवल उनकी विरासत की याद दिलाता है, बल्कि यह इस बात का भी उदाहरण है कि जिस प्रारूप को वह अब प्राथमिकता देते हैं, उसमें वह कितनी सहजता से जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

कोटक ने कहा यह एक शानदार पारी थी। उन्होंने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की, जिम्मेदारी ली और एक बार फिर दिखाया कि वह कितने असाधारण खिलाड़ी क्यों हैं। पारी के दौरान कोहली की पीठ में मामूली तकलीफ के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा जहां तक मुझे पता है, वह ठीक हैं।

कोटक ने टेस्ट सीरीज में हार के बाद रोहित शर्मा और कोहली दोनों की टीम में वापसी पर भी बात की। उन्होंने कहा वे अनुभवी खिलाड़ी हैं और जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं और साझेदारियां निभा रहे हैं उससे बहुत फर्क पड़ता है। वे अपना अनुभव युवा खिलाड़ियों के साथ साझा करते हैं, और यह अपने आप में एक बड़ा फायदा है। कोटक ने इसके साथ ही मैच के बारे में बात करते हुए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हर्षित राणा की विशेष प्रशंसा की, जिनके कठिन परिस्थितियों में शुरुआती झटकों ने दक्षिण अफ्रीका को मैच जीतने से रोक दिया।

उन्होंने कहा शुरुआती विकेट लेने का बहुत सारा श्रेय हर्षित को जाता है। कूकाबुरा गेंद से आपको केवल शुरुआती दो से पांच ओवर तक ही स्विंग मिलती है और उसने इसका पूरा फायदा उठाया।

दूसरे एकदिवसीय मैच के लिए विराट कोहली रांची एयरपोर्ट से रायपुर के लिए रवाना हुए। एजेंसी

इस उम्र में भी खेलने की भूख के लिए स्टेन ने खुशी जताई

रांची : अपने कैरियर के सर्वश्रेष्ठ दौर से गुजरने के बाद अधिकांश खिलाड़ी घर पर अपने परिवार और कुत्ते के साथ रहना पसंद करते हैं, लेकिन 37 वर्ष के विराट कोहली अभी भी मैदान पर चुस्ती के साथ दौड़ते और डाइव लगाते देखे जा सकते हैं और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज डेल स्टेन खेलने को लेकर उनके इसी जुनून के कायल हैं। टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले कोहली ने दिखाया कि वनडे क्रिकेट में अब भी उनका कोई सानी नहीं है। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में यहां अपने करियर का 52वां शतक लगाया। स्टेन ने जियोस्टार से कहा जब आप 37 या 38 साल के अधिकतर खिलाड़ियों से बात करते हैं तो वे कहते हैं कि उन्हें घर, अपने कुत्ते, अपने बच्चों को छोड़ना पसंद नहीं है। लेकिन कोहली मानसिक रूप से ऐसी स्थिति में हैं जहां वह पहले की तरह भारत के लिए खेलने के लिए उत्सुक हैं। आप इसे विकेटों के बीच दौड़, फ़ील्डिंग करते और डाइव लगाते हुए देख सकते हैं। वह मानसिक रूप से युवा और तरोताज़ा हैं और क्रिकेट में बने रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा कोहली ने पिछले 15-16 साल में 300 से अधिक वनडे खेले हैं इसलिए वह काफी अनुभव रखते हैं। यह उनके शरीर और दिमाग में है। अगर वह तीन दिन की बारिश के बाद भी यहां पहुचते तो भी उनकी तैयारी पर कोई असर नहीं पड़ता। वह मानसिक रूप से मजबूत हैं, अच्छी तरह से सोच सकते हैं और गेंद को बल्ले पर आते हुए देख सकते हैं। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी यही करते हैं। स्टेन ने कहा वह स्वयं पर भरोसा रखते हैं क्योंकि वह पिछले लंबे समय से खेल रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह अब भी पहले की तरह खेलने को लेकर उत्साहित रहते हैं।

रायपुर के लिए रवाना होते दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी। एजेंसी

कोहली को जमने के बाद रोकना लगभग असंभव : यान्सेन

रांची : दक्षिण अफ्रीका के हरफनमौला मार्को यान्सेन ने कहा कि विराट कोहली जैसे विश्वस्तरीय बल्लेबाज को एक बार जम जाने के बाद रन बनाने से रोकना लगभग असंभव हो जाता है तथा स्वीकार किया कि इस भारतीय स्टार की सूत्रधार की भूमिका निभाने की क्षमता उन्हें गेंदबाजी करने के लिए सबसे कठिन प्रतिद्वंद्वियों में से एक बनाती है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच यहां खेले गए पहले वनडे में कोहली ने शतक लगाया जिससे भारतीय टीम यह मैच जीतने में सफल रही। यान्सेन ने कहा कि विश्वस्तरीय बल्लेबाजों के सामने गेंदबाज के पास शुरू में ही कुछ अवसर होते हैं। जब आप विश्वस्तरीय बल्लेबाजों को गेंदबाजी करते हैं तो उन्हें आउट करना काफी मुश्किल होता है। मैं हमेशा बल्लेबाज को उसकी पहली 10 या 15 गेंदों पर आउट करने की कोशिश करता हूं क्योंकि वह तब विकेट से सामंजस्य बिठाने की कोशिश कर रहा होता है। उन्होंने कहा लेकिन एक बार जब वह लय हासिल कर लेते हैं तो उन्हें रोकना मुश्किल हो जाता है। ऐसी परिस्थितियों में आप प्लान बी या सी पर चलते हैं। कोहली ने रविवार को अपना 52वां वनडे शतक जड़कर भारत को 17 रन से जीत दिलाई जिससे मेज़बान टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। यानसन ने भारत के 2017-18 के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान 17 वर्षीय नेट गेंदबाज के रूप में पहली बार कोहली को गेंदबाजी की थी।

आक्रामक बल्लेबाजी का श्रेय रोहित और द्रविड़ को : अश्विन

नई दिल्ली : भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने सीमित ओवर प्रारूप में भारत की आक्रामक बल्लेबाजी की रणनीति का श्रेय पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को दिया। टीम को इस रवैये से पिछले कुछ वर्षों में काफी सफलता मिली है।

अश्विन ने कहा कि इन दोनों दिग्गजों ने ना केवल अधिक आक्रामक शैली अपनाने पर जोर दिया बल्कि खुद भी उदाहरण पेश किया। इससे टी20 अंतर्राष्ट्रीय और वनडे में भारत के रवैये में बदलाव आया। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर कहा कप्तान के रूप में रोहित हमेशा टीम को यह दिखाते रहे हैं कि वह उनसे क्या चाहते हैं। टी20 और वनडे क्रिकेट में भारत जिस परिवर्तनकारी बल्लेबाजी से गुजरा है उसका बहुत सारा श्रेय रोहित और राहुल भाई को जाता है।

रेलवे ने प्रतीका राणा और रेणुका को पदोन्नत किया

नई दिल्ली : भारतीय रेलवे ने महिला विश्व कप टीम में शामिल क्रिकेटर प्रतीका रावल, स्नेह राणा और रेणुका सिंह ठाकुर को उनके असाधारण प्रदर्शन का इनाम देते हुए आउट-ऑफ-टर्न प्रमोशन दिया है। अब वह विशेष कार्य अधिकारी (खेल) के ग्रुप 'बी' होंगी।

ये तीनों खिलाड़ी सातवें वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स के लेवल-8 के अंतर्गत ग्रुप 'बी' राजपत्रित अधिकारी के वेतन और लाभों की हकदार होंगी। रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) की यह पहल न केवल तीनों महिला क्रिकेटरों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करेगी, बल्कि उन्हें प्रशासनिक जिम्मेदारियां भी सौंपेगी। इससे पहले नवंबर में, तीनों एथलीटों को केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा रेल भवन में सम्मानित किया गया था।

स्विट्जरलैंड के खिलाफ कमजोरियों को दूर करना चाहेगी भारतीय टीम

जूनियर हॉकी विश्व कप

मदुरै, एजेंसी

भारतीय टीम बेहतरीन फार्म में चल रही है लेकिन अभी तक उसे असली चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा है और ऐसे में वह मंगलवार को यहां एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के नाकआउट चरण से पहले अपने अंतिम ग्रुप लीग मुकाबले में स्विट्जरलैंड के खिलाफ जीत की लय जारी रखने और अपने कमजोर पक्षों को दूर करने की कोशिश करेगी। भारत और स्विट्जरलैंड दोनों ही पूल बी में दो-दो मैच जीतकर अजेय हैं, लेकिन भारतीय टीम बेहतर गोल अंतर के आधार पर तालिका में शीर्ष पर है। चेन्नई में पहले दो मैच में भारतीय टीम ने गोल की बरसात करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उसने पहले मैच में चिली को 7-0 से और फिर ओमान को 17-0 से हराया। दूसरी ओर स्विट्जरलैंड ने ओमान को 4-0 से हराया और फिर चिली पर 3-2 से जीत हासिल की। भारतीय टीम से उम्मीद की जा रही है कि वह अपना विजय अभियान जारी रखकर नॉकआउट से पहले बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी।

सोमवार को चेन्नई में मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में जापान और न्यूजीलैंड के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ।

जापान (लाल) और न्यूजीलैंड के खिलाड़ी चेन्नई में मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में हॉकी पुरुष जूनियर वर्ल्ड कप के दौरान मुकाबला करते हुए। एजेंसी

हांगकांग मास्टर्स एशिया कप हॉकी में भारत जीता

नई दिल्ली : भारत ने हांगकांग में आयोजित हांगकांग मास्टर्स एशिया कप 2025 में 40 वर्ष से अधिक उम्र के पुरूष और महिला मास्टर्स वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। हांगकांग फुटबॉल क्लब पर 26 से 30 नवंबर तक हुई विश्व मास्टर्स हॉकी एशिया चैम्पियनशिप में भारतीय पुरुष टीम ने ग्रुप चरण में हांगकांग को 4-0 और 5-4 से तथा सिंगापुर को 4-0 और 3-2 से हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

महिला वर्ग में भारत ने ग्रुप चरण में सिंगापुर को 7-2 से हराया जबकि हांगकांग से 1-1 से ड्रॉ खेला। न्यूजीलैंड के खिलाफ उसे 2-4 से पराजय झेलनी पड़ी लेकिन फाइनल में हांगकांग को 2-0 से हराकर खिताब जीता। हॉकी इंडिया ने दोनों टीमों की तस्वीरें साझा करते हुए एक्स पर लिखा चैम्पियंस ऐसे दिखते हैं।

अप्रत्याशित घटना | निजी कारणों का हवाला दिया, सूत्रों ने कहा-टीम का खराब प्रदर्शन बनी वजह

महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच ने दिया इस्तीफा

नयी दिल्ली, एजेंसी

एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने निजी कारणों का हवाला देकर तुरंत प्रभाव से पद से इस्तीफा दे दिया है।

हॉकी इंडिया ने देर शाम जारी बयान में खबर की पुष्टि करते हुए कहा भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने निजी कारणों से पद से इस्तीफा दे दिया है। हरेंद्र सिंह ने अप्रैल 2024 में ही पद संभाला था और समझा जा रहा था कि वह लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 तक टीम के साथ रहेंगे। सूत्रों ने बताया, टोक्यो ओलंपिक 2020 में चौथे स्थान पर रही टीम के मुख्य कोच नीदरलैंड के शोर्ड मारिन की भारतीय टीम में इस पद पर वापसी हो सकती है।

अचानक हुए घटनाक्रम में हरेंद्र सिंह ने हॉकी इंडिया को ईमेल भेजकर सूचित किया है कि वह तुरंत प्रभाव से पद छोड़ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह विशुद्ध रूप से उनका 'निजी फैसला' है।

सूत्रों ने बताया कि मारिन की भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच के रूप में वापसी हो सकती है जिनके मार्गदर्शन में भारतीय टीम तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए चौथे स्थान पर रही थी। मारिन ने अगस्त 2021 में महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दिया था। सूत्रों ने इस्तीफे का कारण टीम का खराब प्रदर्शन बताया है। हॉकी इंडिया के एक सूत्र ने कहा पिछले डेढ साल में टीम ने अपेक्षित नतीजे नहीं दिये हैं जबकि सारी मनचाही सुविधायें कोच को दी गई।

फिटनेस भी बड़ा मसला रहा है और टीम में दर्जन भर खिलाड़ी चोटिल हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने बयान में कहा हम हरेंद्र सिंह को उनकी सेवाओं के लिये धन्यवाद देते हैं। भारतीय हॉकी के लिये उनकी प्रतिबद्धता जगजाहिर है। हम जल्दी ही उनके विकल्प की घोषणा करेंगे।

हरेंद्र सिंह लखनऊ विश्व कप 2016 विजेता भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कोच रहे थे। वह भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में वापसी से पहले 2021 से 2024 तक अमेरिका की राष्ट्रीय पुरुष हॉकी टीम के कोच थे। वह सितंबर 2017 में भारतीय सीनियर महिला टीम के मुख्य कोच बने जिसने उस साल महिला एशिया कप जीता था।

2024 अप्रैल में संभाला था पद

2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक तक रहना था टीम के साथ

- **नीदरलैंड के शोर्ड मारिन की हो सकती है वापसी**

भारतीय महिला हॉकी टीम का कोच रहना मेरे कैरियर की बड़ी उपलब्धि रही है। मैने निजी कारणों से इस्तीफा देने का फैसला किया है लेकिन मेरा दिल हमेशा इस बेहतरीन टीम के साथ रहेगा। हॉकी इंडिया के साथ सफर मेरे लिये खास रहेगा और मैं भारतीय हॉकी को शीर्ष स्तर तक ले जाने के उनके प्रयासों में सहयोग करता रहूंगा।

-हरेंद्र सिंह